हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,बुधवार | 22 जनवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक :22 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

तुर्की के स्की रिसॉर्ट में लगी भीषण आग से अब तक 66 की मौत,

कई लोगों की खिड़कियों से कूदने से गई जान

तुर्की के उत्तर-पश्चिम में स्थित एक स्की रिसॉर्ट के होटल में भीषण आग लग गई। इस हादसे में 66 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक घायल हो गए।

एजेंसी

तुर्की के उत्तर-पश्चिम में स्थित एक स्की रिसॉर्ट के होटल में भीषण आग लग गई। इस हादसे में 66 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक घायल हो गए। यह दर्दनाक हादसा मंगलवार (21 जनवरी) तड़के हुआ। बताया जा रहा है कि कई लोगों की मौत होटल के खिड़कियों से कूदने से हुई। जान बचाने के लिए खिड़कियों से कूदने लगे लोगप्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, होटल के मेहमानों ने बचने के लिए खिड़कियों से चादरों की रस्सी बनाई और कुछ ने जान बचाने के लिए छलांग लगाई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तीन लोगों की मौत खिड़कियों से कूदने के कारण हुई।होटल में कैसे लगी आग?

यह आग तुर्की की राजधानी अंकारा से लगभग 170 किलोमीटर दूर कार्तालकाया रिसॉर्ट के 12 मंजिला ग्रैंड कार्ताल होटल में लगी। आग होटल के रेस्तरां से शुरू हुई और तेजी से पूरे होटल में फैल गई। होटल में लकड़ी की सजावट होने से आग ने भयानक रूप ले लिया।तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब इरदुगान ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारा दुख बहुत बड़ा है। घटना की पूरी जांच का आश्वासन दिया गया है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।सुरक्षा में लापरवाही की शिकायत हादसे में बचे कुछ लोगों ने बताया कि आग लगने के दौरान होटल में कोई अलार्म नहीं बजा। लगों ने यह भी कहा कि होटल में पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं थे। आग की धुओं से होटल की सीढ़ियों का पता नहीं चल पाया।

राष्ट्रपति इरदुगान ने जताया शोक

तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब इरदुगान ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारा दुख बहुत बड़ा है। घटना की पूरी जांच का आश्वासन दिया गया है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा में लापरवाही की शिकायत

हादसे में बचे कुछ लोगों ने बताया कि आग लगने के दौरान होटल में कोई अलार्म नहीं बजा।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली सरकार और केंद्र की लड़ाई में पिस रही है जनता: पायलट

एजेंसी

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच वर्चस्व की लड़ाई में वहां की जनता पिस रही है।पायलट ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस पार्टी एक बेहतर विकल्प के रूप में उभरी है और दिल्ली विधानसभा चुनाव में जनता कांग्रेस को जनादेश देगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने लोगों को कुछ गारंटी दी हैं।दिल्ली की जनता शीला दीक्षित के नेतृत्व वाली पूर्व कांग्रेस सरकार के तहत हुए विकास को आज भी याद कर रही है। उन्होंने कहा,हम मजबूती से लड़ेंगे और कांग्रेस पार्टी दिल्ली में अच्छा प्रदर्शन करेगी।उन्होंने विपक्षी गठबंधन ह्यइंडियाह्ण के बारे में कहा कि जब गठबंधन बना था, तब पार्टी नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे लोकसभा चुनाव के लिए सभी दलों को एक साथ लाए और परिणाम अच्छे रहे थे।

छत्तीसगढ़ में बड़ा एंटी नक्सल ऑपरेशन : 60 नक्सली घेरे गए,

एजेंसी

छत्तीसगढः अश्विनी सिन्हा-गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों के जवानों के साथ दो दिन से नक्सलियों की भीषण मुठभेड़ चल रही है। बताया जा रहा है कि, एक हजार से भी ज्यादा जवानों ने 60 खूंखार नक्सलियों की टुकड़ी को घेर लिया है। मंगलवार की दोपहर 12 बजे तक दो दर्जन के आसपास नक्सली मारे जा चुके हैं, हालांकि पुलिस की ओर से अभी 1 करोड़ के ईनामी नक्सली केंद्रीय कमेटी मेंबर जयराम उर्फ चलपती के साथ 20 के मारे जाने की पुष्टि की है। सूत्रों के मुताबिक, जवान जिस तरह से नक्सलियों की इस टुकड़ी की घेराबंदी करते हुए आगे बढ़ रहे हैं उससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि, सभी 60 नक्सली मारे जाएंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, मुड़भेड़ मैनपुर थाना क्षेत्र के कुल्हाड़ीघाट और भालूडिग्गी की पहाड़ियों पर चल रही है। मुड़भेड़ में एक जवान घायल हो गया जिसे उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर रायपुर भेजा गया है। इस मुठभेड़ में छत्तीसगढ़ और ओडिशा में मौजूद सुरक्षाबलों की कुल 10 टीमें शामिल हैं।

1 करोड़ के ईनामी कमांडर समेत 20 ढेर, कसता जा रहा शिकंजा

सुप्रीम कोर्ट में चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ दायर की गई याचिका, जांच को प्रभावित करने का आरोप

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है जिसमें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनकी सरकार पर उनके और अन्य लोगों के खिलाफ कई आपराधिक मामलों की जांच को पटरी से उतारने के व्यवस्थित प्रयासों का आरोप लगाया गया है। याचिका में हितों के गंभीर टकराव और समझौतापूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण का हवाला देते हुए सात मामलों को आंध्र प्रदेश अपराध जांच विभाग (सीआईडी) से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में स्थानांतरित करने की मांग की गई है।आंध्र प्रदेश के एक वकील द्वारा दायर याचिका में दावा किया गया है कि वर्तमान राज्य प्रशासन भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और आपराधिक हेराफेरी के आरोपों से जुड़े मामलों की जांच में बाधा डालने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर रहा है। इन मामलों में, जिनमें एपी फाइबरनेट लिमिटेड मामला, आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम (एपीएसएसडीसी) मामला, इनर रिंग रोड मामला और दो असाइन्ड लैंड स्कैम मामले शामिल हैं,

पीएम मोदी भी लगाएंगे महाकुंभ में डुबकी, इस तारीख को जाएंगे प्रयागराज

एजेंसी

नई दिल्लीः उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच फरवरी को प्रयागराज जा सकते है। उनका ये संभावित दौरा अगले महीने के पहले सप्ताह में हो सकता है। इस दौरान वो कई महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा कर सकते है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाकुंभ के दौरे को देखते हुए महाकुंभ के क्षेत्र, संगम और आसपास के इलाकों में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्द हो रहे है। सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए खास तैयारियां हो रही है। स्थानीय प्रशासन ने भी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं।जानकारी के मुताबिक 22 जनवरी को प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान ही योगी कैबिनेट की बैठक होनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहले गृहमंत्री अमित शाह भी महाकुंभ जाएंगे। वो 27 जनवरी को महाकुंभ में शिरकत करेंगे। अमित शाह के कार्यक्रम का पूरा शेड्यूल जारी हो चुका है। इस दौरान वो संगम स्नान, गंगा पूजन और अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। अमित शाह के दौरे को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने सभी तैयारियां करना शुरू कर दिया है। सुरक्षा एजेंसियां सख्त निगरानी कर रही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाकुंभ के दौरे को देखते हुए महाकुंभ के क्षेत्र, संगम और आसपास के इलाकों में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्द हो रहे है। सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए खास तैयारियां हो रही है।

आप केवल मुसलमानों की शादियां और तलाक रोक रहे, उत्तराखंड में UCC को लेकर बोले असदुद्दीन ओवैसी

एजेंसी

दिल्ली : उत्तराखंड सरकार राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी में है। इसकी को लेकर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी का बड़ा बयान सामने आया है। ओवैसी ने कहा कि जब आप हिंदू विवाह अधिनियम, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम को अपवाद दे रहे हैं तो इसे यूसीसी नहीं कहा जा सकता है और यह आदिवासियों पर भी लागू नहीं होगा। ये कैसा यूनिफ्रॉम सिविल कोड? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप केवल मुसलमानों की शादियाँ और तलाक रोक

रहे हैं।ओवैसी ने आगे कहा कि आप यूनिफ्रॉम सिविल कोड की बात करते हैं, लेकिन अगर कोई हिंदू धर्म से किसी अन्य धर्म में परिवर्तन करना चाहता है, तो उसे अनुमति लेनी होगी। उन्होंने कहा कि वे वक्फ को बर्बाद करने और उसकी संपत्तियों को लूटने के लिए यह बिल ला रहे हैं।' जैसे उअअ पर विरोध हुआ था, वैसे ही अगर वक्फ संशोधन बिल पास हुआ तो भी विरोध होगा। इससे पहले उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने सोमवार को राज्य सचिवालय में आयोजित एक बैठक के दौरान समान नागरिक संहिता (यूसीसी) नियमावली को मंजूरी दे दी। अधिकारियों के अनुसार, यह विकास विधायी विभाग द्वारा मैनुअल की सावधानीपूर्वक समीक्षा के बाद हुआ। मंजूरी के बारे में बोलते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 2022 के चुनावों से पहले किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

हम संविधान के लिए मर मिटने को तैयार, बेलगावी में बोलीं प्रियंका गांधी- राहुल से डरती है सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली: एआईसीसी महासचिव और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि वह, उनके भाई लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता भाजपा से नहीं डरते हैं और संविधान की रक्षा के लिए अपनी आवाज उठाते रहेंगे। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश में कई पार्टियों की सरकार रही, लेकिन कोई ऐसी सरकार नहीं आई, जिसका गृह मंत्री संसद में खड़े होकर बाबा साहेब का अपमान कर सके। कोई ऐसी सरकार नहीं आई,

जिसके नेताओं ने कहा कि हम संविधान बदल देंगे। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि कोई ऐसा नहीं कह सकता कि हमें आजादी 1947 में नहीं मिली। किसी ने नहीं सोचा था कि सत्ता में बैठे लोग संविधान को कमजोर करने की बात करेंगे और बाबा साहेब अंबेडकर जी जैसे मसीहा का संसद में अपमान होगा। बाबा साहेब का अपमान कर गृह मंत्री ने लोकतंत्र और तमाम स्वतंत्रता सेनानियों-शहीदों का अपमान किया है, जिन्होंने देश के लिए सबकुछ न्योछावर कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि अडानी को देश की सारी संपत्ति सौंप दी गई है। जब हम संसद में कहते हैं कि अडानी के खिलाफ अमेरिका में केस दर्ज है,

आतिशी ने EC को लिखा पत्र, रमेश बिधूड़ी के भतीजे पर लगाया गंभीर आरोप, केजरीवाल ने भी किया रिएक्ट

एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री और कालकाजी से आप प्रत्याशी आतिशी ने मंगलवार को चुनाव अधिकारी को पत्र लिखकर रमेश बिधूड़ी के भतीजे और कालकाजी विधानसभा के भाजपा कार्यकताओं के खिलाफ शिकायत की। आतिशी ने आरोप लगाया कि वे आप कार्यकताओं को धमका रहे हैं। आतिशी ने एक्स पर लिखा कि कालकाजी में हार के डर से रमेश बिधूड़ी जी के भतीजे और रिश्तेदार गुंडागर्दी पर उतर आए। कल शाम को भाजपा वालों ने आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं को डराया, धमकाया और जोर-जबरदस्ती की। कई महिला कार्यकताओं के साथ भी बदतमीजी की।आतिशी ने कहा कि चुनाव अधिकारियों को चिट्ठी लिख कर इन गुंडों पर कार्यवाही की माँग की है। साथ ही कालकाजी विधान सभा क्षेत्र में पैरा-मिलिट्री फोर्स की तैनाती के लिए कहा है। वहीं, अरविंद केजरीवाल ने भी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि पुलिस के संरक्षण और सहयोग से बीजेपी वाले सरे आम दिल्ली के लोगों से गुंडागर्दी कर रहे हैं और उन्हें धमकियाँ दे रहे हैं। ये सब कुछ अमित शाह जी के आदेश पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी 2015 और 2020 में बुरी तरह से हारी थी। इस बार भी बीजेपी बुरी तरह से हार रही है। तो अब अमित शाह जी दिल्ली वालों के खिलाफ गुंडागर्दी करवा रहे हैं। मैं अमित शाह जी से कहना चाहता हू कि दिल्ली सभ्य और शालीन लोगों का शहर है।

उत्तराखंड शहरी स्थानीय निकाय चुनाव के लिए प्रचार खत्म, 23 जनवरी को डाले जाएंगे वोट

एजेंसी

उत्तराखंड में शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) चुनाव के लिए प्रचार मंगलवार शाम पांच बजे समाप्त हो गया। पहाड़ी राज्य में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव 23 जनवरी को होंगे जबकि वोटों की गिनती 25 जनवरी को होगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने आज चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद राज्य भर में सार्वजनिक सभाओं और चुनाव प्रचार पर प्रतिबंध लगाने के स्पष्ट निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये हैं। राज्य भर में यूएलबी चुनावों में कुल 5404 उम्मीदवार, 11 नगर निगमों में मेयर पदों के लिए 72 उम्मीदवार, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों सहित 83 नगर निकायों के अध्यक्ष पद के लिए 445 उम्मीदवार मैदान में हैं। राज्य भर में स्थानीय निकायों के वार्ड पार्षदों

और वार्ड सदस्यों के पद के लिए 4888 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। 100 शहरी स्थानीय निकायों में विभिन्न पदों के लिए चुनाव होंगे। चुनाव प्रचार थमने के साथ ही उम्मीदवार मतदाताओं को लुभाने के लिए घर-घर जाकर प्रचार कर सकते हैं। यूएलबी चुनाव में करीब 30,29,000 मतदाता वोट डालेंगे. राज्य के विभिन्न हिस्सों में 1515 मतदान केंद्र और 3394 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं. राज्य चुनाव आयोग राज्य भर में शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए 25,800 सुरक्षा कर्मियों और 16,284 सरकारी कर्मचारियों को तैनात करेगा।आज उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार के मायापुर में नगर निगम चुनाव में हरिद्वार के भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में तुलसी चौक से हर की पैड़ी तक रोड शो किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। उनके नेतृत्व में उत्तराखंड भी विकास कर रहा है, चाहे स्वास्थ्य क्षेत्र हो या किसान, अनेक कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता को भाजपा उम्मीदवारों को वोट देना चाहिए।

सीवान में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में गरजे पांचों घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष, 'बनेगी एनडीए सरकार'

बिहार के विकास और एनडीए की मजबूती पर बोले डॉ. दिलीप जायसवाल: ₹ बनेगी फिर से एनडीए सरकार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और अंत्योदय की विचारधारा पर टिका है एनडीए का आधार: डॉ. दिलीप जायसवाल

नीतीश कुमार का विकास मॉडल चुनावी जीत की गारंटी₹: डॉ. दिलीप जायसवाल का बड़ा बयान

गरीब कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकारें प्रतिबद्ध: डॉ. दिलीप जायसवाल

परिवारवाद और वंशवाद से दूर है भाजपा, हमारी नींव है अंत्योदय₹: डॉ. दिलीप जायसवाल का जोरदार बयान

लोजपा अध्यक्ष राजू तिवारी का दावा राजद कभी भी सत्ता में नहीं लौट सकती

आने वाला विधानसभा चुनाव न केवल एनडीए के लिए बल्कि बिहार के लिए अहम: अनिल सिंह

यह एकता विरोधियों को परास्त करने के लिए काफी है: मदन चौधरी

पटना, 21 जनवरी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल सहित एनडीए घटक दलों के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने सीवान में आयोजित एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लिया। सभी ने स्वर में स्वर मिलाते हुए कहा कि इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में हम जीतेंगे और प्रदेश में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी।

सीवान के गांधी मैदान में आयोजित विराट एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने संयुक्त रूप से किया।

इस सम्मेलन में सभी घटक दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जुटे। इस सम्मेलन के जरिए सभी घटक दलों के कार्यकताओं ने एकजुटता दिखाते हुए बूथ स्तर तक इस गठबंधन को मजबूत बनाने का विश्वास अपने अध्यक्षों को दिया।इस संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में एनडीए के कई सांसद, विधायक और विधान पार्षद भी शामिल हुए।सम्मेलन में आए एनडीए कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जिसमें आंतरिक लोकतंत्र है, जो परिवारवाद और वंशवाद से दूर है और जिसकी बुनियाद सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, अंत्योदय और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की विचारधारा है।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने विचारों के प्रति समर्पित देश सेवा एवं गरीब कल्याण के लक्ष्य के साथ काम करने वाली पार्टी है। उन्होंने एनडीए कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज इसी गरीब कल्याण के लक्ष्य को लेकर केंद्र में नरेंद्र मोदी और प्रदेश में नीतीश कुमार की सरकार आगे बढ़ रही है।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस साल होने वाले चुनाव में भी एनडीए जीतेगी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी।

भाजपा के अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि नीतीश कुमार के विकास मॉडल की चर्चा आज देशभर में होती है। इस साल होने वाले चुनावी रण में हम पांचों दल 'पांडव' की तरह असत्य के सहारे और भ्रम फैलाकर राजनीति करने वाले कौरवों को धाराशयी करेंगे।

उन्होंने इशारों ही इशारों में राजद को निशाने पर लेते हुए कहा कि यह सीवान की धरती है। उन्होंने एक मुहावरे ' कुत्ते की मौत मरोगे ' का जिक्र करते हुए कहा कि जो अपराधी राजनीति में आना चाहते हैं, उनका नीतीश की सरकार में कोई स्थान नहीं है। वे कुत्ते की मौत मरेंगे।उन्होंने वैसे दलों को भी निशाने पर लिया जो अपराधियों को राजनीति में स्थान देते हैं।जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को नया आयाम दिया। उन्होंने लोगों को यह भरोसा दिया कि अगर सुशासन के साथ विकास की नीति को अपनाया जाए, किसी भी प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाया जा सकता है।उन्होंने जोर देकर कहा कि राजद की सरकार ने बिहार को पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार और गुण्डाराज की ओर धकेल दिया था और आज नीतीश ने बिहार में विकास की एक लंबी लकीर खींच दी है। उन्होंने कहा कि एनडीए विकास की प्रतीक है।लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि बिहार आज एनडीए के नेतृत्व में विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।उन्होंने कहा कि राजद हो या कांग्रेस का शासनकाल, बिहार के लिए वह काला अध्याय है। एक ने इमरजेसी लगाने का पाप किया तो राजद ने नरसंहार और दंगे करवाने का महापाप किया। उन्होंने दावे के साथ कहा कि अब राजद कभी भी सत्ता में नहीं लौट सकती है।हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव न केवल एनडीए के लिए बल्कि बिहार के लिए अहम है। एक गलती बिहार को फिर से पिछड़ेपन की ओर ले जा सकती है। उन्होंने तमाम कार्यकताओं से अपील करते हुए कहा कि आप बिहार की जनता को जागरूक करें और उन्हें बिहार की गौरवशाली परंपरा की याद दिलाएं और लालू सरकार के कारनामे को लोगों से बताएं।रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने भी एनडीए कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि हम सब एक हैं और आने वाले चुनाव में यह एकता विरोधियों को परास्त करने के लिए काफी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह एकता हमें बूथ स्तर तक दिखनी चाहिए।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को और सशक्त बनाने और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सार्थक चर्चा हुई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने स्विट्जरलैंड के दावोस में कोका कोला के उडड श्री हेनरिक ब्राउन के साथ भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को और सशक्त बनाने और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सार्थक चर्चा हुई। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूत करने और स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई। परस्पर सहयोग के माध्यम से हम भारतीय उद्योग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए काम करेंगे। हम सभी भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री जी के 2047 तक "विकसित भारत" के लक्ष्य को साकार करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भी अपनी अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार है।इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

चम्पारण से ल्नअश्ड मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए टॉप 30 छात्रों का चयन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मोतिहारी इस समाजिक कांति के दौर में जुल्म के खिलाफ बोलने और सामाजिक दायित्व को समझने के लिए शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। इसलिए हमें शिक्षा प्राप्त करना अनिवार्य है। इसी संदर्भ में जिले की चर्चित युवा सामाजिक संगठन हिंदुस्तान आवाम वॉइस एंड ऑर्गनाइजेशन (ल्नअश्ड) द्वारा पिछले 4 वर्षों की तरह इस साल भी मेधावी परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें पूर्वी और पश्चिम चम्पारण से 823 छात्रों ने भाग लिया। इस परीक्षा में से टॉप 30 मेधावी छात्रों का चयन किया गया। चयनित छात्रों को आगामी मैट्रिक शैक्षिक सत्र के लिए फ्री छात्रवृत्ति किट, मुफ्त कोचिंग और प्रोत्साहन पत्र के साथ सम्मानित किया जाएगा।संगठन के संस्थापक सह अध्यक्ष अतीकुर रहमान ने मीडिया से बातचीत में बताया कि ल्नअश्ड टीम पिछले 7 वर्षों से चम्पारण में युवाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा राहत, युवा कल्याण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही है। इस दौरान संगठन ने 8.5 लाख से अधिक लोगों में सकारात्मक सामाजिक बदलाव लाए हैं। इसी क्रम में ल्नअश्ड छात्रवृत्ति प्रोजेक्ट के तहत ग्रामीण परिवेश के मेधावी छात्रों को बेहतर शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। संगठन का उद्देश्य चम्पारण में ग्रामीण छात्रों को शिक्षा की राह में आने वाली बाधाओं को दूर करना और उनकी शैक्षिक यात्रा को जारी रखने में सहयोग करना है। इस सकारात्मक पहल और मेधावी छात्रों के चयन पर संगठन के मुख्य सलाहकार परिषद के सदस्य ओजैर अंजुम, मोहम्मद अब्बास नदवी, सुशील कुमार, जिप सदस्य ई० तौसीफुर रहमान, मो० नुरुजम्मां शाहिद, समद आदिल, समीर अहमद, सैफुर रहमान, अदनान रहमत, शाहिद इकबाल, नवीन जायसवाल, शाहिद अनवर, माज जफर, राज कुमार, परवेज शेख, मो० आलम, अर्शे आजम, उमर फारूक सहित पूर्वी और पश्चिम चम्पारण के संगठन प्रतिनिधियों और सदस्यों ने बधाई दी है। यह पूरी प्रक्रिया न केवल छात्रों के लिए एक नई उम्मीद है, बल्कि चम्पारण के समग्र सामाजिक और शैक्षिक ढांचे में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत भी है।

मधुबनी जिला ग्रामीण विकास अभिकरण(DRDA), सभागार मधुबनी में कृषि वर्ष 2024-25 का रबी फसल कटनी प्रयोग का प्रशिक्षण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

ग्रामीण विकास अभिकरण(ऊफ्ऊअ), मधुबनी के सभा कक्ष में कृषि वर्ष 2024-25 में रबी मौसम के फसल कटनी प्रयोग के सफल संपादन के लिए जिला स्तरीय एकदिवसीय आवृत्तिचर्या सह प्रशिक्षण का आयोजन शैलेश कुमार, अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। प्रशिक्षण के क्रम में अपर समाहर्ता द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा कृषि सांख्यिकी के आंकड़े अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। उनके द्वारा कृषि गणना के सफल अपलोडिंग के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया। प्रशिक्षण में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी राकेश कुमार द्वारा बताया गया कि कृषि सांख्यिकी के अंतर्गत जिंसवार प्रतिवेदन, द्रुत सर्वेक्षण, कृषि उपयोग विवरणी, खेसरा पंजी निर्माण में अंचल स्तरीय पदाधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस कार्य में शुद्धता, एवं समयबद्धता का ध्यान रखा जाना अपेक्षित है। विशेष प्रशिक्षक श्री प्रभात रंजन अम्बष्ट द्वारा बताया गया कि राज्य की निरंतर बढ़ती जनसंख्या को भोजन मुहैया कराने, कृषि आधारित औद्योगिकरण का सुदृढ़ आधार तैयार करने तथा आर्थिक व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए कृषि उत्पाद को बढ़ावा जरूरी है। इसलिए प्रतिवर्ष फसलों का उपज दर का आकलन आवश्यक है। उनके द्वारा फसल सहायता योजना अंतर्गत मुख्य फसल धान, गेहूं, मक्का इत्यादि फसलों का प्रत्येक पंचायत में पांच प्रयोग आयोजित करने संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई जो उउए और ऋछए्र स्त्रस्त्र से संपादित करने की विस्तृत विधि बताई गई। इस प्रशिक्षण में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल पदाधिकारी, राजस्व अधिकारी, सहायक/ प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी सहित सांख्यिकी कार्यालय के अनेक पदाधिकारी/ कर्मी उपस्थित थे।

सोनबरसा अंचलाधिकारी के रूप में कृष्ण प्रताप सिंह ने पदभार संभाला

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

सीतामढ़ी। सोनबरसा अंचलाधिकारी के रूप में कृष्ण प्रताप सिंह ने अंचल कार्यालय पहुंच योगदान दिया। अंचलाधिकारी कृष्ण सिंह ने पदभार ग्रहण करने के बाद अंचल के सभी कर्मियों से मिलकर परिचय लिया एवं सभी कर्मियों को ईमानदारी के साथ कार्य में सहयोग की अपील की। उन्होंने मौके पर कर्मचारियों को नियमित रूप से फॉर्मल ड्रेस में कार्यालय आने व अपने हल्का में रहकर आम जनता की समस्याओं का समाधान करने की बात कही। जिस प्रकार पूर्व में पदस्थापित अंचल को टॉप रैंकिंग में पहुंचाया था, उस प्रकार सोनबरसा को भी टॉप रैंकिंग में लाया जाएगा। कहा कि लोगों को अंचल से जुड़े कार्यों में सहूलियत हो इसका भरपूर ध्यान रखा जायेगा। योग्य लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले, इसका पूर्ण ख्याल रखा जायेगा।मालूम हो कि सुप्पी अंचलाधिकारी कृष्ण प्रताप सिंह को सुप्पी अंचल के दायित्वों के साथ सोनबरसा के कार्यों हेतु प्राधिकृत किया गया है। मौके पर दीपक कुमार, धीरज कुमार सिंह, पंकज कुमार चौधरी, प्रदीप कुमार निषाद, शुभम कुमार, अनुज कुमार चौधरी समेत सभी मौजा के हल्का कर्मचारी लिपिक व एकाउंटेट मौजूद थे।

मोदी सरकार में स्वदेशीकरण से रक्षा क्षेत्र में समृद्धि हुई हैं देश :- अरविन्द सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा सुधार और आत्मनिर्भरता जैसे सूत्र वाक्य आज चरितार्थ दिख रही है :- अरविन्द सिंह

पटना, 21 जनवरी :- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में रक्षा सुधार और आत्मनिर्भरता जैसे सूत्र वाक्य आज चरितार्थ दिख रही है। विकसित भारत की कल्पना, आत्मनिर्भर भारत के बिना संभव ही नहीं है। भारत को विकसित होना है तो हमें दूसरों पर अपनी निर्भरता को कम करना ही होगा और इसलिए मोदी सरकार में आज भारत, खाने के तेल से लेकर आधुनिक लड़ाकू विमान तक, हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर बल दे रहा है।आज मेक इन इंडिया की सफलता सबके सामने है। भारतीय तोप, टैंक, लड़ाकू जहाज, हेलीकॉप्टर, मिसाइल सिस्टम की गर्जना भारत की शक्ति का परिचायक है। हथियार और गोला बारूद, संचार उपकरण, साइबर और स्पेस तक मेड इन इंडिया की उड़ान का अनुभव देश कर रहा है।

देश के पायलट आज भारत में बने "तेजस" लड़ाकू विमान, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर उड़ा रहे हैं। आज पूरी तरह से भारत में बनी पनडुब्बियां, एयरक्राफ्ट कैरियर में लहरों के पार जा रहा हैं।थल सेना के जवान, भारत में बने आधुनिक अर्जुन टैंक और तोपों से देश की सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं।श्री अरविन्द ने कहा कि बीते 10 वर्षों में मोदी सरकार में देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक के बाद एक बड़े कदम उठाए गए हैं। नीतिगत सुधार करते हुए निजी क्षेत्र को रक्षा क्षेत्र से जोड़ा गया। एमएसएमई स्टार्टअप को प्रोत्साहित किया गया है। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा कॉरिडोर बन रहे हैं। इनमें अब तक 7 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश हुआ है। आज हेलीकॉप्टर बनाने वाली एशिया की सबसे बड़ी फैक्ट्री, भारत में काम करना शुरू कर चुका है।तीनों सेनाओं ने सैकड़ों हथियारों की सूची बनाकर तय किया कि अब वो इन्हें बाहर से नहीं मंगाएंगी। सेनाओं ने भारतीय हथियारों के इकोसिस्टम को सहयोग किया। अब सेनाओं के लिए सैकड़ों सैन्य उपकरण भारत की कंपनियों से ही खरीदें जा रहे हैं। 10 वर्षों में लगभग 6 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उपकरण स्वदेशी कंपनियों से खरीदे गए हैं।इन दस वर्षों में मोदी सरकार में देश का रक्षा उत्पादन, दो-गुना से भी ज्यादा, यानी एक लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है। पिछले 10 वर्षों में 150 से ज्यादा नए रक्षा स्टार्टअप शुरू हुए हैं। इनको सेनाओं ने 1,800 करोड़ रुपये के ऑर्डर देने का निर्णय लिया है।श्री अरविन्द ने कहा कि रक्षा जरूरतों में आत्मनिर्भर होता भारत, सेनाओं में आत्मविश्वास की भी गारंटी है। युद्ध के समय जब सेनाओं को पता होता है कि जिन हथियारों का वो इस्तेमाल कर रही हैं, वो स्वदेशी हैं और वह कभी भी कम नहीं पड़ेंगे तो सेनाओं की ऊर्जा कई गुना बढ़ जाती है।बीते 10 वर्षों में, भारत ने अपना लड़ाकू हवाई जहाज बनाया है। भारत ने अपना एयरक्राफ्ट कैरियर बनाया है। सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट भारत में बनाये जा रहे हैं। आधुनिक इंजन का निर्माण भी भारत में होने वाला है।

राज्य बाल संरक्षण आयोग, बिहार पटना के सदस्य द्वारा जिले में संचालित बाल देख-रेख संस्थानों यथा- बालगृह जितवारपुर समस्तीपुर का निरीक्षण किया गया।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

आज दिनांक 21.01.2025 को राज्य बाल संरक्षण आयोग, बिहार पटना के सदस्य श्रीमती ज्योति कुमारी द्वारा जिले में संचालित बाल देख-रेख संस्थानों यथा- बालगृह (बालक) जितवारपुर कन्हैया चौक एवं विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान, समस्तीपुर का निरीक्षण किया गया। संस्थानों के निरीक्षण के क्रम में माननीय सदस्या द्वारा संस्थानों के संचालन में कार्यालय द्वारा किये व्यवस्था आदि से संतुष्टि व्यक्त की गई साथ ही कहा गया कि इसी तरह से व्यवस्थित रूप से बाल देख-रेख संस्थानों का संचालन विभागीय निदेशों का पालन करते हुए करते रहें। माननीय सदस्या द्वारा हाल ही में दिनांक-16.01.2025 को घटित एक दुःखद घटना जिसमें विभुतिपुर प्रखण्ड में एक 10 वर्षीय बालिका का उनके जन्मदिन के दिन ही गली के अवारा कुत्ते के द्वारा नोच-नोच कर मार डालने की घटना का जिक्र किया गया, जिस बाबत सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई समस्तीपुर के द्वारा विभिन्न कार्यालयों यथा-आपदा, पशुपालन, वन आदि से समन्वय स्थापित किया गया एवं उचित कार्रवाई यथा- ऋष्ठ्ल्ल३्ल्ल अर्, ए७-ऋष्ठ्३ मुआवजा आदि दिलवाने हेतु प्रयास करने का आश्वासन दिया गया। इस मौके पर श्री गोपाल कुमार सिंह, बाल संरक्षण पदाधिकारी, समस्तीपुर भी मौजूद थे।

48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के जवानो को मिली भारत नेपाल सीमा पर बड़ी सफलता, जाली मुद्रा के साथ किया एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के जवानो को मिली भारत नेपाल सीमा पर बड़ी सफलता, जाली मुद्रा के साथ किया एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार। सीमावर्ती इलाकों मे हो रही मानव तस्करी, जाली मुद्रा, हथियारों की तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए गोविंद सिंह भण्डारी कमांडेंट 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के द्वारा चलाये जा रहे अभियान को और भी तेज कर दिया गया है, सीमा क्षेत्रों मे जवानो द्वारा लगातार नाका एवं गस्त किया जा रहा है तथा वाहिनी का आसूचना विभाग भी सीमा पर मुस्तैद है। इसी आलोक मे दिनांक 20/01/2025 समय लगभग 20:30 बजे 48वीं वाहिनी जयनगर के कार्यक्षेत्र भारत-नेपाल सीमा चौकी कमला के जिम्मेवारी के इलाके मे एस एस बी के जवानों को एक बड़ी कामयाबी मिली है। वाहिनी के आसूचना विभाग की गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुये श्री गोविंद सिंह भण्डारी कमांडेंट, 48वी वाहिनी जयनगर के निर्देशन मे एक टीम का गठन किया गया जिसकी अगुवाई निरीक्षक भगवान सहाय मीणा एवं अन्य जवानों के साथ की गयी कार्यवाही मे सीमा स्तम्भ संख्या 271/01 से लगभग 2 किलोमीटर एवं जयनगर के थाना क्षेत्र से लगभग 1 ` की दूरी पर भारतीय क्षेत्र मे एक संदिग्ध व्यक्ति को भारतीय एवं नेपाली जाली मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया है।

जप्त की गई जाली मुद्रा का विवरण :-

फुटबाल लीग प्रतियोगिता के तीसरे दिन पहला मैच एकलब्या झंझारपुर और यू एफ सी उमगॉव के बीच खेला गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान मे राजघाट रामपट्टी के मैदान में खेले जा रहे जिला फुटबाल लीग प्रतियोगिता के तीसरे दिन पहला मैच एकलब्या झंझारपुर और यू एफ सी उमगॉव के बीच खेला गया। मैच के 13 वे मिनट में एकलब्या के जर्सी न ० १० राजा ने डी बॉक्स के अन्दर से एक शानदार प्लेसमेन्ट के द्वारा एक गोल करके अपनी टीम को एक गोल से आगे कर दिया। जो मध्यान्तर तक कायम रहा। फिर मध्यान्तर के बाद एकलब्या के जर्सीन 0 14 प्रशांत ' जर्सी न ० 3 आयूष और जर्सी न ० 14 ने लगातार 15 मिनट के अन्दर लगातार गोल दागकर एकलब्या को 5 गोल की बढ़त दिला दिया। फिर जर्सीन ० 10 ने एक गोल करके अपनी टीम की बढ़त 6 गोल और फिर तुरंत बाद जर्सीन ० 14 ने लगातार गोलकर के अपनीटीम को 8 गोल से आगे कर दिया फिर अंत में डी वॉक्स में उमगॉव के फाउल के कारण एकलव्या को पिनैल्टी मिला जिसे एकलब्या के गोलकीपर ने मार कर बढ़त को 9 गोल कर दिया। इस प्रकार एकलव्या की टीम 9 -0 से विजई रही। पहले मैच के निर्णायक पंकज मंडल, लक्ष्मी यादव और राकेश कुमार विक्की थे। दूसरा मैच मधुबनी यंग्स और एस० एफ० सी० सिमरी के बीच खेला गया।दूसरे मैच में खेल प्रारंभ होने के 5 वे मिनट मे सिमरी के जर्सी न ० 14मो० नसीम ने एक गोल करके अपनी टीम को एक गोल से आगे कर दिया। फिर सिमरी टीम जर्सीन 05 नरेश पासवान ने दूसरा गोल दाग कर अपनी टीम को दो गोल से आगे कर दिया। फिर मध्यान्तर के बाद दोनों टीम एक दूसरे पर आक्रमण करते रहे लेकिन परिणाम वहीं रहा और सिमरी की टीम २ -० से विजई रही। मैच के निर्णायक सुभाष कुमार सिंह शम्भु पंजियार और राकेश कुमार थे। कल भी दो मैच खेले जाए। पहला मैच एकलब्या और आर एफ सी रामपट्टी तथा दूसरा मैच कुआढ़ छपरारी और यू एफ सी उमगॉव के बीच खेला जाएगा।

अशोक सिंह भासो बने दूसरी बार जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

साहिल अंसारी
बिहार प्रदेश जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार ने नगर परिषद तेघड़ा निवासी अशोक कुमार सिंह भासो को उनकी पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा को देखते हुए फिर से जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने आशा प्रकट करते हुए कहा है कि संगठन को मजबूत धारदार एवं गतिशील बनाने में अशोक कुमार सिंह भासो की सक्रिय भूमिका अपेक्षित है।

उन्होंने श्री सिंह को पार्टी को नया आयाम देने में सार्थक भूमिका निभाने की आशा जताई है। दूसरे बार यदयू के शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर अशोक सिंह भासो ने इसके लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, बिहार प्रदेश के जदयू अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, एवं बिहार शिक्षा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुनील कुमार के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि जिस उम्मीद पर विश्वास के साथ मुझे दोबारा शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। इस विश्वास और कर्तव्य निष्ठा के साथ जदयू के सिपाही के रूप में अपना काम निष्ठा पूर्वक करूंगा

डॉ. शहजाद मंजर जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा की अंगीभूत इकाई आर के. कॉलेज मधुबनी के शिक्षा शास्त्र विभाग के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. शहजाद मंजर को जद यू के प्रदेश नेतृत्व ने बिहार प्रदेश जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है।

उन्होंने इसके लिए जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार, बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. अमरदीप, बेनीपुर के विधायक डॉ. विनय कुमार चौधरी, पूर्व विधान परिषद सदस्य डॉ. दिलीप कुमार चौधरी एवं दरभंगा के जिलाध्यक्ष गोपाल मंडल को धन्यवाद दिया है। डॉ. शहजाद मंजर ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक प्रचार प्रसार करेंगे साथ ही शिक्षा प्रकोष्ठ को पंचायत एवं बूथ स्तर तक मजबूत बनाकर संगठन को अधिक धारदार बनाने का सफल प्रयास करेंगे। जिससे आगामी 2025 के विधानसभा चुनाव में शीर्ष नेतृत्व ने 225 सीट जीतने का जो लक्ष्य रखा है उस लक्ष्य को पूरा कर फिर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनेगी। जदयू के प्रदेश नेतृत्व के द्वारा किए गए इस नियुक्ति से पार्टी कार्यकताओं में हर्ष का माहौल है।

मशरक में अलग-अलग घटनाओं में आधा दर्जन घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के अलग-अलग गांवों में अलग-अलग घटनाओं में आधा दर्जन लोग घायल हो गए।मशरक सहाजितपुर मुख्य सड़क पर अलग-अलग जगहों पर बाइक दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए। यदु मोड़ पर बाइक दुर्घटना में परसा थाना क्षेत्र के सिकटी गांव निवासी स्व राम बिनोद सहनी का 20 वर्षीय पुत्र विवेक कुमार सहनी और रत्नेश सहनी की 35 वर्षीय पत्नी अनिता देवी घायल हो गए। घायल सिवान जिला के भगवानपुर थाना क्षेत्र के मोरा मोरी से चिकित्सक से इलाज करा मशरक के रास्ते गांव लौट रहे थे कि यदु मोड़ पर अनियंत्रित अज्ञात बाइक सवार ने टक्कर मार दी। वहीं बेन छपरा गांव में बाइक दुर्घटना में स्व यदु सिंह का 39 वर्षीय पुत्र पप्पू सिंह घायल हो गए। घायलों को इमरजेंसी 112 की टीम में तैनात जमादार इमरान अंसारी ने इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने घायल विवेक कुमार सहनी को सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया।

शांति निकेतन बलिया ने 7 विकेट से पवन इलेवन को किया पराजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। दलसिंहसराय के स्थानीय बाजार समिति के प्रांगण में बाजार समिति क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में आयोजित राम लखन महतो मेमोरियल क्रिकेट टूनार्मेंट का दूसरा मैच पवन इलेवन क्रिकेट क्लब चक दौलत एवं शांति निकेतन बेगूसराय के बीच खेला गया। जिसमें टॉस पवन इलेवन ने जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लेते हुए 18.2 ओवर में अपना आखिरी विकेट खोकर 141 रन बनाये। बल्लेबाजों में अजीत ने 35, चंदन ने 20 और प्रशांत ने 16 रन बनाये। इनके विपरीत रासबिहारी, सोनू, गुड्डू व अमित ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में उतरी शांति निकेतन की टीम ने 8.1 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 146 रन बनाते हुए लक्ष्य को हासिल कर लिया और इस मैच को 7 विकेट से जीत लिया। टीम के बल्लेबाजों में सुमंत ने 44, आशीष ने 35 और तौफीक ने 33 रनों का योगदान दिया, जबकि इनके विरुद्ध अविनाश को 2 एवं घनश्याम को 1 विकेट की कामयाबी मिली। इस मैच के बेस्ट प्लेयर सुमंत कुमार घोषित किया गया। जिन्हें अतिथियों द्वारा मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया। मैच में अंपायर के रूप में मो नफीस एवं पंकज कुमार थे। स्कोरिंग का कार्य रूपक ऋषभ ने किया, जबकि शशि सिंह एवं मो राजन की कॉमेंट्री ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। मौके पर नवनीत कुमार, मो चाँद, विनय कुमार, नीतीश कुमार, सुभाष कुमार आदि मौजूद थे।

वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा आगामी सरस्वती पूजा की तैयारी को लेकर अपने कार्यालय में की समीक्षात्मक बैठक।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- वरीय पुलिस अधीक्षक, दरभंगा द्वारा आगामी सरस्वती पूजा को शांति पूर्ण सम्पन्न कराने हेतु दरभंगा जिला के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल पुलिस निरीक्षक, थानाध्यक्ष के साथ समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में नगर पुलिस अधीक्षक, सहायक पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।

समीक्षात्मक बैठक के दौरान दिए गए निदेर्शः-

* सरस्वती पूजा के आलोक में इठठर की धारा 126 के तहत बंधपत्र की कारवाई का निर्देश।
* थानाअध्यक्ष अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत शांति समिति की बैठक करने का निर्देश।
* आसूचना का संकलन।
* फ्लैग मार्च एवं एरिया डोमिनेशन का निर्देश।
* संवेदनशील एवं अति संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिग करने का निर्देश।
* सोशल मीडिया की भूमिका।
* असामाजिक तत्वों पर नजर एवं कार्रवाई करने का निर्देश एवं अन्य कतिपय बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिए।

बड़ी घटना को अंजाम देने से पूर्व एक अपराधकर्मी को पुलिस ने दबोचा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। रोसड़ा अनुमंडल के डीएसपी सोनल कुमारी ने अपने सभा कक्ष में प्रेस वार्ता की। प्रेस वार्ता में उन्होंने मीडिया कर्मियों को बताया कि सोमवार को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि रोसड़ा थाना अंतर्गत ग्राम बैधनाथपुर में कुछ अपराधकर्मियो के द्वारा बड़ा घटना कारित करने का योजना बनाया जा रहा है। उक्त सूचना के सत्यापन व आवश्यक कार्रवाई हेतु थानाध्यक्ष, रोसड़ा थाना दलबल व डीआईयू टीम समस्तीपुर के साथ ग्राम वैधनाथपुर पहुँचकर विधिवत घेराबंदी किया गया। इधर पुलिस बल को देखकर वहाँ उपस्थित अपराधकर्मी पुलिस बल के उपर गोली फायर करते हुए भागने लगे। जिस पर पुलिस बल के द्वारा आमजनो व भीड़भाड़ को देखते हुए उक्त अपराधकर्मियो का पीछा किया गया तथा खदेड़कर एक अपराधकर्मी अरविंद सहनी पिता तरूण सहनी ग्राम हरिपुरघाट थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को पकड़कर घेरे में लिया गया। इनके पास से आग्नेयास्त्र एवं मादक पदार्थ भी बरामद हुआ है। अन्य अपराधकर्मी भीड़ का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गये। उक्त पकड़ाये अपराधकर्मी से पुछताछ करते हुए अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। डीएसपी ने बताया कि सभी पुलिस कर्मी सुरक्षित है तथा किसी भी अपराधकर्मी को गोली लगने की पुष्टि नही हुई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधकर्मी अरविंद सहनी पिता तरूण सहनी ग्राम हरिपुरघाट थाना खानपुर जिला समस्तीपुर निवासी का नाम शामिल है।

आभार कार्यक्रम के बैनर पोस्टर से लोजपा (आर) सुप्रीमो चिराग पासवान का फोटो आलोपित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। सोमवार को लोजपा (आर) चिराग पासवान के टिकट पर सबसे युवा सांसद की हैसियत से संसद पहुंची शाम्भवी चौधरी के आभार कार्यक्रम पर पूरी तरह भाजपा का कब्जा नजर आया। यहां तक कि इस कार्यक्रम के लिए बने बैनर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर भाजपा के विधान पार्षद डॉ तरूण कुमार चौधरी तक सभी भाजपा नेता की तस्वीर दिखी, मगर लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की तस्वीर नहीं थी, इतना ही नहीं कार्यक्रम में भी जिलाध्यक्ष अनुपम कुमार सिंह सहित कुछेक कार्यकर्ता ही मौजूद थे, वह भी सिर्फ औपचारिकता के लिए। कार्यक्रम के आयोजन से लेकर संचालन तक भाजपा कार्यकताओं की ही सक्रियता दिखी गई। लोग दबी जुबान से कहते सुने गये शाम्भवी सिर्फ कहने भर के लिए लोजपा (आर) की नेत्री हैं, असल में सांसद तो भाजपा की ही हैं। या यूं कहें कि जीतने के साथ ही सांसद को भाजपा नेता व कार्यकताओं ने सांसद को हैक कर लिया। सुत्रों की माने तो चुनाव के दौरान साये की तरह सांसद के साथ रहने वाले जिलाध्यक्ष श्री सिंह भी जीत हासिल होने के बाद से ही पदाधिकारियों सहित हाशिये पर धकेल दिए गये हैं। ऐसा माना जा रहा है कि सांसद शांभवी चौधरी का मंशा साफ नहीं है, इसीलिए लिए उन्होंने आभार कार्यक्रम के बैनर से चिराग पासवान का फोटो आलोपित कर दिया।

बैटरी चलित स्कूटी का विधायक ने किया लाँच, खरीदारों की लगी भीड़

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शहर के मोहनपुर नक्कू स्थान स्थित साईं इंटरप्राइजेज में मंगलवार को एम्पियर कंपनी का बैटरी द्वारा चलित स्कूटी का लाँच समस्तीपुर के विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने स्कूटी चलाकर किया। पूछे जाने पर साईं इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर हरेंद्र कुमार ने बताया कि यह नई गाड़ी जो आज लाँच हुआ है वह काफी मजबूत और बेहतर ढंग से बनाया गया है। इसे अगर चार घंटा चार्ज कर दिया जाय तो 100 किलो मीटर से अधिक सड़क पर दौड़ेगा। उन्होंने बताया कि एम्पियर कंपनी ने नये लुक देकर मार्केट में भेजा है। मौके पर विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन, राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, प्रोपराइटर हरेंद्र कुमार, सोनी सिंह आदि मौजूद थे।

वार्षिक कार्य योजना को मशरक में प्रशिक्षण आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड कार्यालय के चुनाव सभागार परिसर में प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत के सर्वांगीण विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 का वार्षिक कार्ययोजना तैयार करने के लिए एक दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर ट्रेनर के रूप में उषा कुमारी और बिनोद कुमार ने प्रशिक्षण दिया। मौके पर ट्रेनर ने कहा कि विकास प्रक्रिया में सहभागी बनाने के लिए कार्ययोजना बनाना आवश्यक है। मौके पर मुखिया बच्चा लाल साह, अनिल ठाकुर, इम्तियाज खान उर्फ चुन्नू बाबू समेत पंचायत सचिव और कार्यपालक सहायक मौजूद रहें ।प्रशिक्षण के दौरान पंचायत की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं का चयन, ग्रामसभा की तैयारी, विभागीय बेबसाइट पर डाटा अपलोड करने हेतु प्रपत्रों को भरने के लिए सभी को प्रशिक्षित किया गया।

20 से 25 जनवरी तक /यू.डी.आई.डी कार्ड बनाने हेतु विशिष्ट शिविर का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- श्री राजीव रौशन,जिलाधिकारी दरभंगा के आदेश के आलोक में दरभंगा जिलान्तर्गत सभी प्रखण्डों के लाभुकों के लिए दरभंगा, समाहरणालय परिसर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र/यू.डी.आई.डी कार्ड बनाने हेतु 06 दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 20 जनवरी से 25 जनवरी 2025 तक पूर्वाह्न 10:30 बजे से 04:30 बजे तक किया गया है। नेहा कुमारी सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग ने कहा कि 01 अप्रैल 2021 से ऑफलाईन दिव्यांगता प्रमाण पत्र मान्य नहीं है,इसलिए 01 अप्रैल 2021 के उपरान्त से केवल ऑनलाईन सत्यापित दिव्यांगता प्रमाण पत्र ही मान्य है। उन्होंने कहा कि जनगणना- 2011 के अनुसार दरभंगा जिला में 70 हजार 465 दिव्यांगजनों की संख्या है,जिसमें 58 हजार 280 दिव्यांगता प्रमाणीकृत दिव्यांगजन है। इन प्रमाणीकृत दिव्यांगजनों में 15,964 दिव्यांगजनों का यू.डी.आई.डी. कार्ड बनाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यू.डी.आई.डी के पोर्टल पर लंबित आवेदन के साथ-साथ शत प्रतिशत दिव्यांगजनों को यू.डी.आई.डी कार्ड प्रदान करने हेतु जिला को लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि शिविर की पूर्व सूचना सभी जन-प्रतिनिधि,विकास मित्र, पंचायत सचिव, आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका, आशा कार्यकर्ता को अपने स्तर से देना सुनिश्चित करेंगे ताकि उनके क्षेत्र के दिव्यांग लाभुकों को शिविर स्थल के संबंध में जानकारी प्राप्त हा सके।यू.डी.आई.डी कैम्प में डॉक्टर भी उपस्थित थे जिनमें ऑर्थो के- डॉ. अरबू प्रकाश,सर्जरी -डॉ. संजय सिंह,मेडिसिन-डॉ कीर्ति रंजन,नेत्र - सीपी प्रिया, एनटी - डॉ. प्रियंका शामिल है।कुल 51 आवेदन यूडीआईडी बनाया गया।

सीएनजी ऑटो में तहखाने से 51 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक उत्पाद थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मिजार्पुर में चेकिंग अभियान के दौरान सीएनजी ऑटो में तहखाना बनाकर छुपाकर ले जाया जा रहा भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद किया। दारोगा कुंदन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एस एच 73 पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें मढ़ौरा के मिजार्पुर मे सीएनजी से चलने वाले ऑटो रोका गया तो उसमे तहखाना बनाकर रखा गया 288 पीस फ्रूटी पैक जो 51 लीटर अंग्रेजी शराब हैं। मौके पर मढ़ौरा थाना क्षेत्र के पिअरपूरवा गांव प्रदुमण कुमार पांडेय पिता बिनोद कुमार पांडेय और चुटुल कुमार पंडित पिता अर्जुन कुमार पंडित को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार ने बताया कि ऑटो में तहखाना बनाकर शराब यूपी से लाकर मिजार्पुर में बेचते हैं।

लोजपा नेता गणेश पोद्दार के आकस्मिक निधन से शोक की लहर बिहार के चर्चित मुखिया राष्ट्रपति कुमार बिट्टू ने जताया दुःख

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' प्रखण्ड क्षेत्र अन्तर्गत सदर पंचायत नावकोठी के सेवा निवृत शिक्षक एवं लोजपा नेता 67 वर्षीय गणेश पोद्दार के आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।वे मृदुभाषी और मिलनसार व्यक्तित्व के स्वामी थे।उनके निधन से पार्टी को बड़ी छति पहुंची है।वे समाजवादी विचारधारा को मानने वाले व्यक्ति थे।वे जदयू एवं लोजपा के प्रखण्ड पूर्व प्रखण्ड अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके थे। उनके निधन की जानकारी होते ही नावकोठी बाजार स्थित आवास पर ग्रामीण एवं प्रखण्ड से लोगों का तातां लग गया।एनडीए गठबंधन के दर्जनों नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। पूर्व विधायक लोजपा आर के प्रदेश उपा अध्यक्ष रामविनोद पासवान ने उनके परिवार से मिलकर सांत्वना दिया मुखिया संघ के जिला महासचिव,प्रखण्ड अध्यक्ष व नावकोठी के मुखिया राष्ट्रपति कुमार बिट्टू, जदयू के जिलाध्यक्ष रूदल राय, लोजपा आर प्रखंड अध्यक्ष पंकज पासवान बखरी विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी रामशंकर पासवान, नावकोठी भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश महतो, जदयू जिला महासचिव हरिनंदन कुमार,जदयू प्रखंड अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह,सुभाकर मिश्रा,अरविंद पासवान, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष विशवनाथ दास, ललन गुप्ता, भाजपा के नीतीश जयसवाल,पंकज जयसवाल,पूर्व अध्यक्ष मुकेश महतो,कपिल देव पोद्दार,कर्मशील गौतम, संजीत यादव,पैक्स अध्यक्ष देवेन्द्र प्रसाद सिंह, अभिषेक चौहान, पूर्व महामंत्री अजित सिंह,युवा जिला लोजपा अध्यक्ष घनश्याम सिंह, जिला पार्षद प्रतिनिधि राजेंद्र शर्मा,अनमोल सिंह इत्यादि लोगों ने फूल माला अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गए।उनके ज्येष्ठ पुत्र धर्मवीर कुमार ने बूढ़ी गंडक नदी के काली स्थान घाट पर उन्हें मुखाग्नि दी।वहीं नावकोठी बाजार के दुकानदारों ने व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद कर उनके प्रति शोक व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत 31 गर्भवती महिलाओं की जांच

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' प्रखण्ड क्षेत्र अन्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नावकोठी पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व स्वास्थ्य-जांच किया गया।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राम नरेश शर्मा ने बताया कि चेकअप के दौरान सभी गर्भवती महिलाओं का एचआईबी,बीपी, हिमोग्लोबिन,वजन, ऊंचाई,मूत्र,डायबिटीज आदि जाँच की गयी।इस दौरान 31 गर्भवती महिलाओं ने अपनी जांच करवायी।जांच के बाद सभी गर्भवती महिलाओं को कैल्शियम,फोलिक एसिड सहित अन्य आवश्यक दवा उपलब्ध करवायी गई।वहीं काउंसलर राजकुमार सिंहा के द्वारा फल,हरी सब्जी व पौष्टिक आहार का सेवन करने,प्रत्येक माह नियमित जांच कराने व आराम करने की सलाह दी गई।इस दौरान डॉ हिमांशु कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक आनंद ईश्वर,एलटी पंकज जोशी,एनएम प्रियंका कुमारी,स्वर्णिम स्नेही, शालिनी कुमारी,दीपा कुमारी,मंचन कुमारी, निशा कुमारी,विश्व भारती आशा कार्यकर्ता व लाभुक उपस्थित थे।

पीएचसी नावकोठी में ड्यू लिस्ट सर्वे सहित अन्य मुद्दों को लेकर बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) 'प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पीएचसी नावकोठी में एएनएम की बैठक की गई।अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रामनरेश शर्मा ने की।इस दौरान पूर्ण टीकाकरण अभियान का 95% लक्ष्य हासिल करने से संबंधित सभी एएनएम को दिशा निर्देश दिया गया।नया सर्वे रजिस्टर शीघ्र अद्यतन करते हुए छूटे हुए गर्भवती एवं 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों को प्रतिरक्षित सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत छूटे हुए सभी बच्चियों का सर्वेक्षण कर रिपोर्ट सौपने,प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित योजना अन्तर्गत होने वाले चार जांच सुनिश्चित करने,ड्यू लिस्ट सर्वे अद्यतन करने,टेली मेडिसिन,गैर संचारी रोग, डायबिटीज,बीपी,कैंसर, टीबी,कुष्ट,फाइलेरिया, एनीमिया मुक्त भारत आदि की समीक्षा की गई।इस दौरान स्वास्थ्य प्रबंधक आनंद ईश्वर, बीसीएम उषा कुमारी, बीएमसी गोपाल शर्मा,बी एम ई ए संदीप कुमार, काउंसलर राजकुमार सिंहा,अकाउंटेंट राजीव कुमार,एएनएम मंचन कुमारी,प्रियंका कुमारी, आरती कुमारी,दीपा कुमारी,सुमन रानी,विश्व भारती आदि मौजूद थे।

स्वतंत्रता सेनानी गंगा राय की पांचवी पुण्यतिथि मनाई गई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी ।पुपरी स्थित प्रकाश निकेतन में स्वतंत्रता सेनानी व कमजोर व निर्धन छात्रों के लिए स्थापित प्रकाश लॉज के संस्थापक गंगा बाबू की पांचवी पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गईं। गंगा बाबू अत्यंत ही स्वाभिमानी, सरल व मृदु स्वभाव के अति मिलनसार व्यक्ति थे। गंगा बाबू का पूरा जीवन संघर्षमय एवं त्याग से भरा था। इनका बचपन बहुत ही दुःख में बीता, मात्र डेढ़ वर्ष की अवस्था में माँ का स्वर्गवास हो गया, वहीं पिताजी देश की आजादी की लड़ाई में हमेशा जेल में बंद अथवा घर से बाहर ही रहते थे। आर्थिक तंगी के कारण नवमीं कक्षा तक सहपाथियों की मदद से बेला हाई स्कूल से पढ़ाई कर सकें। दुर्भाग्यवश नवमी के बाद आगे की पढ़ाई जारी नहीं रख सकें। मात्र ग्यारह वर्ष की आयु में खेती कर परिवार की माली स्थिति को सुधारने में मदद की। सन 1942 में

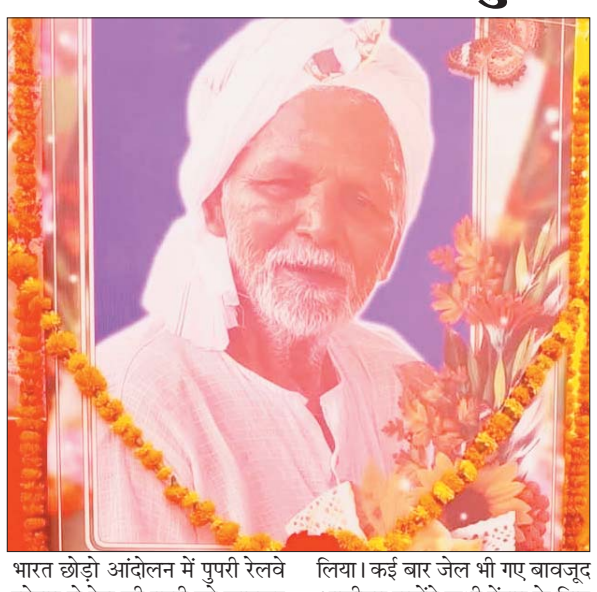

भारत छोड़ो आंदोलन में पुपरी रेलवे स्टेशन से रेल की पटरी को काटकर मोहनी (महुआगाछी) तक अपने कंधे पर ले गए थे। आजादी के लड़ाई में इन्होंने भी अपने पिता के तरह हिस्सा लिया। कई बार जेल भी गए बावजूद आजीवन इन्होंने कभी पेंशन के लिए आवेदन तक नहीं किया। वहीं पुण्यतिथि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रखंड समन्यवक नेसार अहमद ने कहा पड़ोसी होने कारण इनको बेहद करीब से जानने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गंगा बाबू अति स्वाभिमानी, दृढ़ संकल्पवान एवं मजूबत इरादा के व्यक्ति थे। एकबार जो सोच लेते वो कर के ही मानते थे। उन्होंने गरीब व निर्धन छात्रों के लिए पांच दशक पूर्व पुपरी में प्रकाश लॉज का स्थापना की जो आज तक अनवरत उनके पौत्र आयुष प्रकाश के देखरेख में चल रहा है। श्री गंगा बाबू सरल व सादगी जीवन जिया बल्कि शरीर पर कभी पूर्णरूपेण वस्त्र भी धारण नहीं किया। तत्कालीन सरकार द्वारा इनके पिताजी सरयुग राय उर्फ मुंशी बाबू को ताम्र पत्र भी मिला था। मौके पर उपस्थित उनके पौत्र ई. आयुष प्रकाश, सरकारी अमीन दीपक कुमार, मो नसीम, महबूब आलम, संतोष शर्मा, मुकेश कुमार झा, सुनील दास, शुभम कुमार, अंकुश कुमार, मनीष कुमार, विकाश कुमार सहित दो दर्जनों से अधिक लोग उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

महागठबंधन की सरकार बनते ही माई बहिन योजना होगा लागू, 370 लोगों ने सदस्यता ग्रहण किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। मंगलवार को समस्तीपुर प्रखंड के पुनास तथा सिंघिया खुर्द पंचायत में स्थानीय विधायक अख्तरूल इस्लाम शाहीन के नेतृत्व में राजद कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर तथा स्टॉल लगाकर माई बहिन मान योजना का प्रचार-प्रसार किया। स्थानीय विधायक अख्तरूल इस्लाम शाहीन ने बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की माई बहिन मान योजना की घोषणा को चुनावी नहीं बल्कि प्रतिबद्धता बताया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने माई बहिन मान योजना की घोषणा से एक बुनियाद पड़ेगी और महिला समृद्ध होगी, वह सुखी होगी तो परिवार खुशहाल होगा। उन्होंने कहा कि बिहार का नवनिर्माण महिलाओं की समृद्धि के बिना नहीं होगा। योजना के तहत बिहार की प्रत्येक महिला के बैंक खाते में प्रत्येक महीने 2,500 रुपये हस्तांतरण किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि

यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करेगी। महंगाई के कारण आज महिलाएं न अपने पसंद का कपड़ा पहन पा रही हैं और न खाना खा पा रही हैं। इस योजना के पैसे महिलाएं परिवार की भलाई, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए खर्च कर सकेंगी। इस योजना से महिलाओं को छोटे व्यवसाय शुरू करने में मदद मिलेगी। बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए राजद विधायक ने कहा कि पूरे बिहार में अफसरशाही सिर चढ़कर बोल रही है। यहां के अधिकारी नौजवानों पर हाथ, पैर, लाठी सब चला रहे हैं। बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। अधिकारी अपनी मनमर्जी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे नेता तेजस्वी यादव अगर बिहार के मुख्यमंत्री बनते हैं तो माई बहिन योजना को लागू करेंगे। प्रत्येक महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये पेंशन देंगे। उन्होंने कहा कि 2500 लाभार्थी के खाते में जाएंगे वह भी सरकार बनने के एक महीने बाद इस योजना की शुरूआत कर देंगे। विधायक ने कहा कि समस्तीपुर विधानसभा में घूमघूम कर लोगों को योजना के बारे में जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा लोग गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई से त्राहिमाम एवं परेशान है। उन्होंने आगे कहा कि महागठबंधन सरकार बनते ही बेरोजगारी को हटाने के लिए मुहिम शुरू की जाएगी। मौके पर जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, प्रखण्ड राजद अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, जिला महासचिव राकेश कुशवाहा, समाजसेवी देवशंकर राय, राजद नेता बिलट सिंह, छोटेलाल पासवान, रजीउल इस्लाम, मीडिया प्रभारी मन्नू पासवान, हरेंद्र कुमार, मो चांद, मो रिजवान, ऊषा देवी, अमरजीत पासवान, सुरेश महतो, मो मुख्तार, धर्मेंद्र पासवान, रतना देवी, सुजाता कुमारी आदि मौजूद थे' इस अवसर पर 370 लोगों ने राजद की सदस्यता ग्रहण की।

गढ़पुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में परिवार नियोजन दिवस का सफल आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

गढ़पुरा (बेगुसराय) ' मंगलवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर परिवार नियोजन दिवस का आयोजन किया गया।इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन चौधरी ने कहा कि सरकार परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता और स्वीकार्यता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि समुदाय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से इस विषय पर जागरूकता फैलाने के प्रयास जारी हैं परिवार नियोजन दिवस के आयोजन का निरीक्षण डीसीएम ऋषिकेश कुमार, फैमिली प्लानिंग को-ऑर्डिनेटर, और नीपेंद्र कुमार ने किया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने महिलाओं के साथ परिवार नियोजन के स्थायी और अस्थायी साधनों पर चर्चा की।बीसीएम सुमन कुमार ने बताया कि कॉपर-टी एक प्रभावी अस्थायी विधि है, जो 5 से 10 वर्षों तक बच्चों के जन्म में अंतर बनाए रखने में मदद करती है। इसे निकलवाने के बाद प्रजनन क्षमता तुरंत वापस आ जाती है। उन्होंने गर्भनिरोधक गोली माला-एन, अंतरा इंजेक्शन, और नॉन-हार्मोनल साधन छाया पर भी व्यापक जानकारी दी स्वास्थ्य प्रबंधक मनीष कुमार के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की गईं:48 महिलाओं का बंध्याकरण और 1 पुरुष नसबंदी।

संविधान के मूल्यों का हर भारतवासी को सम्मान करनी चाहिए, संविधान गौरव अभियान का हुआ आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड के मिजार्पुर स्थित ईगोस परिसर में भारतीय जनता पार्टी का संविधान गौरव अभियान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कल्याणपुर दक्षिणी मंडल अध्यक्ष ने एवं संचालन संयुक्त रूप से मंडल अध्यक्ष ने किया।कार्यक्रम में भाजपा के नव मनोनीत जिलाध्यक्ष उत्तरी नीलम सहनी व समस्तीपुर दक्षिणी के शशिधर झा का अभिनन्दन एवं स्वागत किया गया। स्वागत समारोह के बाद उपस्थित कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए समस्तीपुर उत्तरी जिलाध्यक्ष नीलम सहनी ने कहा कि भारत का संविधान सबसे बेहतर संविधान है और यह कर्तव्य बनता है कि हर भारतीय संविधान के मूल्यों का सम्मान करें। संगठन पर बोलते हुए नीलम सहनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकताओं का सम्मान ही हमारी प्राथमिकता है। समस्तीपुर दक्षिणी जिलाध्यक्ष शशिधर झा ने बताया कि भाजपा के कार्यकर्ता संविधान गौरव अभियान के तहत हर नागरिक को संविधान का महत्व बताये।प्रदेश महामंत्री जगन्नाथ ठाकुर ने कहा कि कल्याणपुर भाजपा का उर्वरक धरती रहा है और यहाँ से एनडीए के उम्मीदवार का भाजपा कार्यकताओं के कारण जीत सुनिश्चित होता है।विधान परिषद सदस्य डॉ तरुण कुमार चौधरी ने कहा कि दोनों जिलाध्यक्ष अनुभवी और ऊजार्वान है जिसका लाभ 2025 के विधानसभा चुनाव में मिलेगा और हम जिले के 10 विधानसभा में जीत हासिल करेंगे। कार्यक्रम में सुशील चौधरी, प्रो विजय शर्मा, राम सुमिरन सिंह, प्रभात कुमार ठाकुर, उमेश प्रसाद कुशवाहा, कौशल पांडेय इत्यादि मौजूद थे।

रामपुर उप स्वास्थ्य केंद्र का राज्य स्तरीय ठदअर निरीक्षण सफल, 530 मानकों पर टीम ने की बारीकी से जांच

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

बखरी, बेगूसराय ' मंगलवार, को बखरी प्रखंड अंतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र रामपुर का राज्य स्तरीय ठदअर (नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड) प्रमाणीकरण हेतु निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण राज्य स्तर की टीम के डॉक्टर विकास रामेश्वर पांडेय और वंदना राज के नेतृत्व में किया गया।530 मानकों पर किया गया गहन निरीक्षण हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर रामपुर में टीम ने 530 मानकों पर विस्तार से जांच की और सभी प्रकार के दस्तावेजों का अवलोकन किया। टीम ने स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की। केंद्र पर कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी पूजा कुमारी, एएनएम सीमा कुमारी, और सुरभि कुमारी से पूछताछ की गई। उनकी जानकारी पर संतोष व्यक्त करते हुए टीम ने कुछ स्थानों पर और अधिक प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया सम्मान और भावी योजनाएं निरीक्षण के बाद, टीम के सदस्यों को सम्मानित किया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. दीपक कुमार सिंह ने इस अवसर पर कहा कि बखरी प्रखंड के सभी स्वास्थ्य उपकेंद्रों को ठदअर प्रमाणीकरण प्राप्त करने के लिए चरणबद्ध प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि निरंतर प्रयासों से सभी स्वास्थ्य उपकेंद्र इस लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।प्रशंसा और धन्यवादप्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक सुरेंद्र कुमार ने निरीक्षण दल का धन्यवाद देते हुए उनकी यात्रा को प्रेरणादायक बताया।

बिहार जनता खान मजदूर संघ के महामंत्री का मशरक में हुआ स्वागत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बड़हिया टोला गांव में मंगलवार को बिहार जनता खान मजदूर संघ के महामंत्री सह कांग्रेस नेता रणविजय सिंह का पूर्व सांसद महाराजगंज प्रभुनाथ सिंह के आवास पर भव्य स्वागत किया गया। स्वागत तरैया विधानसभा से प्रत्याशी रहें युवा नेता युवराज सुधीर सिंह ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित करते हुए स्वागत किया। मौके पर प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू, पूर्व मुखिया छोटा संजय, मुकेश सिंह, बाला पठान, सनोज सिंह समेत अन्य मौजूद रहें।:

संसद सड़क सुरक्षा समिति बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:समाहरणालय के विमर्श कक्ष में स्थानीय सांसद देवेश चंद्र ठाकुर की अध्यक्षता में संसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आहूत की गई।

बैठक में विधायक सीतामढ़ी मिथलेश कुमार , विधायक सुरसंड दिलीप राय, मेयर श्रीमती रौनक जहां परवेज, जिलाधिकारी रिची पांडेय, जिला परिवहन पदाधिकारी स्वप्निल, सभी अनुमंडल पदाधिकारी के साथ विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिले में सड़क सुरक्षा क्रिया-कलापों की निगरानी, सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों की निगरानी,सड़क दुर्घटना के कारणों को पहचानना और उसका अध्ययन,प्रोटोकॉल के अनुसार ब्लैक स्पॉटों की पहचान तथा सुधार से संबंधित कार्य की समीक्षा और निगरानी, सड़क सुरक्षा मानकों का कार्यान्वयन सुनिश्चित

करना,दुर्घटना/घातकता में कमी लाने के लिए विशिष्ट लक्ष्यों के साथ जिले के लिए सड़क सुरक्षा कार्य योजना तैयार करना,सड़क यातायात को सुचारू बनाने के उपायों की समीक्षा करना,जिले में नेक व्यक्तियों को प्रेरित करने के लिए कार्य-नीतियां बनाना, जिले में सड़क सुरक्षा अभियान को बढ़ावा देना इत्यादि आदि बिंदुओं पर समीक्षा की गई एवं इस संबंध में आवश्यक निर्देश माननीय सांसद के द्वारा दिए गए। बैठक में सांसद महोदय ने सड़क सुरक्षा को लेकर निर्देश दिया कि बस एवं ट्रक चालकों के आवर्स ऑफ ड्राइविंग का मॉनिटर करना सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि कमर्शियल व्हीकल चलाने वाले चालकों का प्रत्येक 6 माह पर प्रशिक्षण कार्यशाला करवाया जाय।उन्होंने निजी तथा सरकारी विद्यालयों में छात्र छात्राओं के बीच जागरूकता अभियान चलाने का भी निर्देश दिया। शहर से गुजरने वाली सड़कों के जंक्शन पॉइंट पर आवश्यकता अनुसार संकेतक,साइनेज लगवाने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिए गए।

निर्देश दिया कि नए सिरे से ब्लैक स्पॉट का चिन्हीकरण करते हुए अग्रेत्तर कार्रवाई करें ताकि दुर्घटनाओं को नियंत्रित किया जा सके। सभी महत्वपूर्ण एवं सार्वजनिक स्थलों पर हेलमेट चेकिंग अभियान को नियमित रूप से चलाने का निर्देश दिया गया।हिट एंड रन मामले के पीड़ित व्यक्तियों को लाभ देने के लिए सार्थक पहल किया जाय।इस संबंध में जागरूकता अभियान चलाएं ताकि अधिक आवेदन आ सके और लोगों को लाभ मिल सके।सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमित जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। बैठक में महत्वपूर्ण सड़कों के किनारे फुटपाथ का निर्माण एवं आवश्यकता अनुसार डिवाइडर बनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया एवं इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। शहर में अवस्थित बस स्टैंड को अन्य स्थल पर शिफ्ट करने से संबंधित विचार विमर्श किया गया।उन्होंने जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना सुनिश्चित किया जाए।वहीं सदर विधायक श्री मिथिलेश कुमार ने कहा कि ट्रिपल ड्राइविंग पर सख्ती बरती जाए।ड्रंकन ड्राइविंग पर रोक लगाने की दिशा में गंभीर कार्रवाई की जाए। इसके लिए बसों एवं ट्रकों का नियमित रूप से जांच की जाए।उन्होंने कहा कि नियमित रूप से लाइसेंस चेक किया जाए।हिट एंड रन से संबंधित मामलों में मुआवजा का भुगतान, हेलमेट, सीट बेल्ट, टिंटेड ग्लास,प्रेशर हॉर्न इत्यादि की सघन जांच सुनिश्चित की जाए।

दो लोगों पर विद्युत चोरी की प्राथमिकी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर सहायक विद्युत अभियंता कार्यालय की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में विद्युत चोरी करते दो लोगों को पकड़ा गया। इसको लेकर कनीय अभियंता कुणाल कुमार ने स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए दो को आरोपित किया गया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि आरोपित लोगों में गांव की आसमा खातून व सुमन कुमारी का नाम शामिल है।

योगी ने हेलिकॉप्टर से देखा पूरा महाकुंभ

गंगा में 108 डुबकी लगाई, जननांग की नस खींची, महाकुंभ में 24 घंटे तपस्या कर रहे

प्रयागराज। महाकुंभ का आज 7वां दिन है। उट योगी भी पहुंचे हैं। उन्होंने हेलिकॉप्टर से महाकुंभ मेला क्षेत्र का जायजा लिया। थोड़ी देर में अफसरों के साथ मीटिंग करेंगे। मंथन होगा कि 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर 8-10 करोड़ श्रद्धालु आए तो भीड़ कैसे संभालेंगे। 22 जनवरी को महाकुंभ में होने वाली कैबिनेट मीटिंग की तैयारियां, ढट मोदी और राष्ट्रपति के प्रस्तावित कार्यक्रम पर भी मंथन होगा। जूना अखाड़े के बाद अब निरंजनी अखाड़े में भी नागा संन्यासी बनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यहां 400 से ज्यादा संन्यासियों का संस्कार किया जा रहा है। इनकी कसम प्रार्थना भोर में 4 बजे होगी। रविवार को दोपहर 12 बजे तक 31 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया। अब तक कुल 8 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। 27 जनवरी को गृहमंत्री अमित शाह भी कुंभ आएंगे। वह संगम स्नान करके पूजा-अर्चना करेंगे। मेला क्षेत्र के सेक्टर-6 में बालू को खउइ से बराबर किया जा रहा था, तभी लाल कपड़े में लपेटा नवजात लड़के का शव मिला। इसके बाद काम रोक दिया गया। पुलिस के मुताबिक, शव करीब 10 दिन पुराना है। रात 10 बजे महाकुंभ में बम की सूचना से अफरा-तफरी का माहौल हो गया। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिविर में बम की सूचना पर फोर्स मौके पर पहुंची। छानबीन के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। महाकुंभ में प्रतिदिन देश और विदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लाखों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में आस्था और विश्वास की डुबकी लगा कर देश की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों को आत्मसात कर रहे हैं। आज एनडीआरएफ टीमों की तत्परता, दृढ़ता और कार्य कुशलता ने त्रिवेणी संगम क्षेत्र में स्नान करने आए झारखंड के एक ही परिवार के पांच लोगों के जीवन का बचाने का काम किया। दुर्घटना उस समय हुई जब उस परिवार की नाव गहरे पानी में तेज बहाव की वजह से अनियंत्रित होकर डूबने लगी। मौके पर ही एनडीआरएफ की टीम पानी में गस्त लगा रही थी, बचाव कार्मिकों ने संकटग्रस्त परिवार की बचाव पुकार को सुनते ही बिना समय गंवाए अपने कर्तव्य का पालन करते हुए तत्काल गहरे पानी में फंसी नाव के पास पहुंच कर सभी फंसे हुए लोगों को उस नाव से बाहर निकाला और अपनी नाव से सुरक्षित स्थान पर ले आए। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर प्रयागराज महाकुंभ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सेक्टर 18 में जूना अखाड़े के शिविर में अवधेशानंद महाराज से मुलाकात की। सीएम योगी ने कहा, ह्भव्यता और दिव्यता के साथ महाकुंभ आयोजित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुंभ के लिए जो विजन दिया है उसको स्थानीय स्तर पर लागू करने के लिए सभी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के स्नान संपन्न हो गए हैं। मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी के 2 बड़े महा स्नान कुंभ की शोभा हैं। 7 हजार से अधिक संस्थाएं यहां आ चुकी हैं। आज 1 करोड़ से अधिक लोग यहां मौजूद हैं। इतनी बड़ी संख्या के लिए सभी विभाग मिलकर उनकी सुविधा और सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं। 29 जनवरी और 3 फरवरी के महा स्नान के आयोजन को ध्यान में रखकर हमने व्यवस्था का अवलोकन किया है। मुझे विश्वास है कि हम इसका सफल आयोजन कराएंगे। मेले में रंग-बिरंगे साधु आए हैं। इनमें से एक हैं कबीर दीपक। जबलपुर से आए ये संत नाक से बांसुरी बजा भक्तों का मनोरंजन कर रहे हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्रपुरी महाराज ने कहा- 400 से 500 संन्यासी नागा बन रहे हैं। इनकी कसम प्रेयर भोर में 4 बजे होगी। इसके बाद इन संन्यासियों को दीक्षा दी जाएगी। सुबह 9 बजे तक दीक्षा चलेगी। जूना अखाड़े के बाद अब निरंजनी अखाड़े में भी नागा संन्यासी बनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। निरंजनी अखाड़े में 400 से ज्यादा संन्यासियों का संस्कार किया जा रहा है। महाकुंभ में चिमटे वाले बाबा को फिर गुस्सा आ गया। उन्होंने एक यूट्यूबर को पीट दिया। महाकुंभ में दुनियाभर से मीडिया आई है। दूसरी तरफ यूट्यूबर भी यहां अपनी रिपोर्टिंग के लिए पहुंचे हैं। कवरेज के दौरान कई यूट्यूबर को बाबा के गुस्से का सामना करना पड़ रहा, जिनका वीडियो सामने आया। योगी ने मुरारी बापू की कथा में कहा- आज मैंने देखा कि प्रयागराज के सारे घाट श्रद्धालुओं से भरे हैं। मुझे बापू की कई कथाओं में सहभाग करने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रत्येक कथा में कुछ न कुछ नया होता हैं। प्रयाग की धरती पर अक्षय वट है, सरस्वती कूप भी है, नागवासुकी का पावन मंदिर है, महर्षि भारद्वाज जी का आश्रम है और पावन त्रिवेणी का संगम भी है, इस पवित्र धरा पर आप सभी का अभिनंदन है। योगी ने कहा- कथा का संदेश राष्ट्रीय एकता का संदेश होना चाहिए। अखंड़ भारत का संदेश होना चाहिए। उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम के मिलन का संदेश होना चाहिए। आप सभी अंखड़ भारत का संदेश लेकर जाएं।

संक्षिप्त डायरी

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ वित्त विहीन गुट ने नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक का स्वागत किया

संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ वित्त विहीन गुट के पदाधिकारियों ने नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक कुशीनगर श्रवण कुमार गुप्ता का स्वागत माल्यार्पण व बुके देकर किया। शनिवार को सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी पुरन्दर प्रताप यादव, जिलाध्यक्ष नियामत अली के नेतृत्व संगठन के शिक्षक जिनिवि कार्यालय पहुंचे और नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक कुशीनगर का जोरदार स्वागत किया। नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक श्री गुप्ता ने सभी से शिष्टाचार वार्ता किया और बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण, नैतिक व संस्कारिक शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष गोरखपुर ज्ञानेश्वर सैनी, रामप्रवेश यादव, श्री नारायण कुशवाहा, अतुल सैनी आदि मौजूद रहे।

नेवेली पावर प्लांट में हुआ सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर से सटे कानपुर नगर के नेवेली पावर लिमिटेड में, मेसर्स पावर मेक प्रोजेक्ट लिमिटेड की तरफ से सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर 17 जनवरी 2025 को बड़ी तादाद में लोग मौजूद रहे, कार्यक्रम में खासतौर से नेवेली के सेफ्टी डीजीएम आर बालामुर्गन, अरविंद कुमार, शरद चन्द्रा, आनंद सक्सेना, राज शेखर, सेफ्टी विभाग के ऋषि कुमार, अकबर खान सहित सभी हेड ऑफ डिपार्टमेंट और वर्कर शामिल रहे। कार्यक्रम में अकबर खान ने सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर डीजीएम आर बालामुर्गन ने सड़क सुरक्षा के के नियमो को फॉलो करने पर जोर दिया। ये पहला कार्यक्रम है जो ओ एंड एम एजेंसी मेसर्स पावर मेक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की तरफ से संचालित किया गया है। जबकि 27 जनवरी तक कार्यक्रम चलेगा। कार्यक्रम के अगले दिन 18 जनवरी को सुबह नेवेली के गेट नो 1 पर टू व्हीलर और फोर व्हीलर ड्राइवरों को अभियान चलाकर जागरूक किया गया, कार्यक्रम के दौरान हैलमेट में रिफलैक्टिव स्टीकर लगाने के साथ ही सीट बेल्ट इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर सड़क सुरक्षा रैली भी निकाली गयी। रैली की शुरूआत सर्विस बिल्डिंग से हुई जबकि नेवेली के ओ एण्ड एम जी एम ने हरि झंडी दिख कर रैली को रवाना किया।

हमीरपुर की ललपुरा पुलिस ने चोरी के तीन फरार अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की ललपुरा पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत रात गश्त के दौरान थाना क्षेत्र के शेर माता मंदिर बजेहटा में मंदिर की दानपेटिका से हुयी रुपये की चोरी के बारे में दर्ज मु०अ०सं०मु0अ0संमु०अ०सं--08/2025 धारा 305(अ) बीएनएस के तहत छानी बुजुर्ग निवासी 23 वर्षीय अभियुक्त लोधे सिंह उर्फ देवेन्द्र सिंह पुत्र कल्याण सिंह, जबकि 25 वर्षीय छानी खुर्द निवासी धीरू सिंह उर्फ धीरसिंह पुत्र अजयपाल सिंह सहित 25 वर्षीय छानी खुर्द निवासी मोहित सिंह पुत्र बच्चू सिंह को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। पुलिस ने बताया कि तलाशी के दौरान अभियुक्तों के पास से चोरी किये गये नौ हजार पांच सौ चालिस रुपये बरामद किये गये। जबकि अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई सुरेन्द्र कुमार, कांस्टेबल हर्षबर्धन यादव, कांस्टेबल विवेक कुमार मिश्रा सहित कांस्टेबल अनुरूद्ध यादव सहित कांस्टेबल कन्हैया त्रिपाठी शामिल रहे।

कानपुर में सिपाही से भिड़ा युवक, वर्दी फाड़ी

कानपुर। गोविंद नगर इलाके में नशे में धुत एक युवक ने जमकर उत्पात मचाया। उसने पहले तो मां की बेरहमी से पिटाई की। सूचना मिलने पर जब पीआरवी की पुलिस पहुंची और पिटाई करने से मना किया तो सिपाही से भिड़ गया। उसकी वर्दी फाड़ दी। मामला बढ़ता देख गोविंद नगर थाने की पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। उसने सिपाही को बचाया। उसके बाद सिपाही की तहरीर पर शनिवार को आरोपी को गिरफ्तार शांति भंग में चालान कर दिया। सिपाही मनीष तिवारी के अनुसार- वह पीआरवी में तैनात हैं। गुरुवार रात पीआरवी 0710 में हेड कांस्टेबल राजेंद्र सिंह और सिपाही राजेश कुमार के साथ घूम रहे थे। राजेश कुमार गाड़ी ड्राइव कर रहे थे। तभी रात करीब सवा दस बजे गुजैनी एच ब्लॉक के रहने वाले अभिषेक कुमार ने कंट्रोल रूम में फोन किया। उसने सूचना दी कि गौरव शर्मा नाम का एक युवक नशे में मां के साथ मारपीट कर रहा है। जिसके बाद हेड कांस्टेबल राजेंद्र सिंह और सिपाही राजेश कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा तो गौरव अपनी मां को पीट रहा था।महिला की चिल्लाने की आवाज सुन हेड कांस्टेबल राजेंद्र सिंह बचाने को दौड़े। इस पर गौरव को गुस्सा आ गया। उसने राजेंद्र को पकड़ कर उसके साथ हाथापाई शुरू कर दी। सिपाही ने जब बचाव किया तो उसे कई तमाचे जड़ दिए। साथ ही जैकेट और वर्दी भी फाड़ दी। शोरगुल सुनकर आरोपी का भाई भी घटना स्थल पर पहुंच गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात में 41532 लोग सम्मिलित

संवाददाता

कुशीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को ह्यमन की बातह्न कार्यक्रम के 11 8 वें एपिसोड को संबोधित किए। रविवार को मन की बात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगामी 75 वें गणतंत्र दिवस समारोह और देश के लोकतंत्र को आकार देने में भारत के संविधान के महत्व सहित प्रमुख माइलस्टोन पर प्रकाश डाला। उन्होंने सैटेलाइट डॉकिंग जैसे अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों और प्रगति का उल्लेख किया।

उन्होंने प्रयागराज में महाकुंभ के बारे में बात की और नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्आपने देखा होगा कि कुंभ में युवा बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं. ये बात सही है कि जब युवा पीढ़ी गर्व के साथ अपनी सभ्यता से जुड़ती है, तो उसकी जड़ें मजबूत होती हैं और उसका सुनहरा भविष्य सुनिश्चित होता है। इस बार कुंभ में हम बड़े पैमाने पर डिजिटल फुटप्रिंट्स भी देख रहे हैं। भाजपा द्वारा जनपद में बूथ स्तर पर मन की बात कार्यक्रम प्रसारित किया गया जिसमें सभी जनप्रतिनिधि, पार्टी के वरिष्ठ नेता,पदाधिकारी व कार्यकर्ता आम जनता के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात को सुना। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय फाजिलनगर विधानसभा के बूथ संख्या 244 बरवां शुकदेव में स्थानीय पदाधिकारी और ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात सुनने के बाद कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात अब जन जन की बात बन गई है। मन की बात कार्यक्रम पूर्णतः गैर राजनीतिक है जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के कोने कोने में समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभागियों से बात करते हैं और उनका उत्साह वर्धन करते हैं।

मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक व जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा कुशीनगर जिला के सभी बूथों पर प्रसारित किया गया जिसमें 41532 लोग सम्मिलित हुए।

स्व.शांति देवी जिला स्तरीय फुटबाल टूनार्मेंट

मथुरा छापर को हरा एसडीआईसी पहुंची सेमीफाइनल में

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के नोनिया पट्टी सोनबरसा में हो रहे स्वर्गीया शांति देवी जिला स्तरीय फुटबाल टूनार्मेंट में चौथे दिन का मुकाबला एसडीआईसी(शांति देवी इंटर कालेज)टीम और मथुरा छापर टीम के बीच खेला गया। जिसमें एसडीआईसी (शांति देवी इण्टर कालेज) की टीम ने 8-1से मथुरा छापर को एकतरफा पराजित कर सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित कर

लिया।एसडीआईसी (शांति देवी इंटर कालेज) की ओर से अनश शेख तथा सर्फुद्दीन ने तीन तीन गोल तथा जाफिल व तहां खान ने एक एक गोल किया। वहीं मथुरा छापर टीम से भोला ने एक गोल किय । मैच का शुभारंभ रेड हिल्स स साहिल अंसारी ने खिलाड़ियों प परिचय प्राप्त करके कराय । आयोजक जिला पंचायत सदस प्रतिनिधि डा.शुभम यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया। इस दौरान प्रधानाचार्य राजदेव यादव, इकबाल अंसारी,अल्ताफ अंसारी,गोविंद चौबे, शम्भू यादव, मोतीलाल यादव, अरविंद यादव, संदीप कुशवाहा, मनोज यादव, मुन्ना कुशवाहा, सुधाकर कन्नौजिया, राणा प्रताप कुशवाहा, बृजेश कुशवाहा, सिंधु यादव उस्मान गनी नूरी समेत खेलप्रेमी मौजूद रहे।

फाजिलनगर में चार सौ लोगों में संपत्ति स्वामित्व कार्ड वितरित

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर ब्लॉक परिसर में शनिवार को आयोजित एक समारोह में क्षेत्र के विभिन्न गांवों के चार सौ से अधिक लोगों को संपत्ति स्वामित्व कार्ड वितरित किए गए।

समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजेश जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि यह शासन की एक

महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर राजस्व विवादों को कम करना है। उन्होंने बताया कि इससे लोगों को अपनी संपत्ति का रिकॉर्ड रखने में सहूलियत होगी। बीडीओ रवि कुमार रंजन ने बताया कि पहा चरण में क्षेत्र पंचायत की 80 ग्रा सभाओं के चार सौ से अधिक लो को उनकी संपत्ति के स्वामित्व का प्रदान किए गए हैं।जो राजस्व अ ब्लॉक कर्मचारियों की कड़ी मेहन का परिणाम है। जिला परियोजना अधिकारी जगदीश त्रिपाठी ने इस योजना के महत्व और उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया। समारोह का संचालन प्रधान संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कुशवाहा ने किया। इस अवसर पर चित्रमणि शर्मा, कानूनगो नंदलाल पाठक, धर्मेंद्र सिंह, राधेश्याम सिंह, सन्नी गुप्ता, पूर्व प्रधान ब्रजेश पांडेय, इंद्रजीत कुशवाहा, मधुबन सिंह, विजय पाल सिंह, उमेश यादव, कालिंदी यादव आदि उपस्थित रहे।

बलिया में एक्टर बेटे को मुखाग्नि देते पिता बेहोश

बलिया। 'कौन ऐसा अभागा पिता होगा, जो अपने युवा बेटे को मुखाग्नि देगा। उठो बेटा, सुबह हो गई है। जो तुम कहोगे, मैं वही करूंगा। तुम्हें वैष्णो देवी भी लेकर जाऊंगा।' टीवी सीरियल धरतीपुत्र नंदिनी के लीड एक्टर अमन जायसवाल (24) के पिता ने बेटे को मुखाग्नि देते हुए यह कहा, तो घाट पर मौजूद पर कोई रोने लगा।

मुंबई में हुए सड़क हादसे में अमन की मौत हो गई थी। वह बलिया के बेल्थरा रोड के रहने वाले थे। रविवार सुबह 9 बजे पैतृक निवास से निकली अमन जायसवाल की अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए। अपने चहेते सितारे की आखिरी झलक पाने के लिए लोग छतों और दीवारों पर चढ़ गए। हर आंख नम थी और हर चेहरा उदास। सबसे भावुक पल तब आया जब पिता आशीष जायसवाल ने अपने बेटे को मुखाग्नि दी। 18 जनवरी को अमन फिल्म सिटी में शूटिंग के बाद अपनी बाइक से घर लौट रहे थे।

रास्ते में एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही अमन की मौत हो गई। अमन ने महज 3 साल पहले मुंबई में अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की थी। वह अब तक 3 लोकप्रिय धारावाहिकों में मुख्य किरदार निभा चुके थे। ह्यधरतीपुत्र नंदिनीह्न में उनके अभिनय को खास पहचान मिली। 18 जनवरी देर रात अमन का शव पहले हवाई जहाज से मुंबई से वाराणसी और फिर एंबुलेंस से बलिया लाया गया। रविवार सुबह अमन की शव यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। हर कोई अपने प्रिय कलाकार को आखिरी बार देखना चाहता था। अमन के अंतिम संस्कार में कई प्रमुख हस्तियां भी शामिल हुई। इनमें पूर्व सांसद रविंद्र कुशवाहा, विधायक जय प्रकाश अंचल, पूर्व विधायक धनंजय कन्नौजिया, ब्लॉक प्रमुख आलोक कुमार सिंह, और अन्य लोग मौजूद थे। सभी ने अमन को नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। अमन के अचानक निधन से उनके परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। माता-पिता को संभालने के लिए डॉक्टरों की मदद लेनी पड़ी। परिवार के करीबी बताते हैं कि अमन अपने माता-पिता और छोटे भाई के साथ बेहद घुल-मिलकर रहते थे। 2023 में अमन को टीवी सीरियल 'धरतीपुत्र नंदिनी' से फेम मिला। इसमें वो लीड रोल में थे। उन्होंने आकाश का किरदार निभाया था। इस सीरियल को ह्यरामायणह्न में सीता व किरदार निभाने वाली एक्ट्रे दीपिका चिखलिया ने प्रोड्यूस किया था। इसके अलावा, अम ने शो पुण्यश्लोक अहिल्याबाई यशवंत राव फांसे का किरद निभाया था। यह शो साल 202 से 2023 तक टेलीकॉस्ट हुआ था।

वह रवि दुबे और सरगुन मेहत के शो उड़ारियां का भी हिस्सा र चुके हैं। पड़ोसी बताते हैं- अम को बाइक चलाने का शौक था। वो मुंबई में एक से दूसरी जग जाने के लिए बाइक का ह इस्तेमाल करते थे। अमन अप इंस्टाग्राम अकाउंट पर बाइक राइड करते हुए वीडियो शेयर करते थे। अमन के पिता आशीष बिजनेसमैन हैं। चाचा प्रशांत कुमार मंटू व्यापार मंडल के अध्यक्ष हैं। अमन दिवाली पर आखिरी बार बलिया आए थे। पड़ोसियों ने बताया कि अमन बचपन से एक्टर बनना चाहते थे। लेकिन, उनके पिता आशीष चाहते थे कि बेटा आईएएस बने। हालांकि, मां ने अमन का साथ दिया था। पिता को भी समझाया। ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई करने के बाद अमन मुंबई चले गए। अमन ने करियर की शुरूआत बतौर मॉडल की थी, फिर टीवी सीरियल में काम करने लगे।

मानसून में घर की दीवारों में आ जाती है नमी, तो आज से ही करें ये काम

मानसून आते ही मौसम में ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है, जिसके कारण घर की दीवारों का पेंट फूलने लगता है। इससे न सिर्फ दीवारें खराब होती है बल्कि इससे सटाकर रखी गई सामान भी बेकार हो जाती है।

मानसून का मौसम जल्द ही दस्तक देने वाला है। ऐसे में मौसम तो काफी सुहाना रहता है लेकिन इस दौरान अक्सर घरों में सीलन आने लगती है। दीवार पर मौजूद नमी धीरे-धीरे इससे सटे हुए सामान जैसे अलमारी, बेड आदि को खराब कर देता है। दरअसल, बारिश के मौसम में नमी का स्तर काफी बढ़ जाता है। ऐसे में घर की दीवारों को खास देखभाल करने की जरूरत होती है। ह्यूमिडिटी बढ़ने के कारण वॉल पर फफूंद के निशान और अजीब से दुर्गंध आने लगती है। अगर आप इस मानसून घर की दीवारों को खराब होने से बचाना चाहती है तो आज ही कर लें ये काम।

वाटरप्रूफ पेंट का करें इस्तेमाल

घर को सुंदर दिखाने में पेंट का अहम रोल होता है। ऐसे में पेंट करवाते समय वाटरप्रूफ कलर का इस्तेमाल करें। इस तरह से आप एक साथ दो काम कर सकते हैं पहला घर लंबे समय तक सुंदर और दूसरा बरसात से घर को सुरक्षित।

प्लम्बर से नल को कराएं चेक

घर में लगे पानी के टैप को समय-समय पर चेक करें। बारिश का पानी के बजाय कई बार पाइप कनेक्शन से रिसने वाले पानी के कारण दीवार में नमी आती है। ऐसे में दीवार में आने वाली नमी के कारण पेंट फूल कर गिरने लगता है, जिससे गंदगी और स्मेल दोनों बढ़ जाती है।

वेंटिलेशन का रखें ध्यान

बारिश होने के बाद घर की खिड़कियों को जरूर खोल दें। हल्की धूप निकलने पर घर के कपड़े से लेकर मैट परदे आदि को धूप दिखाएं। वेंटिलेशन का खास ख्याल रखें ऐसा करने से आप दीवारों को नमी से कुछ हद तक बचा सकते हैं।

पानी को निकलने वाली जगह को रखें क्लीन

घर में जहां पर पानी निकलने का सोर्स है उस जगह को हमेशा साफ रखें। कई बार नाली में जमी गंदगी व कचरे के कारण बारिश का पानी आसानी से बाहर नहीं निकल पाता। पानी एकत्र होने के कारण दीवार की मदद से वह ऊपर चढ़ने लगता है।

सर्दी हो या गर्मी हर मौसम में घर की सफाई रखनी जरूरी होती है। खासतौर इसकी जरूरत बारिश में ज्यादा हो जाती है क्योंकि इस दौरान नमी की वजह घर से स्मेल आने लगती है।

मानसून के मौसम में इन हैक्स की मदद से करें सफाई क्लीन और स्मेल फ्री रहेगा घर

मानसून और बारिश में घर को साफ-सुथरा रखना किसी चैलेंज से कम नहीं होता। बारिश के कारण घर में 24 घंटे नमी बनी रहती है जिसकी वजह से लकड़ी के फर्नीचर और कपड़ों में स्मेल और दीमक लगने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं बाहर से आने पर घर में पानी के साथ-साथ कीचड़-मिट्टी हो जाता है। हालांकि सही क्लीनिंग हैक्स की मदद से इससे निजात पा सकती हैं। इन हैक्स को अपनाकर आप कम मेहनत में अपने घर को क्लीन और स्मेल फ्री रख सकती हैं।

बारिश में घर को साफ करने के लिए अपनाएं ये हैक्स

आमतौर पर बारिश के मौसम में सफाई का काम कई गुना बढ़ जाता है। इस समय कम धूप और ज्यादातर बारिश होती रहती है जिसके कारण से सीलन और चिपचिपाहट बनी रहती है। बेशक ही तेज हवा और बारिश गर्मी से आराम दिलाता है लेकिन काम बढ़ा देता है। इस दौरान न सिर्फ कीचड़ घर के अंदर आता है बल्कि कीड़े-मकोड़े भी बढ़ जाते हैं।

पानी सोखने वाले डोरमैट का करें इस्तेमाल

डोरमैट का इस्तेमाल हम सभी पैरों और जूतों पर लगी मिट्टी को साफ करने के लिए करते हैं। इस मौसम में घर के दरवाजे पर ऐसा डोरमैट बिछाए जो पानी और गंदगी को आसानी से सोख लें। आज के समय लोग बाजार में मिलने वाले फैशनेबल मैट का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें पानी और गंदगी को साफ करना आसान तो होता है लेकिन इन्हें साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है। बारिश में हल्का और नमी सोखने वाला डोरमैट इस्तेमाल करें। आप चाहें तो इसे घर पर पुराने कपड़े की मदद से बना सकती हैं। पायदान को दूसरे व तीसरे दिन में धोकर सुखा दें।

घर के अंदर आने वाले पानी को रोके

बारिश में घरों में सीलन आने की समस्या काफी आम बात है। लेकिन इससे होने वाली दिक्कत हर किसी को परेशान करती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले सीलन की समस्या का उपाय खोज लें। इसके लिए घर में बनी नालियों को साफ करें। दीवारों पर वाटरप्रूफ पेंट करें। दरार वाली जगहों को चेक कर सही कराएं।

अलमारी को बारिश से पहले करें साफ

वैसे तो हर मौसम में अपनी अलमारी को साफ करना जरूरी है। लेकिन अगर आपने अलमारी को दीवार से चिपकाकर रखा है तो उसकी नमी कपड़ों तक पहुंच जाती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले अलमारी को दीवार से हटाएं। इसके बाद अलमारी के अंदर बनी रैक पर पेपर बिछाकर कपड़ों को सही से व्यवस्थित करें। नमी आने के कारण अक्सर कपड़े बदबू करने लगते हैं। ऐसे में आप कपूर, दालचीनी और नीम की पत्तियों को बांधकर इसके बीच में रखें। ये सामग्री नमी को सोखने का काम कर उन्हें सुरक्षित रखता है।

बरसात में आपका घर न लगे अस्त-व्यस्त, इसलिए उसे इस तरह से करें व्यवस्थित

मानसून अपने साथ राहत लेकर आता है, यह तो हमको मालूम ही है। मगर आपने ध्यान दिया होगा कि अक्सर बारिश होने की वजह से चीजें अस्त-व्यस्त रहती हैं। घरों में सीलन आदि होने लगती है और इसी के कारण बदबू भी होने लगती है।

जरूरी है कि मानसून में आप अपने साथ-साथ घर का भी पूरा ख्याल रखें। अपने घर को मेंटेन रखने के लिए आप क्या-क्या तरीके अपना सकती हैं, इसके बारे में आपने सोचा है? अगर नहीं, तो हम ऐसे ही कुछ खास तरीके आपको बताने वाले हैं, जिसके साथ आप अपने घर को व्यवस्थित कर सकती हैं और मानसून की टेंशन से दूर हो सकती हैं।

खुशबू का रखें ख्याल

मानसून के कारण घरों में से एक अजीब से महक आना शुरू हो जाती है। वह दीवारों के गीले होने के कारण होती है। ऐसे में कभी आपके घर कोई मेहमान आ जाए तो आपको कितनी फजीहत होगी। ऐसा न हो इसके लिए हमेशा नियमित रूप से घर की साफ-सफाई करें। इसके अलावा अपने लिविंग रूम में एक पोटपोरी रखें, जिसमें एसेंशियल ऑयल डाला जाता है। इससे आपके कमरे खुशबू से महकते रहेंगे और गंदी बदबू से आपको छुटकारा मिलेगा।

इंडोर प्लांट्स लगाएं

अब इंडोर प्लांट्स तो आपके घर में होंगे ही, लेकिन ऐसे मौसम में उन पौधों को घर पर रखें, जो घर से ह्यूमिडिटी हटा सकें। साथ ही ऐसे पौधे भी लाएं, जो कम सनलाइट में भी बढ़ सकें। अगर किसी विशेष एरिया पर ज्यादा पौधे हैं, तो उन्हें हटाकर बालकनी की तरफ ले जाएं। मानसून में पौधों पर जल्दी कीड़े लगते हैं, इसका भी ध्यान रखें और उनकी देखभाल अच्छे से करें।

कारपेट्स को करें क्लीन

मानसून में सबसे ज्यादा गंदगी आपके कालीन पर होती है। वे जल्दी नम हो जाते हैं और उनमें धूल-मिट्टी भी चिपक जाती है। इस कारण कमरे में से गंदी बदबू आने लगती है। इसे हटाने के लिए कार्पेट को रोजाना वैक्यूम क्लीनर से क्लीन करें। हफ्ते में दो बार कार्पेट की डीप क्लीनिंग करें। वहीं, ऐसा बार-बार करना न चाहते हों, तो इस मौसम में कारपेट बिछाने से बचें। यह आप आपका वक्त भी बचाएगा और घर में गंदगी भी नहीं होगी।

लकड़ी के फर्नीचर का रखें खास ख्याल

हम सब जानते हैं कि मानसून में लकड़ी के फर्नीचर कितनी जल्दी खराब होते हैं। नमी के कारण लकड़ी फूल जाती है और दीमक की समस्या भी उत्पन्न होती है। इससे अपने फर्नीचर को बचाने के लिए नियमित रूप से वैक्सिंग का सहारा लें। अगर आपके दरवाजे, खिड़कियां फूली हुई लगें, तो सैंडपेपर की मदद से उन्हें साफ करें। ऐसे मौसम में किसी तरह का रेनोवेशन करवाने से भी बचना चाहिए। यह चीजों को और अस्त-व्यस्त कर सकता है।

किताबों की जगह बदलें

अगर आपके घर में सामान से ज्यादा किताबें रहती हैं, तो इस मौसम में उनका भी ख्याल रखें। अपने बुक शेल्फ को ऐसी जगहों से दूर कर दें, जहां नमी जल्दी पकड़ी हो। साथी ही उनके बीच कपूर की गोलियां डालना न भूलें। आप किताबों की आलमारी में सिलिका जेल के पाउच भी रख सकते हैं। इससे मॉइश्चर में कमी आती है और यह आसानी से बाजारों में उपलब्ध भी हो जाते हैं। इतना ही नहीं, घर की वायरिंग का भी खास ख्याल देना जरूरी है। मानसून में फ्लकचुएशन बहुत होती है। शॉर्ट सर्किट न हो इसके लिए अपनी वायरिंग की जांच भी करवाएं।

लुक चेंज करने के लिए पहनें माहेश्वरी साड़ी

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन यह तभी अच्छी लगती हैं, जब आप सही कलर और डिजाइन को इवेंट के हिसाब से वियर करते हैं।

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए जब भी साड़ी किसी खास दिन पर पहनने की बात आती है तो हम अलग-अलग डिजाइन ऑप्शन को सर्च करते हैं, ताकि सबसे अलग नजर आ सके। वहीं कई सारे लोग ऐसे होते हैं, जो इवेंट के हिसाब से साड़ी खरीदते हैं। वहीं कुछ फैब्रिक देखकर उन्हें खरीदना और पहनना पसंद करते हैं। अगर आपको भी कुछ नए फैब्रिक को ट्राई करना है तो आप इसके लिए मध्य प्रदेश की फेमस माहेश्वरी साड़ी को वियर कर सकती हैं। यह सिल्क फैब्रिक से तैयार की जाती है। साथ ही, पहनने में कंफर्टेबल होती है।

माहेश्वरी गोल्डन जरी वर्क साड़ी

साड़ी डिजाइन में आप गोल्डन वर्क वाली जरी वाले पैटर्न को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी सॉफ्ट कपड़े से बनाई जाती है। इसलिए, इसे पहनना आसान होता है। वहीं इसमें जो वर्क किया जाता है वो बॉर्डर और पल्लू पर किया जाता है। इससे साड़ी और अच्छी लगती है। इसे हैवी टच देने के लिए छोटी-छोटी बूटी के डिजाइन को पूरी साड़ी में डिजाइन किया जाता है। साड़ी सिंपल भी लगती है। लेकिन जब एक्सेसरीज के साथ वियर की जाती है तो हैवी लुक देती है। आप इसे किसी भी इवेंट पर वियर कर सकती हैं। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। इस तरह की साड़ी आपको मार्केट में 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी।

बाटिक प्रिंट साड़ी डिजाइन

साड़ी स्टाइल करना पसंद है, तो आप बाटिक प्रिंट साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी दिखने में सुंदर लगती है। साथ ही, कॉटन साड़ी जैसा लुक देती है। आप इस तरह की साड़ी को ऑफिस या डे पार्टी में अच्छी एक्सेसरीज के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आप सबसे अलग नजर आएंगी। इसमें आपको प्रिंट और डिजाइन अलग-अलग मिल जाएंगे, जिससे आपका लुक अच्छा लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 500 रुपये में मिल जाएगी।

कॉटन सिल्क माहेश्वरी साड़ी

आप फोटो में नजर आने वाली कॉटन माहेश्वरी सिल्क साड़ी को भी वियर कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी डिजाइन डिफरेंट होते हैं। साथ ही, स्टाइल करने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें आपको डबल कलर के साथ बॉर्डर मिलेगा। साथ में गोल्डन जरी वर्क डिजाइन का पैटर्न मिलेगा। इससे साड़ी क्लासी नजर आएगी। आप इस साड़ी को किसी भी फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक अलग और सुंदर लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी। मार्केट जाकर इस बार सिल्क या कॉटन नहीं बल्कि माहेश्वरी साड़ी को वियर करें। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही आपको कुछ नया ट्राई करने को मिलेगा।

बरसाती कीड़ों से पाना है छुटकारा तो ऐसे करें घर की सफाई

बारिश के मौसम में बरसाती कीड़े के साथ ही घर में चीटी और काकरोच जैसी चीजें भी आने लगती है। ऐसे में अगर घर में छोटे बच्चे हैं तो आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। बारिश के मौसम में घर की सफाई करने के लिए आपको कुछ आसान हैक्स की मदद लेनी चाहिए।

दरार और छेद को बंद करें

घर की दीवारों, दरवाजों और खिड़कियों में मौजूद दरारों और छेदों को सीलेंट या प्लास्टर से बंद करें ताकि कीड़े घर के अंदर न आ सकें। ध्यान रखें कि मानसून के दिनों में घर की सफाई सही तरीके से करना चाहिए।

कूड़ेदान को साफ रखें

कूड़ेदान को रोजाना साफ करना चाहिए। अगर आप डेली कूड़ेदान को साफ नहीं करती हैं तो उसमें कीड़े लगने लगते है। कचरे को समय-समय पर बाहर निकालें। साथ ही आपको कूड़ेदान को भी धोते रहना चाहिए।

घर में जाली लगाएं

खिड़कियों और दरवाजों पर मानसून के महीने में जाली लगाएं ताकि कीड़े अंदर न आ सकें। साथ ही आपको रोजाना अपने घर को शाम के समय पोछा लगाना होगा।

गंदे बर्तन न छोड़ें

खाना खाने के बाद बर्तनों को तुरंत साफ करें। गंदे बर्तन लंबे समय तक छोड़ने के कारण बर्तन में कीड़े लगने लगते हैं। ऐसे में आपको ध्यान रखना है कि रात के समय भूलकर भी बर्तन को बेसिन में ना छोड़े।

बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से जारी, 4.79 करोड़ के लिए निविदा विभिन्न चरणों में

नयी दिल्ली। एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लि. (ईईएसएल) और राष्ट्रीय अवसंरचना निवेश कोष (एनआईआईएफ) के संयुक्त उद्यम इंटेलीस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लि. ने बुधवार को कहा कि देश में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से जारी है और 4.79 करोड़ ऐसे मीटरों के लिये निविदा विभिन्न चरणों में है बिजली वितरण कंपनियों के लिये प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी स्मार्ट मीटर राष्ट्रीय कार्यक्रम (एसएमएनपी) के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी उठा रही है। इंटेलीस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनिल रावल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ह्यह्यदेश में स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से जारी है। असम, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र समेत विभिन्न राज्यों में 4.79 करोड़ स्मार्ट मीटर के लिये निविदा जारी की गई है, जो फिलहाल विभिन्न चरणों में है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने 2023 तक 10 करोड़ और 2025 तक 25 करोड़ स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य रखा है। रावल के अनुसार, अबतक देश में ईईएसएल की परियोजना के तहत करीब 25 लाख स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके हैं। वैसे अबतक विभिन्न माध्यमों से कुल 40 लाख स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके हैं। जिन राज्यों में स्मार्ट मीटर निविदा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं, वे हैं...असम (26.2 लाख), जम्मू-कश्मीर (6.2 लाख), महाराष्ट्र (10 लाख), बिहार (15 लाख), उत्तर प्रदेश (2.67 करोड़) और अन्य राज्य (20 लाख)। रावल ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने से बिजली बिल की वसूली बेहतर होगी। साथ ही खपत आंकड़ों के सटीक विश्लेषण से वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति भी सुधरेगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक माहौल में स्मार्ट मीटर के विनिर्माण पर असर पड़ा है। इसका कारण रूस-यूक्रेन संकट के कारण इसमें उपयोग होने वाले कलपुर्जों के आयात का प्रभावित होना है। एक अन्य सवाल के जवाब रावल ने कहा कि लोगों के स्तर पर स्मार्ट मीटर को लेकर झिझक जरूर है क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे बिजली बिल अधिक आता है। हालांकि, यह सही नहीं है।

भारत को अलविदा कहने का मन बना रही विश्व की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी

नयी दिल्ली। विश्व की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी होल्सिम लिमिटेड भारत से अपना कारोबार समेटने की तैयारी कर रही है। बताया जा रहा है कि कंपनी का यह कदम मुख्य बाजारों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वैश्विक रणनीति का एक हिस्सा है। कंपनी के सूत्रों ने बताया कि होल्सिम लिमिटेड ने अपनी दोनों सूचीबद्ध कंपनियों अंबुजा सीमेंट और एसीसी लिमिटेड को बेचने वाली है। इतना ही नहीं होल्सिम लिमिटेड ने इन कंपनियों को सेल पर भी डाल दिया है। होल्सिम लिमिटेड के पास अंबुजा सीमेंट में 63.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी है, जबकि अंबुजा के पास एसीसी लिमिटेड का 50.05 प्रतिशत हिस्सा है। इसके अतिरिक्त होल्डरिंड इन्वेस्टमेंट (होल्सिम) के पास सीधे एसीसी लिमिटेड में 4.48 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। साल 2018 में होल्सिम दोनों ब्रांडों को मर्ज करने की कोशिशें कर रही थी लेकिन प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, होल्सिम लिमिटेड अपना भारतीय व्यापार बेचने के लिए अडाणी ग्रुप और जेएसडब्ल्यू समेत कई कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है। आपको बता दें कि अडाणी ग्रुप और जेएसडब्ल्यू ने हाल ही में सीमेंट के सेगमेंट में एंट्री ली है। ऐसे में दोनों कंपनियां होल्सिम द्वारा बेची जा रही सीमेंट कंपनियों को खरीदने का प्रयास कर रही हैं। हालांकि शुरूआती दौर पर अभी बातचीत चल रही है।

लॉयड ने सौरव गांगुली को पूर्वी भारत के बाजारों के लिए ब्रांड एम्बैसडर बनाया

नयी दिल्ली। बिजली के सामान बनाने वाली कंपनी हैवेल्स इंडिया के टिकाऊ उपभोक्ता सामान ब्रांड लॉयड ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और वर्तमान में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली को पूर्वी भारत के बाजारों के लिए अपना ब्रांड एम्बैसडर नियुक्त किया है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। हैवेल्स इंडिया ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा है कि इस भागीदारी के तहत गांगुली लॉयड श्रृंखला के टिकाऊ उत्पादों (कंज्यूमर ड्यूरेबल्स) का प्रचार, विज्ञापन और विपणन के जरिये समर्थन करेंगे। हैवेल्स इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अनिल राय गुप्ता ने कहा, हमारा ब्रांड सौरव गांगुली को एक प्रेरणा के रूप में देखता है। गांगुली की लोकप्रियता से हमारे ब्रांड को फायदा होगा। गांगुली ने ब्रांड के साथ अपने जुड़ाव पर कहा, लॉयड ने खुद को भारत में सबसे भरोसेमंद टिकाऊ उपभोक्ता सामान ब्रांड के रूप में स्थापित किया है, जो नवोन्मेषण, बेहतर प्रौद्योगिकी और बिक्री के बाद ग्राहक सहायता पर निरंतर ध्यान केंद्रित करता है। लॉयड एयर कंडीशनर, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर और एलईडी टीवी जैसे उत्पादों की बिक्री करती है।

अमेजन ने सेलर्स को दिया झटका, फीस में 5% सरचार्ज जोड़ा, ऐमजॉन के 20 लाख विक्रेता

सिएटल। ऐमजॉन ने घोषणा की है कि वह थर्ड पार्टी विक्रेताओं से वसूले जाने वाले शुल्क पर पांच फीसदी ईंधन एवं मुद्रास्फीति सरचार्ज लगाएगी। कंपनी ने यह फैसला अपनी बढ़ती लागत को कम करने के लिए किया है। थर्ड पार्टी विक्रेता वे हैं, जो ई-कॉमर्स कंपनी ऐमजॉन की सेवाओं का उपयोग करते हैं। ऐमजॉन ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि यह अतिरिक्त शुल्क 28 अप्रैल से प्रभाव में आएगा और यह परिधान और गैर-परिधान दोनों प्रकार की वस्तुओं पर लागू होगा। इससे पहले ऐमजॉन ने बीते नवंबर में शुल्क वृद्धि की घोषणा की थी जो जनवरी से लागू हुई थी। कंपनी की ओर से हालिया फैसले के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी गई। विक्रेताओं को बुधवार को भेजे गए नोटिस में ऐमजॉन ने कहा कि कोविड-19 महामारी आने के बाद से उसकी लागत बढ़ गई है।

कंपनी ने कहा, 2022 में हमें हालात सामान्य होने की उम्मीद थी क्योंकि दुनियाभर में कोविड-19 पाबंदियां हटी हैं लेकिन ईंधन और मुद्रास्फीति बढ़ने से चुनौतियां बढ़ गईं। मंगलवार को जारी फेडरल आंकड़ों में बताया गया कि मार्च में मुद्रास्फीति 8.5 फीसदी बढ़ गई। पेट्रोल-डीजल के दाम बीते 12 महीनों में 48 फीसदी बढ़ गए।

ऐमजॉन के 20 लाख विक्रेता

ऐमजॉन का थर्ड पार्टी मार्केटप्लेस, जहां स्वतंत्र व्यापारी अपने लाखो उत्पादों को लिस्ट करते हैं, इसके व्यवसाय का एक बड़ा हिस्सा है। इसके लगभग 20 लाख विक्रेता हैं, और Amazon.com पर बेचे जाने वाले आधे से अधिक सामान इन्हीं विक्रेताओं से आते हैं। पिछले साल, विक्रेताओं ने ऐमजॉन को लगभग 103 अरब डॉलर की फीस का भुगतान किया, जो कंपनी के राजस्व का लगभग 22 प्रतिशत था। ऑनलाइन रिटेलर ने कहा कि नई फीस 28 अप्रैल से पहले ऑर्डर किए गए उत्पादों लेकिन इस तारीख के बाद शिप्ड व डिलीवर किए गए उत्पादों पर लागू होगी।

बिजली चोरों पर ऐसे लगेगी लगाम, क्या है सरकार की योजना

नई दिल्ली। देश भर के बिजली उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाने की सरकार की योजना पर तेजी से काम चल रहा है। इस बारे में सरकार ने स्मार्ट मीटर नेशनल प्रोग्राम शुरू किया है। इसे लागू करने में भागीदार कंपनी इंटेलीस्टमार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड भी है। इस दिशा में क्या काम हो रहा है।

4.79 करोड़ स्मार्टमीटर शीघ्र लगेंगे

इंटेलीस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी अनिल रावल ने बताया कि ऐसे मीटर लगाने की प्रक्रिया चल रही है। अभी 4.79 करोड़ स्मार्ट मीटर की खरीद के लिए निविदा की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है। यह निविदा उत्तर प्रदेश, असम, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र समेत विभिन्न राज्यों के लिए है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने साल 2023 तक 10 करोड़ और 2025 तक 25 करोड़ स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य रखा है।

लग चुके हैं 40 लाख स्मार्ट मीटर

रावल के अनुसार, अबतक देश में ईईएसएल की परियोजना के तहत करीब 25 लाख स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके हैं। वैसे अबतक विभिन्न माध्यमों से कुल 40 लाख स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके हैं। जिन राज्यों में स्मार्ट मीटर निविदा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं, वे हैं...असम (26.2 लाख), जम्मू-कश्मीर (6.2 लाख), महाराष्ट्र (10 लाख), बिहार (1.5 करोड), उत्तर प्रदेश (2.67 करोड़) और अन्य राज्य (20 लाख)।

सरकार ने शुरू किया है कार्यक्रम

देश भर के बिजली ग्राहकों के यहां जल्द से जल्द स्मार्ट मीटर लग जाए, इसके लिए केंद्र सरकार स्मार्ट मीटर नेशनल प्रोग्राम (एसएमएनपी) शुरू किया है। इसे लागू करने की जिम्मेदारी टेलीस्टमार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी को मिला है। यह केंद्रीय बिजली मंत्रालय की अगुवाई में काम करने वाली कंपनी एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड और नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट फंड का ज्वाइंट वेंचर है।

रूक जाएगी बिजली की चोरी

रावल का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने से बिजली की चोरी रूक जाएगी। इस समय बिजली वितरण कंपनियों का कंज्यूमर के यहां चोरी होने की वजह से करीब 11 फीसदी का घाटा है। स्मार्ट मीटर की सहायता से इस पर लगाम लग जाएगी। उनके मुताबिक, इससे बिजली बिल की वसूली भी बेहतर होगी। साथ ही, खपत आंकड़ों के सटीक विश्लेषण से वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति भी सुधरेगी। इससे पीक आवर और लीन आवर के लिए डिफ्रेंट रेट वसूलना भी संभव हो जाएगा।

रूस में कारोबार बंद करेगी इन्फोसिस

नई दिल्ली। यूक्रेन पर हमला करने वाले रूस से कई विदेशी कंपनियां किनारा कर चुकी हैं। उनमें अब भारत की दिग्गज सॉफ्टवेयर कंपनी इन्फोसिस का नाम भी जुड़ गया है। कंपनी ने रूस में अपना कारोबार समेटने का फैसला किया है। हालांकि इसकी दूसरी वजह है। कंपनी के फाउंडर एनआर नारायण मूर्ति के दामाद और बेटी को लेकर ब्रिटेन में सवाल उठ रहे थे। नारायण मूर्ति के दामाद ऋषि सुनक ब्रिटेन के वित्त मंत्री हैं। इन्फोसिस ने बुधवार को मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा करते हुए रूस में कारोबार समेटने की बात कही। कंपनी के सीईओ और एमडी सलिल पारेख ने कहा, 'रूस में हमारा कोई क्लाइंट नहीं है। हम वहां अपने ग्लोबल क्लाइंट्स के लिए काम करते हैं। रूस में हमारे पास 100 से कम कर्मचारी हैं। हमारे कामकाज को वहां से बाहर ले जाना शुरू कर दिया है। हमारा फिलहाल रूस के किसी भी ग्राहक के साथ कोई कारोबार नहीं है। आने वाले समय में भी हमारी उनके साथ काम करने की कोई योजना नहीं है।'

क्यों करना पड़ा ऐसा फैसला

पारेख ने कहा कि कंपनी रूस में अपने कर्मचारियों को दूसरे देशों खासकर पूर्वी यूरोप के देशों में जाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि एक कंपनी के तौर पर इन्फोसिस चाहती है कि रूस और यूक्रेन मिलकर शांति का कोई रास्ता निकालें। कंपनी ने वहां मानवीय कार्यों में मदद के लिए 10 लाख डॉलर का एक फंड लॉन्च किया है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के बाद इन्फोसिस देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी है। इसका कारोबार कई देशों में फैला है। यूक्रेन पर रूस हमले के बाद ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने कंपनियों को रूस के साथ कारोबार बंद करने को कहा था। इसके बाद ही वह विपक्ष के निशाने आ गए थे। ऋषि सुनक और अक्षता मूर्ति को इस बात को लेकर घेरा जा रहा था कि अक्षता रूस में इन्फोसिस के परिचालन से हो रही कमाई में हिस्सेदार हैं और इस पर ब्रिटेन में टैक्स नहीं दे रही हैं। अक्षता की इन्फोसिस में हिस्सेदारी है और कंपनी ने रूस में अपना परिचालन जारी रखा था। विपक्ष का आरोप था कि सुनक के घर में ही उनके निदेशों का पालन नहीं हो रहा है।

सुनक पर उठ रहे थे सवाल

सुनक पर इस्तीफा देने के लिए भी दबाव बनाया जा रहा था। अक्षता मूर्ति ने अपनी वर्ल्डवाइड इनकम पर ब्रिटेन में टैक्स का भुगतान करने की घोषणा की थी। हालांकि वह भारत की नागरिक हैं और ब्रिटेन में वह 'नॉन डोम' स्टेटस रखती हैं। यानी वह ब्रिटेन के बाहर हो रही कमाई पर ब्रिटेन में टैक्स देने के लिए बाध्य नहीं हैं। लेकिन अपने पति पर ऊपर उठ रहे सवालों को शांत करने के लिए उन्होंने विदेश में हुई कमाई पर ब्रिटेन में भी टैक्स देने का फैसला किया था।

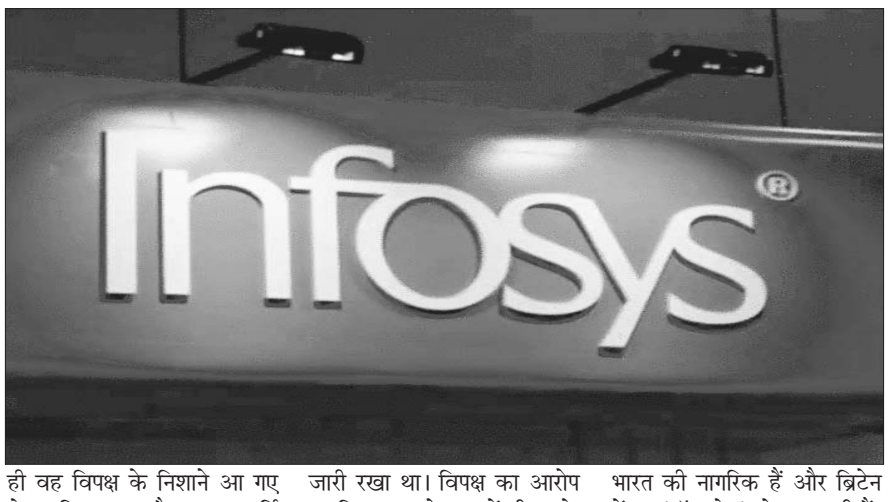

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की योजना पर काम कर रही सरकार : तोमर

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक योजना पर काम कर रही है और कृषि-विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में खेती की इस पारंपरिक पद्धति को शामिल करने पर विचार कर रही है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्राकृतिक और जैविक खेती सहित खेती के विभिन्न तरीकों को प्रोत्साहित करना चाहती है। तोमर ने वैज्ञानिकों से खेती के पारंपरिक तरीकों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए अपनी शोध जानकारियां उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया। कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) संस्थानों के निदेशकों के वार्षिक सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए तोमर ने कहा, ह्यह्यभारत को आत्मनिर्भर बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती के विभिन्न तरीकों को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती एक पारंपरिक पद्धति है जो देश की आजादी से पहले मौजूद थी। हालांकि, देश को उस समय की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हरित क्रांति के दौरान रासायनिक उर्वरक आधारित खेती को अपनाना पड़ा। मंत्री ने कहा कि रासायनिक खेती एक चरम बिंदु पर पहुंच गई है और खेती के विभिन्न तरीकों को आजमाने की जरूरत है, जिसमें पारंपरिक खेती भी शामिल हैं। इस संदर्भ में तोमर ने कहा, हम जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। हम प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक योजना पर काम कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि कुछ वैज्ञानिक कह सकते हैं कि प्राकृतिक खेती एक आदिम तरीका है लेकिन उन्हें पंजाब जैसे कुछ राज्यों में रासायनिक खेती से हुए नुकसान की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को पारंपरिक खेती के तरीकों पर शोध करना चाहिए और इसे कृषि-विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आईसीएआर ने इस मामले पर गौर करने के लिए एक समिति का गठन किया है। तोमर ने यह भी कहा कि भारत के लिए कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना जरूरी है क्योंकि मौजूदा समय में युद्ध सिर्फ गोलियों से नहीं लड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि देश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र के योगदान को बढ़ाने के लिए और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र की तुलना में कृषि से संबद्ध क्षेत्रों का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अधिक योगदान है। उन्होंने कहा कि पहले उत्पादन केंद्रित नीतियों का पालन किया जाता था लेकिन अब किसानों की आय में सुधार और उत्पादन की लागत को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। उन्होंने इस क्षेत्र में क्रांति का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि आईसीएआर नई शिक्षा नीति लागू कर रहा है और आने वाले वर्षों में इसके परिणाम देखने को मिलेंगे। कृषि स्टार्टअप के बारे में तोमर ने कहा कि कई मॉडल बहुत प्रयासों के बाद स्थापित किए गए हैं, लेकिन उन्हें सार्वजनिक लाभ के लिए व्यापक रूप से लागू नहीं किया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने कहा कि कृषि शिक्षा पाठ्यक्रम को उस गति के अनुरूप अद्यतन किया जाना चाहिए जिस गति से कृषि क्षेत्र बदल रहा है। आईसीएआर के महानिदेशक त्रिलोचन महापात्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों (वीसी) से सहमति लेने के बाद लागू की जा रही है। उन्होंने कहा कि कुलपतियों ने यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों में सालाना 10 प्रतिशत और आईसीएआर कोटा क्रमशः 15 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत और 25 से 30 प्रतिशत करने पर सहमति व्यक्त की है। महापात्र ने कहा कि निजी संस्थानों में प्रवेश में आईसीएआर की कोई भूमिका नहीं है, लेकिन वे सीटों के आवंटन के लिए आईसीएआर की सामान्य प्रवेश परीक्षा का उपयोग कर सकते हैं। कार्यक्रम में कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी और शोभा खरंदलाजे भी मौजूद थीं। तोमर ने इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय का पुरस्कार और हैकाथॉन पुरस्कार भी प्रदान किए।

दिल्ली विधान सभा के चुनावी समर क्षेत्र में आप, भाजपा व कांग्रेस आमने - सामने

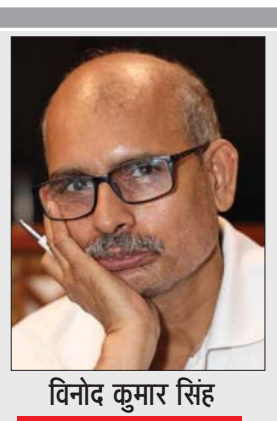

विनोद कुमार सिंह

भाजपा व उनके कट्टर समर्थक कल तक दिल्ली सरकार आसीन आम आदमी पार्टी की मुखिया केजरीवाल व उनकी सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याण कारी योजना(मुफ्त योजना) सरकारी कर दाताओं की गढाई कमाई खजानों को लुटाने व फ्री की रेवडी पानी पी पी कर कोसने वाले भाजपा ने अपनी चुनावी भाषण व घोषणा पत्र आप सरकार के द्वारा वर्तमान में चलाने जाने वाली योजना यथावत चालु रखने की वकालत ही नहीं कर रही बल्कि कई अन्य लोक लुबावन मुफ्त योजना को लागु करने की घोषणा करते थक नहीं रही है।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की राजधानी दिल्ली नें एक बार फिर से राजनीतिक पंडितो को सोचने को मजबुर कर दिया है कि विश्व के सबसे व पुराने प्रजातंत्र के जन्म दाता भारत की राजनीति जिसका नाम बड़े ही अदब से लिया जाता है। उसी भारत की राजनीति का स्तर इतना गिर जायेगा कि सता के सिंघासन के लिए राजनेता व राजनीतिक दल सिद्धान्त विहीन हो कुछ भी कर सकता है। ऐसा ही घटना आयें दिनों को देखने मिलती रहती है।जैसा कि सर्व विदित है देश की राजधानी में दिल्ली विधान सभा चुनाव 25 की घोषणा चुनाव आयोग द्वारा हो गई है।एक ओर तो हाय रे दिल्नी की हाड़ कंपाने वाली सर्दी वही दूसरी ओर दिल्ली में भाजपा,आम आदमी पार्टी व कॉग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टी द्वारा एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप के प्रहार से दिल्ली की भोली भाली जनता परेशानहै।खास कर जब से दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का एलान हुआ है। दिल्ली विधान सभा के चुनावी मैदान में भाजपा, आप और कांग्रेस ने कमर कस ली है।दिल्ली के सिंघासन पर आसीन होने के लिए तीनों राजनीतिक पार्टी में अपने मुद्दों से लेकर प्रत्याशियों तक पर मंथन चल रही है।70 सीट वाली इस विधान सभा की अहमियत कितनी है,इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है केन्द्र की सता में काबिज लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार भी तत्कालीन आम आदमी पार्टी की सरकार को हराने के लिए नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार चर्चा व चिन्तन का दौर चल रहा है।इस बैठक में दिल्ली विधान सभा चुनाव के पार्टी का घोषणा पत्र से लेकर उम्मीददारों का चयन व रणनीति बनाई जा रही है।ताकि दिल्ली में भाजपा अपनी सरकार बना सकें।केंद्र शासित प्रदेश होने के बावजूद राजधानी के कई बड़े मुद्दे यहाँ की स्थानीय सरकार के हिस्से में होते हैं।आप सभी के मन में प्रशन उठना स्वाभाविक है कि दिल्ली में जब केन्द्र सरकार की सता के सिंघासत पर स्वयं भाजपा व एन डी ए वाली गठबन्धन आसीन है तो दिल्ली के विधान सभा के विश्व के सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा व कांग्रेश पार्टी इतनी क्यूँ परेशान है। सर्व विदित रहे कि दिल्ली विधान सभा की ऐतिहासिक यात्रा भाजपा से शुरू होकर कांग्रेस और फिर आप का गढ़ कैसे बनी।इसकी पीछे की पृष्टिभूमि को जानना आवश्यक है। आजादी के बाद सन1952 पार्ट-सी राज्य के रूप में दिल्ली को एक विधानसभा दी गई।लैकिन सन् 1956 में उस विधानसभा को भंग कर दिया गया तथा सन् 1966 में दिल्ली को एक महानगर परिषद दी गई। दिल्ली राज्य विधानसभा 17 मार्च 1952 को पार्ट-सी राज्य सरकार अधिनियम,1951 के तहत अस्तित्व में आई।1952 की विधानसभा में 48 सदस्य थे।मुख्य आयुक्त को उनके कार्यों के निष्पादन में सहायता और सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद का प्रावधान था, जिसके संबंध में राज्य विधानसभा को कानून बनाने की शक्ति दी गई थी।राज्य पुनर्गठन आयोग (1955) की सिफारिशों के बाद दिल्ली 1 नवंबर 1956 से भाग-सी राज्य नहीं रही।दिल्ली विधानसभा और मंत्रिपरिषद को समाप्त कर दिया गया और दिल्ली राष्ट्रपति के प्रत्यक्ष प्रशासन के तहत केंद्र शासित प्रदेश बन गया।दिल्ली में एक लोकतांत्रिक व्यवस्था और उत्तरदायी प्रशासन की मांग उठने लगी।इसके बाद दिल्ली प्रशासन अधिनियम,1966 के तहत महानगर परिषद बनाई गई।यह एक सदनीय लोकतांत्रिक निकाय था जिसमें 56 निर्वाचित सदस्य और 5 राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत सदस्य होते थे।इसके बाद भी विधानसभा की मांग उठती रही।परिणाम स्वरूप 24 दिसंबर1987 को भारत सरकार ने सरकारिया समिति(जिसे बाद में बालकृष्णन समिति कहा गया) नियुक्त की।इस समिति ने 14 दिसंबर 1989 को अपनी रिपोर्ट पेश करते हुए सिफारिश की कि दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश बना रहना चाहिए,लेकिन आम आदमी से जुड़े मामलों से निपटने के लिए अच्छी शक्तियों के साथ एक विधानसभा दी जानी चाहिए। बालाकृष्णन समिति की सिफारिश के अनुसार,संसद ने संविधान (69वां संशोधन) अधिनियम,1991पारित किया,जिसने संविधान में नए अनुच्छेद 239अअ और 239अइ डाले,जो अन्य बातों के साथ-साथ दिल्ली के लिए एक विधानसभा की व्यवस्था करते हैं।लोक व्यवस्था, पुलिस और भूमि के मुद्दों पर विधानसभा को कानून बनाने का अधिकार नहीं था।1992 में परिसीमन के बाद1993 में दिल्ली में विधानसभा के चुनाव बाद दिल्ली को एक निर्वाचित विधानसभा व मुख्यमंत्री मिला।लैकिन इसके पूर्व 27 मार्च 1952 को पहली बार दिल्ली विधानसभा के चुनाव हुए। इस चुनाव में 5,21,766 मतदाता थे,जिनमें से 58.52% ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कांग्रेस को 48 में से 39 सीटों पर जीत मिली। .वही जनसंघ को पांच, सोशलिस्ट पार्टी को दो और एक-एक सीट पर हिंदू महासभा और निर्दलीय उम्मीदवार को जीत मिली।हालांकि,सन 1956 में विधानसभा को भंग कर दिया गया तथा सन 1992 में परिसीमन के बाद 1993 में दिल्ली विधानसभा फिर कराए गए।

आप को बता दे कि दिल्ली में अब तक सात बार चुनाव हुए हैं।सबसे ज्यादा कांग्रेस ने चार बार,आप ने दो बार(एक बार कांग्रेस के साथ मिलकर)भाजपा ने एक बार सरकार बनाई थी।शीला दीक्षित तीन बार और अरविंद केजरीवाल तीन बार मुख्यमंत्री बने।1993 के पहले चुनाव के बाद दिल्ली विधान सभा में भाजपा कभी भी अपनी वापसी नहीं कर सकी।इस बार दिल्ली विधान सभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी के मुखिया व पूर्व मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप शराब घोटाले से लेकर सीएम आवास पर घिरी है।वहीं भाजपा पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कराने के आरोप लगे हैं। 1991 के दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी अधिनियम के तहत विधानसभा बनी थी सन-1993 में दिल्ली विधान सभा का पहला चुनाव हुआ।भाजपा ने जीत हासिल किये तथा मदनलाल खुराना दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे।उन्होंने दिल्ली को पूर्ण राज्य के दर्जे पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी।वह मोतीनगर से चुनाव लड़कर विधानसभा पहुंचे थे।इस चुनाव में भाजपा ने 70 में से 49 सीटें जीती थीं और उसे 42.80 फीसदी वोट मिले थे। वही कांग्रेस को 34.50 फीसदी और जनता दल को 12.60 फीसदी वोट मिले थे। खुराना 26 फरवरी 1996 तक ही मुख्यमंत्री रह सके।उनकी जगह साहिब सिंह वर्मा सीएम बने।लेकिन चुनाव से पहले उनकी भी विदाई हो गई। 12 अक्तूबर 1998 को सुषमा स्वराज को सीएम बनाया गया। लेकिन प्याज के दामों ने दिल्ली की जनता ने भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया। सन 1998 में शीला दीक्षित के नेतृत्व में कांग्रेस ने जीत हासिल की।कांग्रेस को 52,भाजपा को 15, जनता दल को एक और निर्दलीयों को दो सीटें मिलीं। इसके बाद 2003 और 2008 में भी शीला दीक्षित ने कांग्रेस को जीत दिलाई। 2003 में कांग्रेस को 47 और भाजपा को 20 सीटें मिलीं। 2008 में भी भाजपा सत्ता से दूर रही।इस चुनाव में कांग्रेस को 43, भाजपा को 23 और बसपा को दो सीटें मिलीं।कांग्रेस ने इन दोनों चुनावों में अपने विकास कार्यों, मेट्रो प्रोजेक्ट और औद्योगिक क्षेत्र में मजदूर वर्ग को बढ़ावा देने के चलते जबरदस्त जीत हासिल हुई।लेकिन 2008 की जीत के बाद कांग्रेस की दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार दोनों ही विवादों में घिर गईं। कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले और भ्रष्टाचार के आरोपों पर घिरने के बाद शीला दीक्षित की लोकप्रियता में खासी गिरावट देखी गई।इसमें एक बड़ी भूमिका अन्ना हजारे के जनलोकपाल कानून के लिए किए गए आंदोलन की भी रही।अरविंद केजरीवाल समेत उनकी आम आदमी पार्टी का उदय भी इसी आंदोलन के बाद हुआ था।2013 में कांग्रेस के हाथ से छिनी सत्ता, आप को मिला मौका।नतीजतन नई नवेली आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस से कई सीटें छीन लीं।नव नवेली आम आदमी पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया लेकिन बहुमत से काफी दूर रही।31 सीटों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।आप को 28 और कांग्रेस को महज 8 सीटें ही मिलीं।आप ने कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई।लेकिन गठबन्धन की ये सरकार सिर्फ 49 दिन तक ही चल सकी। सन 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की अगुवाई में आप ने प्रचंड बहुमत हासिल कर नया इतिहास रचा।उसने 70 में से 67 सीटें जीतकर भाजपा-कांग्रेस का सूपड़ा पूरी तरह साफ कर दिया। 2013 में आप को 30 फीसदी वोट मिले थे जो 2015 में बढ़कर 54 फीसदी हो गया।अरविंद केजरीवाल दोबारा सीएम बने।पुन : 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर 70 में से 62 सीटों पर जीत दर्ज की। पार्टी के वोट शेयर में 0.73 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली विधान सभा चुनाव 25 का यह चुनाव भाजपा,कॉंग्रेस व आम आदमी पार्टी नें दिल्ली की भोली भाली जनता को अपने पक्ष कर मतदान करने की अपील करते हुए दिख रहें।भाजपा व उनके कट्टर समर्थक कल तक दिल्ली सरकार आसीन आम आदमी पार्टी की मुखिया केजरीवाल व उनकी सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याण कारी योजना(मुफ्त योजना) सरकारी कर दाताओं की गढाई कमाई खजानों को लुटाने व फ्री की रेवडी पानी पी पी कर कोसने वाले भाजपा ने अपनी चुनावी भाषण व घोषणा पत्र आप सरकार के द्वारा वर्तमान में चलाने जाने वाली योजना यथावत चालु रखने की वकालत ही नहीं कर रही बल्कि कई अन्य लोक लुबावन मुफ्त योजना को लागु करने की घोषणा करते थक नहीं रही है।ऐसे में कई प्रशन उठना स्वाभाविक है कि -क्या आम आदमी पार्टी की सरकार की मुफ्त योजना का भाजपा व कांग्रेस पार्टी समर्थन करती है।जिसका प्रभाव आने वाले चुनाव में असर अभी से दिखने लगा है।वही दूसरी ओर भाजपा की केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा दिल्ली विधान सभा चुनाव में टिकट बॅटवारे को लेकर आ रही है।अन्दर से दबे स्वर में उठने विद्रोह का ताजा उदाहरण तीन बार से रहे विधायक का टिकट काट कर आप के नेता कपिल मिश्रा की टिकट घोषणा होते ही विद्रोही विधायक ने जब स्वतंत्र उम्मीदबार के रूप चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी परिणाम स्वरूप पार्टी को तीसरी लिस्ट में सिर्फ एक उम्मीदवार घोषित करना पड़ा । खैर दिल्ली विधान सभा चुनाव के लिए कुछ हफ्ते ही शेष रह गए हैं ,वही तीनों पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा इस बार दिल्ली विधान सभा चुनाव में अपने पार्टी व उम्मीदवारों कोजीत दिलाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है।दिल्ली विधान सभा 25 के चुनावी समर क्षेत्र में भाजपा,आप व कॉंगेस आमने - सामने है, लैकिन अन्तिम फैसला तो आगामी 5 फरवरी को मतदान व 8 फरवरी को मतगणना होगी। जिसका फैसला दिल्ली की जनता जनार्दन को करना है।उनका असली हितेषी व शुभ चिन्तक कौन है।इसके लिए हम व आप को 8 फरवरी तक इंतजार करना होगा।

संपादकीय

चौकसी जरूरी

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान भीषण आग लगना चिंता की बात है। शुक्र है कि अखाड़े.वालों व दमकलकर्मियों ने फौरन आग पर काबू पा लिया। एकदिन पहले भी इसी तरह आग लगी थी। आग सेक्टर 19 में शास्त्रीय पुल के नीचे लगी। 25 में से 20 टेंट व ढेरों फूस की झोपड़ियां जलकर खाक हो गई। कहा गया खाना पकाते समय आग लगी, जिसमें तीन कुकिंग सिलेंड़रों के ब्लास्ट से श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। पूरे महाकुंभ मेले में एलर्ट जारी कर दिया गया। दमकल को घटनास्थल तक पहुंचने में देरी का कारण भीड़.बताया जा रहा है। हालांकि कोई जन हानि नहीं हुई है। मगर लोगों में दहशत जरूर फैल गई। आग की विकराल लपटें दारागंज-झूंसी के बीच बने नये ट्रेनपुल के करीब पहुंच गई। महाकुंभ स्पेशल ट्रेन को रोकने में नाकाम रेलवे ने उसे निकालने के बाद प्रयागराज-वाराणसी रेलमार्ग पर आने-जाने वाली तमाम ट्रेनों की आवा-जाही रोकी गई। उप्र के मुख्यमंत्री प्रयागराज में ही मौजूद थे, उन्होंने घटनास्थल का दौरा किया और मामले के मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए। भारी भीड़.को संभालना निश्चित रूप से बड़ी चुनौती है। ये टेंट निजी कंपनी द्वारा लगवाए गए हैं। मगर बता रहे हैं, इनके भीतर आग जलाने की बात उक्त कंपनी से नहीं की गई थी। 144 बाद के पड़ने वाले इस महाकुंभ का विशेष महत्त्व है। जिसे देखते हुए मौनी अमावस्या व बसंत पंचमी को भारी भीड़.पहुंचने का अंदाजा लगाया जा रहा है। इसे देखते हुए व्यवस्था को चाक-चौबंद रखना टेढ़ी खीर हो सकती है। पिछले यानी 2013 के कुंभ के दरम्यान तीन दर्जन श्रद्धालु भगदड़.में मारे जाने जैसी घटनाओं से सीख लेने की जरूरत है।

रेवड़ी कल्चर

वायदों का बाजार है चुनाव

लगता है पूरा देश ही वायदों पर चल रहा है। हर चुनाव से पहले लोक लुभावन वायदे किए जाते हैं। एक पार्टी कुछ वायदा करती है दूसरी पार्टी उस से भी बड़ा वायदा कर देती, तीसरी पार्टी और दो-तीन चीजें बीच में बड़ा देती है। वायदे चुनावों में किए जाते हैं, फिर भूला दिए जाते हैं। जो पार्टी दिल्ली चुनाव में केजरीवाल के वायदों का यह कह कर विरोध कर रही थी कि पैसा कहां से आएगा, अपनी घोषणाओं से पहले पूरे आंकड़े प्रस्तुत कर रही थी कि दिल्ली के खजाने में इतना पैसा ही नहीं है; अब वही पार्टी अपने विरोधी से बड़े वायदे कर रही है। उन्हें भी पता है और जनता को भी पता है कि वायदे तो बस वायदे हैं। चुनाव के बाद यही वायदे चुनावी जुमले करार दे दिए जाएंगे। अगर इन वायदों में कुछ दम होता तो आज आजादी के 75 वर्ष बाद भी बिजली, पानी, सड़क, बेरोजगारी मूल मुद्दों में शामिल नहीं होते। जनता हर बार ऐसे वायदों को सुनती है और चुनाव के बाद इन वायदों के लालच में चुनी सरकार के कार्यों को देख अपना माथा पीटती है। आज चुनावों में बड़ी-बड़ी पार्टियों के उम्मीदवार करोड़ो रूपए पार्टी फंड के नाम पर देकर टिकट लेकर आते हैं, अब सोचने की बात यह है जो प्रत्याशी इतना पैसा खर्च टिकट ला रहा है वो जनता से किए वायदे पूरे करने के लिए जोर लगाएगा या अपनी 'इंवेस्टमेंट' को प्रॉफिट सहित निकालने की सोचेगा। जिस उम्मीदवार को जनता जिताकर भेजती है वही चुनाव जीतने के बाद जनता को अगूंठा दिखा वायदों को जुमला बता अपना पिंड छुटा लेता है। असल में जनता को यह चाहिए चुनावों के दौरान उम्मीदवारों से उनके और उनकी पार्टी के नए वायदों को एक तरफ रख पुराने वायदों के बारे में पूछे की उनका क्या हुआ? परंतु असल हालत यह है कि जनता भी जानती है कि यह वायदों का बाजार सिर्फ चुनावों में ही गर्म होता है। वोटों के बाद इनके पूरा होने की उम्मीद बबूल से आम की उम्मीद करने जैसा है। कुल मिलाकर, जनता सब समझती है पर बोलती कुछ नहीं, जिस दिन जनता बोलने लग गई और नेता से उनके वायदों पर सवाल पूछने लग गई। उस दिन इन वायदों के बाजार पर ताला लगने में देर नहीं लगेगी।

क्या अमेरिका के मे दी साबित होंगे ट्रम्प?

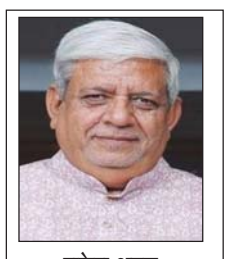

राकेश अचल

माननीय,सम्माननीय डोनाल्ड ट्रम्प अब अमेरिका के नए राष्ट्रपति है। ट्रम्प महोदय के शपथ ग्रहण के बाद ये अटकलें लगना शुरू हो गयीं हैं कि वे आज नहीं तो कल अमेरिका के मोदी साबित होंगे,क्योंकि ट्रम्प और भारत के प्रधानमंत्री प्रातस्मरणीय माननीय श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जीकी प्राथमिकताएं लगभग एक जैसी है। उनकी आक्रामकता ,उनकी सियासत में अदावती शैली मोदी जी की राजनीति से बहुत कुछ मेल खाती है। ट्रम्प के लिए अमेरिका के लिए कुछ नया दिखने का ये अंतिम अवसर है। अमेरिकी ट्रम्प को और मौका नहीं दे सकता।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने भाषण में कैच एंड रिलीज नीति को समाप्त करने का वादा करते हुए कहा कि वे दक्षिणी सीमा पर राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करेंगे और लाखों अवैध अप्रवासियों को वापस भेजेंगे। कैच एंड रिलीज शब्द का इस्तेमाल अक्सर अप्रवासियों को अदालत की तारीख तक हिरासत में रखने के बजाय रिहा करने की नीति के लिए किया जाता है। विशेषज्ञो का कहना है कि यह एक विशिष्ट कानून या नीति नही है और अब आम प्रथा नहीं है, जिसे ट्रंप खत्म करने की बात कह रहे हैं। उनके आदेश का विवरण भी स्पष्ट नहीं है।

भारत में भी अवैध प्रवासियों को लेकर मोदी सरकार लगातार जूझ रही है लेकिन भारत में अभी किसी भी सीमा पर आपातकाल की घोषणा नहीं की हई है लेकिन ट्रम्प महोदय से प्रेरणा लेकर भारत में भी ऐसा कदम उठाया आ सकता है। कोई माने या न माने ट्रम्प और मोदी जी एक-दुसरे के ख्यालों [आइडियाज] की या तो नकल करते हैं या एक-दुसरे को प्रेरित करते हैं दोनों की बातों में हवा -हवाई तत्व कॉमन है।

ट्रंप ने पनामा नहर को वापस लेने का भी वादा करते हुए कहा कि इस नहर के निर्माण के दौरान 38,000 अमेरिकियों की मौत हुई और चीन नहर का संचालन कर रहा है। सच्चाई ये है कि अमेरिकी निर्माण मे 5,600 लोगों की मौत हुई थी और ये कैरिबियन के मजदूर थे। पनामा नहर के प्रशासक ने ट्रंप के इस दावे का खंडन किया है कि चीन नहर का संचालन कर रहा है।

उन्होंने कहा है कि इन बंदरगाहों पर काम कर रही चीनी कंपनियां हांगकांग के एक कंसोर्टियम का हिस्सा थीं, जिसने 1997 में बोली प्रक्रिया जीती थी अमेरिकी और ताइवान की कंपनियां भी नहर के किनारे अन्य बंदरगाहों का संचालन कर रही हैं।मुमकिन है की भविष्य में भारत के प्रधानमंत्री जी भी चीन को आँखेंदीखते हुए चीन से भारत की हथियाई गयी जमीन पर अपना हक जताने लगें।

डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका में मुद्रास्फीति रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची और ऐसा अत्यधिक खर्च और बढ़ती ऊर्जा कीमतों से हुआ है। ये बात सही है कि अमेरिका में मुद्रास्फीति 2022 की गर्मियों में 9.1 फीसदी के चार दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी लेकिन देश में सबसे अधिक मुद्रास्फीति दर जून 1920 में 23.7% थी।संयोग से ये सब भारत में भी हुआ है किन्तु मोदी जी को ये सुविधा हासिल नहीं है कि वे भारत में मुद्रास्फीति के लिए किसी और को जिम्मेदार ठहरा सकें, क्योंकि पिछले 11 साल से वे खुद ही सत्ता में हैं ,मोदी जी इसके एवज हमेशा नेहरू-गांधी परिवार को लपेटते रहते हैं।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने खतरनाक अपराधियों को शरण और सुरक्षा दी है, जिनमें से कई जेलों और मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों से अवैध रूप से अमेरिका में आए हैं। एक्सपर्ट इस दावे को ठीक नहीं मानते हैं। इनका कहना है कि कुछ अमेरिकी शहरों में अप्रवासियों की आमद हुई है लेकिन ज्यादातर कानूनी तौर पर, वर्क परमिट या अदालतों में उनके मामलों पर काम होने तक रहने के प्राधिकरण के साथ आए हैं। ज्यादातर रिसर्च ये बताती हैं कि अप्रवासी, अमेरिका में जन्मे लोगों की तुलना में अपराध करने की कम संभावना रखते हैं। पर कुछ संस्थाएं हैं जो मानती है कि अपराध बढ़ने की वजह अप्रवासी नहीं हैं।भारत में भी मोदी जी और उनकी सरकार मानती है की देश में बढ़ते अपरधों की वजह बांग्लादेशी प्रवासी है। मशहूर फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमले को इसका उदाहरण बताया जा रहा है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में स्वास्थ्य सेवा पर अधिक पैसा खर्च करता है। उनका यह दावा सच है। अमेरिका प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य सेवा पर ज्यादातर देशों ज्यादा खर्च करता है। ट्रम्प की ही तरह भारत के प्रधानमंत्री मोदी जी कहते हैं कि आरोग्य के मामले में उनकी सरकार की आयुष्मान योजना दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। अब कौन सच बोल रहा है, कौन झूठ केवल ऊपर वाला ही जानता है।

अमेरिका के नए और 47 वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ये सुविधा नहीं है कि वे देश के पहले राष्ट्रपति जार्ज वाशिंगटन को देश की मौजूदा हालात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। ये सुविधा केवल भारतीय प्रधानमंत्री की है, वे आज भी देश की बदहाली के लिए अपने 11 साल के कुशासन को जिम्मेदार नहीं मानते, वे इसके लिए देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को जिम्मेदार मानते हैं। देखना ये है कि ट्रम्प साहब के आने के बाद दुनिया कितनी बदलती है। दुनिया में द्वन्द युद्ध जारी हैं। अमेरिका के सामने इन्हें समाप्त करने की चुनौती है। बहरहाल हमारा देश दूसरी बार ट्रम्प युग का और तीसरी बार मोदी युग का सामना कर रहा है। दोनों कि युग का अवसान एक साथ 2029 में होगा। इस मौके पार चचा गालिब की बहुत याद आती है। उन्होंने एक जगह लिखा था कि- था बहुत शोर कि गालिब कि उड़ेंगे पुर्जे देखने हम भी गए ,पै ये तमाशा न हुआ।

मुद्दा : बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता जरूरी

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल ही में सऊदी अरब के रियाद में ग्लोबल हेल्थ स्पैन शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर वक्ताओं ने खुलकर चर्चा की। सम्मेलन में सबसे अहम बात बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता के रूप में उभरकर सामने आई। सम्मेलन में करीब दो हजार से अधिक वैज्ञानिक, उद्यमी, नीति निमार्ता और विचारक एकत्रित हुए। उन्होंने बुजुर्ग होते समाज के भविष्य के समक्ष आने वाले महत्त्वपूर्ण प्रश्नों पर गहनता से चर्चा की। उनका कहना है कि दुनिया में स्वस्थ वृद्धावस्था के अप्रयुक्त अवसरों के साथ-साथ उभरते हस्तक्षेप, प्रौद्योगिकी, नीतिगत परिवर्तन और भविष्य के लिए आवश्यक निवेश पर खुलकर चर्चा की जानी चाहिए। सम्मेलन में यह बात भी सामने आई कि आज वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा 73.4 वर्ष है, जिसके बढ़कर सौ साल होने की उम्मीद की जा सकती है।

वक्ताओं ने कहा कि जीवन प्रत्याशा में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद हमारे जीवन के अंतिम वर्ष अक्सर दीर्घकालिक बीमारी में गुजर रहे हैं। उम्र बढ़ने के साथ कई पूर्वाग्रह और बुढ़ापे को सामाजिक और आर्थिक बोझ के रूप में पेश करने की कहानी सामने आ रही है। कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर जॉन आर. बियर्ड ने कहा कि कामकाजी उम्र की आबादी में वृद्ध आश्रितों की संख्या का अनुपात नकारात्मक धारणाओं को मजबूत करता है और समाज में वृद्ध वयस्कों के सार्थक योगदान को नजरअंदाज करता है। अमेरिका और यूरोप में वृद्ध वयस्क भुगतान किए गए काम, स्वयं सेवा और देखभाल के माध्यम से सकल घरेलू उत्पाद का अनुमानित सात फीसद योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि वृद्ध आबादी आर्थिक स्थिरता और नवाचार के लिए भी एक अप्रयुक्त शक्ति हो सकती है। अमेरिका में 50 से अधिक उम्र के उद्यमियों की संख्या साल 2007 के मुकाबले साल 2024 में दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक जीने से हमें रिटायरमेंट शब्द से भी रिटायर होना पड़ सकता है। अनुमानित जीवनकाल शताब्दी के करीब पहुंचने के साथ हम उम्मीद कर सकते हैं कि हमारा कामकाजी जीवन अतिरिक्त 20-40 वर्षों तक बढ़ जाएगा। यह शिक्षा और काम के बारे में हमारी सोच को फिर से परिभाषित करेगा। वहीं कार्यबल में बने रहने के कारण अर्थशास्त्र से परे भी है। इस बात के बढ़ते प्रमाण हैं कि सेवानिवृत्ति के बाद काम करने से हृदय रोग और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम कम होता है। साथ ही मानसिक प्रगति और सामाजिक जुड़ाव भी मिलता है। उन्होंने कहा कि वृद्ध लोगों को समाज के मूल्यवान सदस्य के रूप में स्वीकार करने के लिए नकारात्मक रूढ़िवादिता को समाप्त करना होगा तथा लंबी आयु के लाभों के बारे में सार्वजनिक धारणा को व्यक्तियों, समाजों और अर्थव्यवस्था तक पहुंचाना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि विकसित देशों में स्वास्थ्य सेवा की लागत का बड़ा हिस्सा उम्र बढ़ने और उम्र से संबंधित बीमारियों से प्रेरित है। फिर भी उम्र बढ़ने और स्वास्थ्य अवधि विज्ञान को बहुत कम धन उपलब्ध है। अमेरिका अल्जाइमर रोग के इलाज पर सालाना लगभग 305 बिलियन डॉलर खर्च करता है। यह आंकड़ा 2050 तक 1.1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है। यूएस रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र का अनुमान है कि हृदय रोग और स्ट्रोक के कारण देश को स्वास्थ्य सेवा व्यय और उत्पादकता हानि के रूप में प्रतिवर्ष 363 बिलियन डॉलर का नुकसान होता है। मधुमेह के कारण अनुमानित वार्षिक स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ 327 बिलियन डॉलर है, जबकि गठिया और संबंधित बीमारियों के कारण होने वाला खर्च 303 बिलियन डॉलर से अधिक है। वहीं देश वृद्धावस्था के लक्षणों के उपचार पर अरबों डॉलर खर्च करता है। अमेरिकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के वार्षिक अनुसंधान बजट का एक प्रतिशत से भी कम या 337 मिलियन डॉलर वृद्धावस्था के जीव विज्ञान को समझने में खर्च होता है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि उम्र बढ़ने के मूल कारणों को संबोधित करने से व्यक्तिगत बीमारियों को लक्षित करने की तुलना में निवेश पर अधिक लाभ मिल सकता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि विश्व की जनसंख्यिकी संरचना में परिवर्तन हो रहा है तथा अनुमान है कि 60 वर्ष से अधिक आयु की जनसंख्या 2050 तक दोगुनी हो जाएगी। वहीं देरी से कार्रवाई करने पर जीवन की गुणवत्ता कम हो जाएगी और अतिरिक्त वर्ष अस्वस्थता में गुजारने पड़ेंगे, जबकि युवा लोगों को अपने परिवार के सदस्यों की देखभाल की जिम्मेदारी उठानी होगी। वृद्ध होते समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा वृद्धावस्था के प्रति विश्व के दृष्टिकोण में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। स्वस्थ वृद्धावस्था को बढ़ावा देने वाले नीतिगत समायोजन, रोकथाम और निवेश को प्राथमिकता देने वाली स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियां तथा समस्त मानवता को लाभ पहुंचाने की क्षमता रखने वाली चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाने के वैश्विक सहयोग के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

मुंबई छोड़ने वाले बयान पर क्या अनुराग कश्यप ने लिया यू-टर्न

कुछ दिन पहले अनुराग कश्यप ने कहा था कि उनमें अब लड़ने की ताकत खत्म हो गई है। वह बॉलीवुड वालों से परेशान हैं इसलिए अब मुंबई छोड़कर साउथ में बस जाएंगे। इस फैसले के पीछे अनुराग ने कई कारण गिना दिए थे। हाल ही में अनुराग कश्यप ने अपने मुंबई छोड़ने वाले बयान पर एक नई बात कह दी है। वह मुंबई को अपनी कर्म भूमि बता रहे हैं। तो क्या अब वह मुंबई नहीं छोड़ने वाले हैं? क्या कहा है, अपने नए बयान में अनुराग कश्यप ने।

अनुराग ने नए बयान में क्या कहा

हाल ही में अनुराग कश्यप को फिल्म 'सत्या' की री रिलीज की स्क्रीनिंग पर देखा गया। इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए अनुराग ने मुंबई छोड़ने वाले अपने बयान पर फिर से बात की। वह कहते हैं, 'हां, मैं जा रहा हूं, बाहर रहूंगा लेकिन कर्म भूमि तो यही है। बस मेरी रहने वाली जगह अब अलग होगी।' इस तरह से अनुराग ने साफ कर दिया कि वह मुंबई तो पक्का छोड़ रहे हैं लेकिन बॉलीवुड में फिल्में करते रहेंगे। अनुराग के लिए हमेशा ही मुंबई, बॉलीवुड उनकी कर्मभूमि रहेगी।

क्या है डायरेक्टर की नाराजगी की वजह

अनुराग कश्यप बॉलीवुड से इसलिए नाराज है कि उन्हें अपने हिसाब से काम करने को नहीं मिल रहा है। साथ ही उनकी पांच फिल्में भी अटकी पड़ी हैं। पिछले दिनों अनुराग ने इस बारे में भी बताया था। दरअसल, साल 2023 में अनुराग की फिल्म 'कैनेडी' को कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था, जहां इसकी काफी तारीफ हुई। लेकिन तब से यह फिल्म रिलीज नहीं हुई है। इस बात का अनुराग को दुख है। वह कहते हैं, 'मैंने पांच फिल्में बनाई है, जो अब तक रिलीज नहीं हो पाई हैं। 'कैनेडी' फिल्म तो ऐसे लोगों के पास है, जिन्होंने आजतक फिल्म नहीं बनाई। स्टूडियो वाले कहते हैं कि आप अपनी हिस्सेदारी बढ़ाओ, पैसा कमाओ और मुनाफा लाओ।'

स्टार के बिहेवियर से भी दिक्कत

पिछले दिनों मुंबई छोड़ने के अपने बयान के साथ ही अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड के वर्किंग कल्चर, स्टार के बिहेवियर पर भी बात की थी। अनुराग ने कहा– 'हिंदी फिल्मों में हर एक्टर को स्टार ट्रीटमेंट चाहिए। ऐसे में फिल्में बनाना काफी मुश्किल हो जाता है। जबकि साउथ इंडस्ट्री में ऐसा नहीं है, बड़े से बड़ा एक्टर फिल्म के बाकी लोगों की तरह ही खुद को ट्रीट करता है।' इन दिनों अनुराग साउथ फिल्मों में एक्टिंग भी कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पॉपुलैरिटी में श्रद्धा कपूर नंबर वन

बॉलीवुड के सितारों को दुनियाभर में पसंद करने वाले लाखों-करोड़ों लोग हैं। उनके फैंस सोशल मीडिया के माध्यम से उनसे जुड़े रहते हैं और उनसे जुड़ी हर छोटी-बड़ी अपडेट यहीं से प्राप्त करते हैं। स्टार्स और फैंस के बीच सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक पुल का काम करता है। पॉपुलैरिटी के मामले में इन स्टार्स के बच्चे भी किसी से कम नहीं हैं, सोशल मीडिया पर इन्होंने भी अपनी तगड़ी फैन फॉलोइंग जुटा रखी है। आइए जानते हैं बॉलीवुड के स्टार किड्स के सोशल मीडिया पर कितने फॉलोअर्स है।

श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शक्ति कपूर की बेटी श्रद्धा कपूर ने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना ली है। अपनी अदाकारी और खूबसूरती के दम पर उन्होंने लाखों फैंस बनाए हैं। श्रद्धा के इंस्टाग्राम फॉलोअर्स की बात करें तो उनके 94.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं। 'स्त्री 2' के रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर तेजी के साथ उनके प्रशंसक बढ़ें हैं।

आलिया भट्ट

आलिया भट्टी की गिनती आज बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में होती है। अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में महेश भट्ट की बेटी के पहचान के साथ कदम रखा था, लेकिन अपनी मेहनत और एक्टिंग के दम पर अपनी पहचान बनाई। आज आलिया भट्ट के लाखों-करोड़ों चाहने वाले हैं। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने कुल 86.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

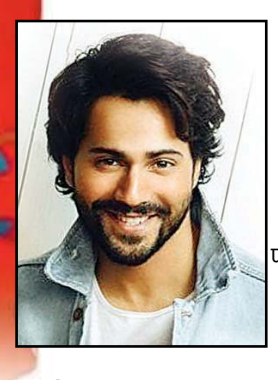

वरुण धवन

वरुण धवन भी आज बॉलीवुड इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेताओं में गिने जाते हैं। डेविड धवन के बेटे वरुण धवन ने भी सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग जुटाई है। अभिनेता के इंस्टाग्राम पर 46.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

सारा अली खान

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान के भी सोशल मीडिया पर काफी चाहने वाले हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 45.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

जान्हवी कपूर

दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी जान्हवी कपूर ने भी इंडस्ट्री में खुद को लगभग स्थापित कर लिया है। अभिनेत्री के सोशल मीडिया पर लाखों दीवाने हैं। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर 26 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

सुहाना खान और आर्यन खान

शाहरुख खान के बेटी सुहाना खान और उनके बेटे आर्यन खान के भी सोशल मीडिया पर फॉलो करने वालों की काफी संख्या है। सुहाना के इंस्टाग्राम पर 6 मिलियन फॉलोअर्स हैं। आर्यन की बात करें तो उनके 3.1 मिलियन फॉलोअर्स इंस्टाग्राम पर हैं।

राशा थडानी

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की डेब्यू फिल्म 'आजाद' हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। राशा के इंस्टाग्राम फॉलोअर्स की बात करें तो यह 2 मिलियन हैं।

ईशान खट्टर, खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान

शाहिद कपूर के भाई ईशान खट्टर के इंस्टाग्राम पर 1.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। श्रीदेवी की छोटी बेटी और जान्हवी कपूरी की बहन खुशी कपूर के 1.7 मि लेयन फॉलोअर्स हैं। वहीं, सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के 1.2 मिलियन फॉलोअर्स इंस्टाग्राम पर हैं।

कार्तिक आर्यन की फिल्म में कैमियो करेंगे ये जवानी है दीवानी के सितारे!

कार्तिक आर्यन ने अपनी अगली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की घोषणा कर दी है, जिससे प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। वैसे, निर्माताओं ने अभी तक मुख्य नायिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री की घोषणा नहीं की है। हालांकि, खबर आ रही है कि में शरवरी वाघ मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। वहीं, इस बीच फिल्म के कलाकारों को लेकर एक और दिलचस्प खबर आ रही है।

इन सितारों का फिल्म में होगा कैमियो

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में ये जवानी है दीवानी के सितारे कैमियो करते नजर आएंगे। सभी मुख्य कलाकार एक खास भूमिका के लिए फिल्म में शामिल होंगे। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है और ये जवानी है दीवानी की तर्ज पर है। ऐसे में निर्माता विशेष प्रस्तुतियों के लिए मूल सितारों को लाने पर विचार कर रहे हैं।

इन मुद्दों पर काम कर रहे निर्माता

रिपोर्ट्स में आगे यह भी बताया गया है कि भले ही ये जवानी है दीवानी के सभी मुख्य कलाकार उपलब्ध न हों, लेकिन निर्माताओं ने उनमें से दो को इसका हिस्सा बनाने की कोशिश करेंगे। यह एक दिलचस्प कैमियो होगा, जो फिल्म को और खास बनाएगा। फिल्म में उन सितारों का कैमियो इस बात पर निर्भर करता है कि उन कलाकारों की तारीखें मेल खानी चाहिए। साथ ही लेखन प्रक्रिया के दौरान इस बात पर खास ध्यान दिया जाएगा कि उन सितारों का फिल्म में सहज परिचय होना चाहिए, न कि जबरदस्ती की भूमिका होनी चाहिए। इन सभी मुद्दों पर टीम ध्यान दे रही है।

आधिकारिक घोषणा का इंतजार

रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, आदित्य रॉय कपूर और कल्कि केकलां निर्देशक समीर विद्वांस की फिल्म में अपने किरदारों को फिर से जीवंत करने की उम्मीद कर रहे हैं। इस बारे में ज्यादा कुछ साझा नहीं किया गया है, लेकिन इस खबर ने प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। हाल ही में ये जवानी है दीवानी भी सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई है, जिसके बाद से इस फिल्म की यादें ताजा हो गई हैं। हालांकि, इन सितारों का तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में कैमियो होने की खबर पर फिलहाल आधिकारिक मुहर लगनी बाकी है।

तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के बारे में बात करते हुए कार्तिक आर्यन ने एक प्रोमो वीडियो के साथ अगली रोमांटिक-कॉम की घोषणा की। कार्तिक आर्यन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर करण जौहर की प्रतिक्रिया साझा की, जिसमें लिखा था, टपर शुभ मुहूर्त का समय निकला जा रहा है रे... रूमी का बेसब्री से इंतजार है। इस पर कार्तिक ने जवाब दिया, इतना आसानी से थोड़ी मुंह दिखाई हो जाएगी।

इस प्रतिभागी को जीतते देखना चाहती हैं शिल्पा शिरोडकर

चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 18 दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के बाद विदा ले रहा है। आज शो के विनर का पता चल जाएगा। दर्शकों की धड़कनें तेज हैं। सभी अपने-अपने पसंदीदा प्रतिभागी की जीत के लिए दुआ कर रहे हैं। शो के शीर्ष छह प्रतियोगी दौड़ में हैं। इनके नाम हैं- अविनाश मिश्रा, ईशा सिंह, चुम दरांग, विवियन डीसेना, करण वीर मेहरा और रजत दलाल। शो के इस सीजन में बतौर प्रतिभागी आईं अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर किसे ट्रॉफी पाते देखना चाहती हैं। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया है।

इस प्रतिभागी का लिया नाम

इस बार के सीजन में शिल्पा शिरोडकर ने भी दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। हालांकि, अब वे शो से बाहर हैं। मगर, आज फाइनल मुकाबले के दौरान वे भी मौजूद रहेंगी। हाल ही में जियो सिनेमा के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया गया है। इसमें शिल्पा कहती दिख रही हैं कि वे करण वीर मेहरा को जीतते हुए देखना चाहती हैं।

शिल्पा ने फैंस का जताया आभार

वीडियो में शिल्पा कहती दिख रही हैं, मैं हूं शिल्पा शिरोडकर। फाइनली, फिनाले का दिन है। मैं जा रही हूं फिनाले के लिए बिग बॉग के सेट पर। मेरे हिसाब से मेरा विनर है करण वीर मेहरा। आपको क्या लगता है? आप भी बताइए। आप सभी ने हमें जो प्यार और इज्जत दी उसके लिए सभी का बहुत-बहुत शुक्रिया।

विजेता को क्या मिलेगा?

शिल्पा के पोस्ट पर यूजर्स के कमेंट की झड़ी लग गई है। करण वीर के बाद यूजर्स सबसे ज्यादा विवियन और रजत दलाल का लिख रहे हैं। विजेता की किस्मत का फैसला अब चंद घंटों में होने वाला है। कथित तौर पर विजेता के नकद पुरस्कार के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं, जो पिछले सीजन की तरह ही 50 लाख रुपये होने की उम्मीद है। ट्रॉफी के बाद विनर को यह राशि मिलेगा।

अजय अंकल की भगत सिंह देखकर हुआ सिनेमा से प्यार, उनकी तरह आंखों से करना चाहता हूं एक्टिंग

बॉलीवुड में नए साल में कई नए एक्टर्स अपने टैलंट के रंग भरने आ रहे हैं। इन्हीं से एक हैं, सुपरस्टार अजय देवगन के भांजे अमन देवगन। अमन निर्देशक अभिषेक कपूर की पीरियड ड्रामा फिल्म आजाद से अपनी फिल्मी पारी शुरू कर रहे हैं।

आप फिल्मी परिवार में पले-बढ़े हैं, लेकिन सिनेमा में ही करियर बनाना है, यह कब तय किया?

ऐसा कोई एक टर्निंग प्वाइंट नहीं था। जब आप एक फिल्मी परिवार में पैदा होते हैं तो माहौल ही ऐसा होता है कि हर वक्त फिल्मों की बातें होती हैं। हालांकि, मुझे याद है कि जब मैंने अंकल (अजय देवगन) की द लेजेंड ऑफ भगत सिंह देखी थी, तब मुझ पर उनकी परफॉर्मेंस का बहुत असर हुआ था। मैं तब बहुत छोटा था और ऐक्टिंग के बारे में ज्यादा समझ नहीं थी, फिर भी जब वे आए थे, मैंने उनसे पूछा था कि आपका कॉस्ट्यूम कहां है? तब मुझे ऐक्टिंग के प्रति आकर्षण महसूस हुआ। फिर, 10वीं पास करने के बाद 15-16 साल की उम्र में मुझे अहसास हो गया कि मुझे ऐक्टिंग ही करना है और मैंने ऐक्टर बनने के लिए जो भी चीजें जरूरी हैं, कोर्स, वर्कशॉप, वह सब करना शुरू किया।

फिल्म में आपके मामा अजय देवगन आपके को-स्टार भी हैं। उनके साथ शूट करने का अनुभव कैसा रहा? और बतौर ऐक्टर और इंसान आप उनकी कौन सी खूबियां अपनाना चाहेंगे?

अंकल के साथ पहले दिन शूट करते वक्त मैं बहुत नर्वस था। मैं बहुत डरा हुआ था, क्योंकि मैं भूल गया था कि वह मेरे अंकल हैं। तब मुझे सुपरस्टार अजय देवगन नजर आ रहे थे, मगर हम ऐक्टर्स के कुछ पैंतरे होते हैं। मैंने थोड़ा ध्यान लगाया, अपने किरदार को पकड़ा और उनको किरदार के तौर पर ही देखा। रही उनकी खूबियों की बात, तो ऐक्टर के तौर पर उनमें एक इंटेंसिटी, एक ठहराव है। वह जिस तरह आंखों से ऐक्टिंग करते हैं, उसका कायल पूरा देश है। मैं खुद भी अपने अंदर यह खूबी लाना चाहूंगा। वहीं, इंसान के रूप में वह बहुत ही प्यारे हैं। इंडस्ट्री में बहुत से लोग उन्हें बॉस कहकर बुलाते हैं, क्योंकि उन्होंने वह सम्मान कमाया है। लोग उनकी बहुत इज्जत करते हैं। वह अपने परिवार को बहुत समय देते हैं। उनका मी टाइम परिवार के साथ वक्त बिताना है। ऐसी बहुत सी क्वॉलिटीज हैं, जो मैं अपनाना चाहूंगा।

आपकी फिल्म आजाद एक पीरियड ड्रामा है। उस दौर की कहानी है, जो आपने देखी नहीं है, तो उस दुनिया का हिस्सा बनना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

सच कहूं तो पहली फिल्म के लिहाज से यह किरदार बहुत चैलेंजिंग था। हम जेन' बच्चे हैं। 2025 में मुंबई जैसे महानगर में रहते हैं। जबकि, यह पीरियड फिल्म है। मेरे किरदार का सोशल स्टेटस भी बहुत अलग है। वह घोड़े की देखभाल करने वाला लड़का है। हमारी बोली भी बिल्कुल अलग थी। हमें बुंदेलखंडी बोलनी थी, जिसके लिए हमारी बहुत सारी क्लासेज हुईं, पर फिल्म में मेरे लिए जो सबसे बड़ा चैलेंज था, वो था मेरा कोस्टर-आजाद, जो एक घोड़ा है। वह ऐक्टर नहीं है कि सेट पर आकर लाइन बोलेगा, तो मुझे उसकी एनर्जी पढ़कर उसके हिसाब से सीन को इंप्रोवाइज करना था। इसलिए, मैंने उसके साथ बहुत वक्त बिताया। मैं उसके साथ दो-दो दिन अस्तबल में सोता था। उसको खाना खिलाता था, नहलाता था। उसकी पॉटी भी साफ करता था, ताकि हमारा एक बॉन्ड और कनेक्शन बन जाए। फिर भी, उसके साथ सीन करना आसान नहीं था, क्योंकि वह कभी भी कुछ भी करता था। कभी हिल जाता था, कभी काटने आ जाता था, तो वह काफी चैलेंजिंग था।

फिल्मी परिवार से होने के नाते उस विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी या दबाव महसूस करते हैं?

बिल्कुल, यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। जब आप एक ऐसी लिगेसी का हिस्सा बनते हैं, जिसका इतना बड़ा नाम है तो उसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होती ही है। इस विरासत को मेरे नाना जी (वीरू देवगन) ने बतौर ऐक्शन डायरेक्टर शुरू किया था। वह पंजाब से मुंबई आए थे, तब उनके पास कुछ नहीं था। वह टैक्सी में सोते थे। उन्होंने लाइटमैन का भी काम किया है और फिर यह विरासत बनाई, जिसे अंकल अजय देवगन ने भी बहुत आगे बढ़ाया तो दबाव बहुत ज्यादा है लेकिन मेरा मानना है कि अगर मैं उस दबाव को बहुत ज्यादा दिल पर ले लूंगा तो अपना काम अच्छे से नहीं कर पाऊंगा। मेरा काम खूब मेहनत करना है, अपने टैलंट पर काम करना है और वह मैं करता रहूंगा।

आपकी पहली फिल्म रिलीज भी नहीं हुई है, मगर दूसरी फिल्म झलक की घोषणा हो गई। आपको नहीं लगता कि यह फिल्मी परिवार से होने का फायदा है?

मैं जितनी ईमानदारी से संभव है, आपको जवाब दूंगा। यह प्रिविलेज निश्चित तौर पर है, मगर हम ऐसे वातावरण में पलते-बढ़ते हैं, जहां बचपन से फिल्में ही देखते हैं। सिनेमा की बातें सुनते हैं तो यह एक बच्चे का सिनेमा के लिए मासूम प्यार होता है कि बड़े होने पर हमें लगता है कि हमें भी यह करना है, क्योंकि हम बचपन से यही देखते आ रहे हैं। बाकी, आखिर में ऑडियंस ही तय करेगी कि आप रहेंगे या नहीं, क्योंकि कोई भी निर्माता आप पर पैसे नहीं लगाएगा, अगर ऑडियंस आपको पसंद नहीं करेगी तो आखिर में ऑडियंस ही राजा है।

सूर्यकुमार की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कोलकाता (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 क्रिकेट सीरीज के पहले मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य मैच में जीत के साथ शुरुआत करना रहेगा। इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम के पास अगले माह होने वाली एकदिवसीय सीरीज और चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए लय हासिल करने का भी अच्छा अवसर रहेगा। दोनो ही टीमों में शानदार खिलाड़ी हैं, ऐस में ये सीरीज रोमांचक होना तय है। इस मैच से अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी वापसी कर रहे हैं। ऐसे में उनके प्रदर्शन पर भी सभी की नजरें रहेंगी। शमी एकदिवसीय विश्व कप 2023 के बाद पहली बार इस मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। शमी को एकदिवीय विश्वकप में टखने में चोट लग गयी थी जिसके लिए उन्हें सर्जरी भी करानी पड़ी है। । शमी ने बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी में वापसी

करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। शमी ने टी20 करियर में 2014 में पदार्पण के बाद से केवल 23 मैच खेले हैं। उन्होंने अंतिम बार इंग्लैंड के खिलाफ 2022 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल खेला था। इस सीरीज में ऑलराउंडर अक्षर पटेल को भारतीय टीम का उप-कप्तान बनाया गया है, ऐसे में अक्षर का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपने चयन को सही साबित करना रहेगा। अक्षर ने वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं चैम्पियंस ट्रॉफी टीम में शामिल नहीं किये गये विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन भी इस मैच में अच्छा प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को करारा जवाब देना चाहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में लगातार दो टी20 शतक लगाने वाले सैमसन इस प्रारुप में काफी सफल रहे हैं। इस मैच में ऑलराउंडर नीतिश रेड्डी भी उसी प्रकार का आक्रामक प्रदर्शन करना चाहेंगे जैसा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे में किया था। उनके रहने से हार्दिक पंड्या के साथ एक और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर टीम के पास रहेगा। वहीं दूसरी ओर जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के मार्गदर्शन में जीत के साथ ही सत्र शुरु करना चाहेगी। मैकुलम अपनी आक्रामण रणनीति के लिए जाने जाते हैं जो वह इस सीरीज में भी अपनाएंगे।

इस मैच में इंग्लैंड को रीसे टॉपली, सैम कुरेन और विल जैक की कमी खलेगी हालांकि उसके पास युवा जैकब बेथेल जैस खिलाड़ी है जो अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा। जैकब ने अब तक सात टी20 मैचों में 167 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इस मैच से इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी वापसी कर रहे हैं। आर्चर चोटिल होने के कारण काफी समय से टीम से बाहर थे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अक्षर पटेल, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, नीतिश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरूण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वॉशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल।

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक, फिल साल्ट, जैकब बेथेल, लियाम लिविंगस्टोन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गुस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, जैमी ओवरटन, जैमी स्मिथ, आदिल रशीद, साकिब महमूद, मार्क वुड।

अश्विन ने शुभमन को उपकप्तान बनाये जाने के फैसले को सही बताया

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने आईसीसी चैम्पियंस के लिए युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को उपकप्तान बनाये जाने के फैसले को सही बताया है। अश्विन ने कहा कि चयनकर्ताओं ने इससे संकेत दिये है कि भविष्य में शुभमन ही कप्तान बनेंगे। वहीं कुछ प्रशंसकों और विशेषज्ञों का मानना है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या बेहतर विकल्प हो सकते थे।

अश्विन ने कहा, ये सोचिए कि हम मौजूदा टीम में से किसे उप-कप्तान नियुक्त कर सकते हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि शुभमन को नियुक्त करने का फैसला सही था या गलत पर जो मुद्दा उठाया गया वह सही था कि वह पिछली सीरीज में भी उप-कप्तान थे। मैं गलत हो सकता हूं पर मुझे लगता है कि उन्होंने टेस्ट में भी कुछ उप-कप्तानी की है। मुझे लगता है कि यह फैसला भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है क्योंकि प्रबंधन इस बारे में सोच रहा होगा कि भविष्य में उनका कप्तान कौन हो सकता है।

अश्विन ने साथ ही कहा कि शुभमन सही विकल्प थे क्योंकि उन्हें अंतिम 11 में नियमित माना जा सकता है जबकि ऋषभ पंत और अक्षर पटेल अभी तक इस प्रारुप में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। उन्होंने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए अक्षर को उप-कप्तान बनाया गया है। अक्षर और रविन्द्र जडेजा के बीच इस बात को लेकर कड़ी प्रतिस्पर्धा है कि दोनों में से कौन अंतिम 11 में खेलेगा। अगर हम ऋषभ पंत और केएल राहुल को देखें, तो ये दोनो ही विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। संभावना यह हो सकती है कि ये दोनो ही खेलें पर चयन समिति ने उप-कप्तानी उस खिलाड़ी को दी है, जिसकी अंतिम ग्यारह में जगह पक्की है।

केकेआर की ओर से रिटेन नहीं किये जाने से हैरान था : श्रेयस

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के लिए गत माह हुई मेगा नीलामी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने श्रेयस अय्यर ने पहली बार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिटेन न करने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। श्रेयस की कप्तानी में ही केकेआर ने 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में सभी का मानना था कि इस बार भी उन्हें कप्तान बनाया जाएगा।

श्रेयस ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा था कि उन्हें रिटेन कर लिया जाएगा। फ्रेंचाइजी ने सत्र समाप्त होने के ठीक बाद रिटेंशन की बात की थी पर उसके बाद केकेआर की ओर से कोई ऐसा प्रस्ताव नहीं किये जाने से वह हैरान हो गए। श्रेयस ने कहा, निश्चित रूप से केकेआर में चैंपियनशिप जीतने में मेरा समय शानदार रहा। वहां गुजारा हर पल मुझे पसंद आया तो जाहिर है, हमने आईपीएल चैंपियनशिप के बाद सीधे बातचीत की थी पर इसके बाद कुछ भी स्पष्ट नहीं हुआ। उनकी ओर से मुझसे संपर्क ही नहीं किया गया। मैं भी समझ नहीं पा रहा था कि क्या हो रहा है, इसलिए बातचीत की कमी के कारण हम ऐसी स्थिति में आ गए जहां हम आपसी सहमति से अलग हो गए।

मेगा ऑक्शन शुरू होने के बाद कुछ देर के लिए श्रेयस आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर भी बने। पंजाब किंग्स ने उन्हें 26.75 रुपये में खरीदा, वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स ने ऋषभ पंत को 27 करोड़ में खरीदा। नीलामी के दौरान श्रेयस अय्यर हैदराबाद में थे। उन्होंने कहा, मैं हैदराबाद में अपने कमरे से इसे देख रहा थे और मैं अच्छी रकम की उम्मीद कर रहा था, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि दो टीम के बीच मुझे लेकर इतनी प्रतिस्पर्धा होगी। कुल मिलाकर मैं उत्साहित था। यहां तक कि मैं एक पॉइंट के बाद मैंने दरवाजा बंद कर वॉशरूम में चला गया।

भारत ने मेजबान मलेशिया को 35 रन पर किया ढेर, तीन ओवर में जीता मैच

कुआलालंपुर (एजेंसी)। गत चैंपियन भारत ने आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप में अपना दबदबा जारी रखते हुए मंगलवार को ग्रुप ए में मेजबान मलेशिया को 10 विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत हासिल की।

??भारत ने टॉस जीतकर एक बार फिर बादलों से घिरे मौसम का फायदा उठाने के लिए पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वैष्णवी शर्मा की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने मेजबान टीम को 14.3 ओवर में मात्र 31 रन पर आउट कर दिया। उन्होंने हैट्रिक भी बनाई और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जवाब में सलामी बल्लेबाज जी त्रिशा (नाबाद 27) और कमलिनी जी (नाबाद चार) ने भारत को तीन ओवर में ही लक्ष्य हासिल करने में मदद की और सभी विकेट बरकरार रहे।

पहले गेंदबाजी करते हुए तेज गेंदबाज जोशीथा वीजे ने अपनी कप्तान के फैसले का समर्थन करते हुए मलेशिया की सलामी बल्लेबाज नूनी को शून्य पर पगबाधा आउट किया। नो-बॉल पर रन आउट ने नूर आलिया को क्रीज पर बने रहने से रोक दिया, लेकिन पांचवें ओवर में

आयुषी शुक्ला के दोहरे स्ट्राइक ने मलेशिया को 15 रन के पार जाने से पहले चार विकेट पर पहुंचा दिया।

वैष्णवी ने बाएं हाथ की स्पिन का दबदबा जारी रखा, उन्होंने अपनी पहली सात गेंदों पर कप्तान नूर दानिया स्यूहादा (1) को कैच और नूरीमन (2) को बोल्ड किया। वैष्णवी ने मेजबान टीम को परेशान करना जारी रखा। अपने अंतिम ओवर में हैट्रिक लेते हुए 5-5 रन बनाए। मलेशिया 31 रन पर आउट हो गया। पिछले हफ्ते गत चैंपियन भारत ने वेस्टइंडीज पर 9 विकेट की शानदार जीत के साथ अपने खिताब की रक्षा की शुरुआत की।

फखर को इन चार टीमों के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान ने आगामी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को लेकर भविष्य वाणी की है। फखर ने कहा है कि इसमें पाकिस्तान, भारत, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका जैसे टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। फखर ने बासित अली से कहा कि पाकिस्तान के अलावा भारत, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ऐसी टीमें हैं जो सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इसमें पाकिस्तान के साथ ही भारत और बांग्लादेश ए ग्रुप में है जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम बी ग्रुप में इंग्लैंड, न ऑस्ट्रेलिया के साथ हैं। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर औपचारिक घोषणा के साथ ही इसको लेकर संशय भी दूर हो गया। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टूर्नामेंट का कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। आठ टीमों के इस आयोजन में 50 ओवर के प्रारूप में 15 मैच शामिल होंगे और यह पाकिस्तान और दुबई में आयोजित किए जाएंगे। इसमें भारत और पाकिस्तान मुकाबला 23 फरवरी को दुबई में होगा। रावलपिंडी, लाहौर और कराची पाकिस्तान में टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाले तीन स्थान होंगे। प्रत्येक स्थान पर तीन ग्रुप मैच आयोजित होंगे, साथ ही लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की भी मेजबानी करेगा। लाहौर 9 मार्च को फाइनल की मेजबानी करेगा, जब तक कि भारत क्वालीफाई नहीं कर लेता, ऐसी स्थिति में फाइनल दुबई में खेला जाएगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में आरक्षित दिन होंगे।

ऋषभ भविष्य में धोनी और रोहित जैसे सफल कप्तान बनेंगे : गोयनका

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने ऋषभ पंत को अपनी टीम का नया कप्तान बनने के एक दिन बाद ही उनकी जमकर प्रशंसा की है। गोयनका ने कहा है कि आने वाले समय में ऋषभ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे सफल कप्तानों में शामिल रहेंगे। यहां तक कि उनका नाम महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ लिया जाएगा। सुपर जायंट्स ने मेगा नीलामी में ऋषभ को आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। वह इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान थे। उनकी कप्तानी में दिल्ली 43 मैचों में से 24 में जीती जबकि 19 में उसे हार का सामना करना पड़ा। इस प्रकार उनकी कप्तानी में टीम का जीत प्रतिशत 56 रहा है। वहीं, धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स और रोहित की कप्तानी में मुम्बई इंडियंस ने पांच-पांच बार आईपीएल खिताब जीता है। जबकि रोहित ने भी यही उपलब्धि हासिल की है, लेकिन मुंबई इंडियंस के साथ। गोयनका ने कहा कि मेरे अनुसार ऋषभ अगले 12 से 15 साल तक खेलेंगे। लोग कहते हैं कि मुम्बई और सीएसके अधिक सफल हैं पर एक दशक के बाद विजेता कप्तानों की इस सूची में धोनी और रोहित के साथ ऋषभ भी जुड़ जाएंगे। वह आईपीएल का सबसे सफल ही नहीं सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी बनेगा। मैंने उसके जैसा जुनून और जीतने की भूख वाला खिलाड़ी नहीं देखा है। अब देखना है कि ऋषभ इस पर कितने खरे उतरते हैं क्योंकि कप्तानी के अलावा सबसे बड़ी रकम मिलने से भी उनपर अतिरिक्त दबाव होगा। पिछले संस्करणों में देखा गया था कि अधिक कीमतों वाले खिलाड़ियों पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव भारी पड़ा और वे असफल रहे थे। वहीं गोयनका का इस इसमें में अलग रुख है।

सात्विक- चिराग की जोड़ी इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में; आयुष और त ान्या मुख्य दौर में पहुंचे

जकार्ता (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने यहां चीनी ताइपे के चेन झी रे और लिन यू चीह की जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में जीत के साथ इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। एशियाई खेलों की चैम्पियन भारतीय जोड़ी ने अपने शुरुआती मैच में विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर मौजूद चेन और लिन की जोड़ी को 21-16 21-15 से हराया। सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी पिछले दो सप्ताह में दो सेमीफाइनल (मलेशिया ओपन सुपर 1000 और इंडिया ओपन सुपर 750) खेल चुकी है।

विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की महिला युगल जोड़ी ने ओरनिचा जोंगसथापोर्नपार्न और सुकित्ता सुवाचाई की थाईलैंड की जोड़ी

को 21-6 21-14 से हराया। सात्विक और चिराग की विश्व की पूर्व नंबर एक पुरुष युगल जोड़ी का अगला मुकाबला इंडोनेशिया के रेमंड इनरा और पात्रा हरपन रिंडोरिंडो की जोड़ी और थाईलैंड के किटिनुपोंग केड्रेन और डेचापोल पुवारानुक्रोह की जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

पिछले महीने गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने वाली अश्विनी और तनीषा की जोड़ी का अगला मुकाबला मलेशिया की पेई की गो और मेई जिंग तेओह से होगा। पुरुष एकल में 2023 ओडिशा मास्टर्स के उपविजेता आयुष शेट्टी ने क्वालीफाइंग चरण में हमवतन किदांबी श्रीकांत को 21-7, 21-15 से हराया, जबकि तान्या हेमंत ने महिला एकल में चीनी ताइपे की तुंग सेउ-टोंग को कड़े संघर्ष में 16-21, 21-17, 21-15 से मात दी। विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2023) के कांस्य पदक विजेता आयुष का मुख्य ड्रॉ में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शी यू क्यूई से मुकाबला होगा, जबकि तान्या के सामने थाईलैंड की पूर्व विश्व चैंपियन रत्चानोक इंतानोन की चुनौती होगी।

महाकुंभ में पहुंची फर्राटा धाविका हिमा दास, गंगा में लगाई डुबकी

महाकुंभ नगर (उत्तर प्रदेश)। स्टार फर्राटा धाविका हिमा दास ने महाकुंभ नगर आकर गंगा में डुबकी लगाई। धिंग एक्सप्रेस के नाम से मशहूर हिमा यहां अपने दोस्तों के साथ आई थी और अपने अध्यात्मिक गुरू केशव दास जी महाराज से आशीर्वाद लिया। महाराज ने कहा, 'जब हिमा को महाकुंभ में पूर्वोत्तर शिविर के बारे में पता चला तो वह आए बिना रह नहीं सकी। वह अपने दोस्तों के साथ आई, गंगा में डुबकी लगाई और रविवार को चली गई।' उन्होंने कहा, 'वह इस अनुभव को लेकर काफी रोमांचित थी और नामघर देखने भी आई।' जकार्ता एशियाई खेल 2018 की स्वर्ण पदक विजेता हिमा 16 महीने का निलंबन खत्म होने के बाद वापसी की तैयारी में है। उनका निलंबर 22 जुलाई 2023 से 21 नवंबर 2024 तक था।

बीसीसीआई के ताजा दिशानिर्देशों से सबक लें अन्य बोर्ड : हीली

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर इयान हीली ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खराब प्रदर्शन के बाद अपने खिलाड़ियों के लिए 10 दिशा निर्देश दिये हैं। उससे पता चलता है कि भारतीय टीम में अनुशासन की कमी आई है। साथ ही कहा कि अन्य देशों की टीमों को भी इससे सबक लेते हुए टीम में अनुशासन बनाये रखने पर ध्यान देना होगा, नहीं तो उन्हें भी इसी प्रकार के हालातों का सामना करना पड़ेगा। ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मिली हार के बाद बीसीसीआई ने सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने, अभ्यास सत्रों के दौरान पूरे समय मौजूद रहने और टीम की बस में ही एकसाथ यात्रा करने को अनिवार्य कर दिया है। स्टेडियम जाने और आने के निर्देश दिए। इसके साथ ही टीम दौरे पर परिवार के साथ रहने का समय भी तय कर दिया है। हीली ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट नए सांचे में ढल रहा है। जिस प्रकार से अधिकारियों को सख्त और मजबूत रूख रखन पड़ा है। उससे पता चलता है कि टीम में अनुशासन की कमी है लेकिन खेल प्रशासकों और खिलाड़ियों ने पहले अनुशासन पर अधिक ध्यान नहीं दिया था जिससे टीम को नुकसान हुआ जिसके बाद उनकी आंखें खुलीं है। इसको देखते हुए दूसरे देशों के बोर्ड को भी सतर्क रहना होगा कि जिससे की हालात खराब होने से पहले ही संभाल लिए जाएं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय खिलाड़ी अलग-अलग यात्रा करते और परिवार के साथ समय बिताते हुए देखे गये थे। इसके अलावा मैच तय समय से पहले समाप्त होने पर भी वह दूसरे शहरों की यात्रा पर निकल जाते थे।

दिग्गज मनीषा मल्होत्रा का बयान, कहा- टेनिस को बचाना है तो आमूलचूल बदलाव करने होंगे

नई दिल्ली। पूर्व ओलंपियन और एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता पूर्व टेनिस खिलाड़ी मनीषा मल्होत्रा ने भारत में टेनिस की मौजूदा स्थिति के लिये इसके प्रशासकों को दोषी ठहराते हुए कहा कि अगर देश में इस खेल को बचाना है तो आमूलचूल बदलाव करने होंगे। पुरुष एकल में सुमित नागल 91वें स्थान के साथ भारत के शीर्ष खिलाड़ी हैं लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। रोहन बोपन्ना पुरुष युगल में 16वें स्थान के साथ भारत के शीर्ष खिलाड़ी हैं लेकिन 44 बरस की उम्र में वह अपने करियर के अंतिम चरण में हैं। महिला एकल में भारत की कोई खिलाड़ी शीर्ष 200 में भी शामिल नहीं है जबकि महिला युगल में भी देश की कोई खिलाड़ी शीर्ष 100 का हिस्सा नहीं है। महेश भूपति के साथ मिलकर 2002 बुसान एशियाई खेलों में मिश्रित युगल का स्वर्ण पदक जीतने वाली मनीषा ने देश में टेनिस के गिरते स्तर के लिए खेल का संचालन करने वाले अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया। इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट की अध्यक्ष मनीषा ने 'भाषा' से विशेष बातचीत के दौरान कहा, ''वर्तमान में टेनिस की कहानी काफी दुखद है। मैं सोचने लगती हूं कि टेनिस इतना अच्छा खेल था जहां हमारे पास इस खेल की इतनी अच्छी विरासत थी। रामानाथन कृष्णन के समय से ही ऐसा था जिसे हमने पूरी तरह से खत्म कर दियाहै।'' उन्होंने कहा, ''आज की तारीख में अगर कोई प्रगति नहीं है, कोई खिलाड़ी नहीं है तो यह हमारी ही गलती है। मुझे यह देखकर काफी दुख होता है क्योंकि मैं आज जो भी हूं टेनिस की वजह से हूं। मेरे जीवन में जो कुछ भी है, वह टेनिस की वजह से है। मैं इस बारे में कुछ कर नहीं पा रही हूं जो बैठे हैं (अधिकारी) वे कर भी नहीं रहे और जो कर रहे हैं वह खराब कर रहे हैं।''

इंग्लैंड के खिलाफ नए सिरे से शुरूआत करने उतरेगी टीम इंडिया, शमी की वा पसी पर फोकस

कोलकाता (एजेंसी)। फिट होकर टीम में लौटे मोहम्मद शमी की वापसी पर सभी की नजरें होंगी जब सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टी20 टीम इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट दौरे पर शर्मनाक हार से मिले जख्मों पर मरहम लगाने का भी होगा।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे जो अगले महीने होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले दोनों टीमों के लिये खुद को आंकने का सुनहरा मौका है। शमी वनडे विश्व कप 2023 में चार मैचों से बाहर रहने के बावजूद भारत के सबसे कामयाब गेंदबाज रहे जिन्होंने 24 विकेट लिए थे। उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम पर न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 57 रन देकर 7 विकेट चटकाए थे। वह टी20 क्रिकेट में कुल 24 विकेट ले चुके हैं और इसमें अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 नवंबर 2023 को फाइनल में मिली हार के बाद से टखने की चोट के कारण शमी टीम से बाहर हैं। इसके बाद उनके बाएं घुटने में सूजन आ गई थी। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमर में चोट होने से चैम्पियंस ट्रॉफी में उनका खेलना तय नहीं है जिससे शमी पर काफी दारोमदार होगा। शमी ने बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी में वापसी की और सात विकेट लेकर सत्र की पहली जीत दिलाई। इसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 11 और विजय हजारे ट्रॉफी में पांच विकेट लिए।

शमी ने टी20 करियर में 2014 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 23 मैच खेले हैं। उन्होंने आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ 2022 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल खेला था। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम आस्ट्रेलिया दौरे पर मिली हार को अभी तक भुला नहीं पाई है जिसके बाद टीम में अनुशासन बहाल करने के लिए बीसीसीआई ने कड़े दिशा निर्देश जारी किए हैं। हरफनमौला अक्षर पटेल को भारतीय टीम का उप-कप्तान बनाया गया है जिन्होंने पिछले साल वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप में खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

अक्षर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 31 गेंद में 47 रन बनाए और आठ मैचों में नौ विकेट भी लिये थे। भारत की चैम्पियंस ट्रॉफी टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे विकेटकीपर संजू सैमसन पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव होगा। मध्यप्रदेश के खिलाफ रणजी मैच में उन्हें केरल टीम में जगह नहीं मिली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में लगातार दो टी20 शतक जड़ने वाले सैमसन कई बार खुद को साबित कर चुके हैं।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में दिसंबर में बॉक्सिंग डे टेस्ट में शतक जमाने वाले नीतिश रेड्डी को भी टीम में जगह मिली है। वह हार्दिक पंड्या के साथ तेज गेंदबाजी का एक और विकल्प दे सकते हैं। जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के लिए मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ यह नए सत्र की शुरूआत है। टी20 विश्व कप से इंग्लैंड के बाहर होने के बाद मैथ्यू मोट ने इस्तीफा दे दिया जिसके बाद मैकुलम ने तीन साल का करार किया। टेस्ट क्रिकेट को आक्रामक खेल (बैजबॉल) की नयी परिभाषा देने वाले मैकुलम सीमित ओवरों के प्रारूप में भी उसे दोहराना चाहेंगे।

आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल चुके मैकुलम के लिये ईडन गार्डन नया नहीं है। इंग्लैंड को रीसे टॉपली, सैम कुरेन और विल जैक की कमी खलेगी लेकिन 21 वर्ष के जैकब बेथेल अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। उन्होंने अब तक सात टी20 मैचों में 167 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। शमी की ही तरह इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। वैसे भारत में शाम

को पड़ने वाली ओस से तेज गेंदबाजों को दिक्कत हो सकती है। इसके बाद 25 जनवरी को दूसरा टी20 चेन्नई में, 28 जनवरी को राजकोट, 31 जनवरी को पुणे और दो फरवरी को मुंबई में खेला जाएगा।

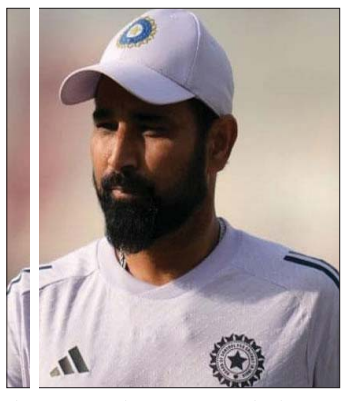

संक्षिप्त समाचार

इस्राइल-हमास समझौते पर लोगों में खुशी, सड़कों पर बजाए ढोल, अब बंधकों की रिहाई का इंतजार

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच गाजा में युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई को लेकर बनी सहमति पर लोगों ने खुशी जाहिर की। समझौते के बाद इस्राइल के तेल अवीव में सड़कों पर भीड़ नजर आई। लोगों ने कैंडल जलाकर और गीत गाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। लोगों ने कहा कि समझौते के बाद काफी राहत मिलेगी। इस दौरान लोगों ने बंधकों के बैनर पकड़कर ढोल बजाए और नारे भी लगाए। अब लोगों को बंधकों की रिहाई का इंतजार है। इस्राइली बंधकों और फलस्तीनी बंदियों की होगी रिहाई समझौते के तहत हमास और उससे जुड़े संगठन सात अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हमलों के बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करेंगे। इसके बाद इस्राइल सैकड़ों फलस्तीनी बंदियों को रिहा करेगा। यह समझौता गाजा के लोगों के लिए एक साल से अधिक समय में पहली बार संघर्ष से राहत देगा और इस्राइल के हमलों के हमलों की शुरुआत के बाद से यह दूसरी बार होगा जब गाजा में युद्धविराम होगा। इस समझौते के तहत फलस्तीनी नागरिकों को गाजा के उत्तरी हिस्से में लौटने की अनुमति मिलेगी और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाई जाएगी, जहां के निवासी लंबे समय से भुखमरी जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। इस्राइल के प्रधानमंत्री ने समझौते के बाद ट्रंप और बाइडन का धन्यवाद किया। पीएम कार्यालय ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि वे सभी बंधकों को वापस लाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अमेरिका के आने वाले राष्ट्रपति की इस टिप्पणी की सराहना की, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका इस्राइल के साथ मिलकर काम करेगा ताकि गाजा कभी भी आतंकवादियों का ठिकाना न बने।

जो बाइडेन ने महामारी के दौरान राजनीति को किनारे रखकर सही काम करे : बराक ओबामा

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने राजनीति में 50 से अधिक वर्षों के लंबे करियर को समाप्त करते हुए देश को संबोधित करते हुए अपना विदाई भाषण दिया। इसके बाद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कोरोना महामारी के समय जो बाइडेन के द्वारा किए गए कार्यों की तारीफ की। बराक ओबामा ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, चार साल पहले महामारी के बीच में, हमें एक ऐसे नेता की जरूरत थी जो राजनीति को किनारे रखकर सही काम करे। जो बाइडेन ने यही किया। ऐसे समय में जब हमारी अर्थव्यवस्था डगमगा रही थी, उन्होंने 1.7 करोड़ नई नौकरियों, ऐतिहासिक वेतन वृद्धि और कम स्वास्थ्य देखभाल लागत के साथ दुनिया की सबसे मजबूत रिकवरी को आगे बढ़ाया। बराक ओबामा ने आगे कहा, उन्होंने हमारे देश के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने के लिए ऐतिहासिक कानून पारित किया। मैं जो बाइडेन के नेतृत्व, उनकी मित्रता और इस देश के प्रति उनकी आजीवन सेवा के लिए आभारी हूं। बता दें कि जो बाइडेन ने बुधवार को अपने विदाई भाषण में देश को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने गाजा में शांति का समझौता करा दिया है। उनके प्रशासन ने आठ महीने की लगातार वार्ता के बाद, हमास और इजरायल में युद्धविराम और बंधक समझौते को कराया। उन्होंने देश के लोगों से डोनाल्ड ट्रंप के तहत भविष्य में कुलीन वर्गों, दुष्प्रचार और एआई के खतरों के खिलाफ खड़े रहने की अपील की। इसके अलावा उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को महामारी से उत्पन्न गहरे संकट से बाहर निकालने में अपनी उपलब्धियों का जिक्र किया।

यूके में भारतवंशी नर्स पर हमला

लंदन, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम ब्रिटेन के ग्रेटर मैनचेस्टर स्थित रॉयल ओल्डहैम अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात एक नर्स पर कैंची से हमला किया गया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। वह अस्पताल की आपात चिकित्सा इकाई में रात्रि पाली में ड्यूटी कर रही थीं। मैनचेस्टर मैजिस्ट्रेट अदालत में नर्स का नाम अचम्मा चेरियन बताया गया। उन पर शनिवार रात हमला किया गया था। आरोपी रूमन हक (37) को गिरफ्तार कर लिया गया है। हमले की वजह फिलहाल नहीं बताई गई है। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने कहा कि रूमन पर मंगलवार को हत्या का प्रयास और ब्लेड वाली वस्तु रखने का आरोप लगाया गया। उसे अगले महीने मैनचेस्टर क्राउन अदालत में पेश करने के लिए हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस की तरफ से जारी बयान के अनुसार, पीड़िता 50 साल की हैं और उन्हें हमले में गंभीर चोट आई हैं। उनका इलाज चल रहा है।

बांग्लादेश में पूर्व सेना प्रमुख समेत 18 को 12 साल की कैद

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की विशेष अदालत ने बुधवार को पूर्व सेना प्रमुख हारुनुर रशीद और 18 अन्य लोगों को गबन और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 12 साल कैद की सजा सुनाई और 4,500 करोड़ टका से अधिक का जुर्माना भी लगाया। रशीद बांग्लादेश के सम्मानित अफसर रहे हैं। जज मोहम्मद रबीउल आलम ने सभी पर एक साथ 4,515.57 करोड़ टका का जुर्माना लगाया, जो गबन की राशि से दोगुनी है। सेना से सेवानिवृत्त होने के कई साल बाद राशिद को डेस्टिनी समूह ने निदेशक के तौर पर भर्ती किया था।

बाइडेन का विदाई भाषण: कहा- कुछ वादे अधूरे रहे, कानून में बदलाव जरूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार देर रात ओवल ऑफिस अपना विदाई भाषण दिया। बाइडेन ने अपने आखिरी भाषण में कहा कि देश में अमीरों के एक छोटे वर्ग का वर्चस्व बढ़ रहा है। इससे देश और लोकतंत्र को खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने देश में टेक-इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स के उभार पर चिंता जताई। बाइडेन ने इसे अमेरिकी नागरिकों के अधिकारों को खतरा बताया। अपने कार्यकाल पर बात करते हुए उन्होंने कहा- हमने जो कुछ भी किया है, उसका असर दिखने में समय लगेगा, लेकिन बीज बो दिए गए हैं, वे बढ़ेंगे और आने वाले दशकों तक खिलेंगे। बुधवार सुबह बाइडेन ने एक लेटर भी जारी किया था। इसमें उन्होंने वादे अधूरे रहने की बात स्वीकार की थी। बाइडेन का यह भाषण ट्रम्प के पद संभालने से ठीक 5 दिन पहले हुआ। ओवल ऑफिस में दिए अपने आखिरी भाषण में उन्होंने अपने 50 साल के राजनीतिक जीवन पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि दुनिया में सिर्फ अमेरिका में ही ऐसा हो सकता है, जहां एक हकलाने वाला बच्चा राष्ट्रपति बन जाए।

अमेरिका में फेक न्यूज का जाल फैला है : बाइडेन ने कहा कि अमेरिकी लोगों पर फेक न्यूज का जाल फैला दिया गया है, और इसके जरिए सत्ता का दुरुपयोग हो रहा है। हमें संविधान में संशोधन करने की जरूरत है, जिससे तय हो सके कि कोई भी इंसान राष्ट्रपति पद रहते हुए अपने अपराधों से मुक्त नहीं है। उन्होंने कहा- कुछ शक्तिशाली ताकतें अपनी पावर का इस्तेमाल कर क्लाइमेंट चेंज के निपटने के लिए हमारे उठाए गए कदमों को खत्म करना चाहती हैं, जिससे वो अपने फायदे के लिए सत्ता का इस्तेमाल कर सकें। हमें अपने और अपने बच्चों के भविष्य की बलि चढ़ाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के जजों के कार्यकाल तय करने, नैतिक सुधार करने और कांग्रेस सदस्यों के स्टॉक ट्रेडिंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

विदेश नीति पर पहले दे चुके हैं भाषण : बाइडेन ने सोमवार को राजधानी वॉशिंगटन में विदेश नीति पर अपना आखिरी भाषण दिया था। इसमें उन्होंने दावा किया था कि चीन कभी अमेरिका से आगे नहीं निकल पाएगा। इसके साथ ही उन्होंने अफगानिस्तान में युद्ध खत्म करने के फैसले को सही ठहराया था। बाइडेन को कैसे याद रखेगी दुनिया डिबेट के बाद रेस से बाहर होने वाले पहले राष्ट्रपति बाइडेन ने जुलाई में खुद को राष्ट्रपति पद की रेस से बाहर कर लिया था। दरअसल, 27 जून को हुई पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट में बाइडेन को ट्रम्प के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। हार के बाद से ही डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता बाइडेन की उम्मीदवारी को लेकर सवाल खड़े करने लगे थे। ट्रम्प पर हमले के बाद उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई, जिसके बाद बाइडेन को अपनी दावेदारी छोड़नी पड़ी। सबसे ज्यादा उम्र के अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन अमेरिका में राष्ट्रपति बनने वाले सबसे ज्यादा उम्र के शख्स बने। जब उन्होंने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी तब उनकी उम्र 78 साल 220 दिन थी। ट्रम्प जब दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, तब उनकी उम्र 78 साल 61 दिन है। अमेरिकी संविधान के मुताबिक ट्रम्प तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकते। ऐसे में कुछ सालों तक बाइडेन का रिकॉर्ड कायम रहेगा। अमेरिकी इतिहास की सबसे लंबी जंग रोकी बाइडेन के दौर में ही अगस्त 2021 में अमेरिकी सेना की अफगानिस्तान से वापसी हुई। अमेरिकी सेना 20 साल से अफगानिस्तान में थी। इसे अमेरिका इतिहास की सबसे लंबी जंग कहा जाता है। अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर दोबारा कब्जा कर लिया। रूस से लड़ने में यूक्रेन की मदद की बाइडेन ने रूस के खिलाफ जंग में यूक्रेन की मदद की। अमेरिका ने यूक्रेन को आर्टिलरी, रॉकेट सिस्टम, ड्रोन, टैंक और एयर डिफेंस सिस्टम दिया। इसके अलावा लंबी दूरी के मिसाइलों का इस्तेमाल करने की भी छूट दी।यूक्रेनी सैनिकों को ट्रेनिंग देने के लिए अमेरिकी डिफेंस एक्सपर्ट्स को भी भेजा गया। बाइडेन ने न सिर्फ यूक्रेन को अरबों डॉलर की आर्थिक मदद पहुंचाई। बल्कि अंतरराष्ट्रीय समर्थन भी जुटाया। इसके अलावा अमेरिका ने रूस पर कड़े प्रतिबंध भी लगाए, जिससे रूस की आर्थिक हालत पर असर पड़ा।

गाजा में हजारों मौत के बाद भी इजराइल का साथ दिया : अमेरिका ने गाजा जंग शुरू होने के बाद एक साल में इजराइल को 18 अरब डॉलर (1.5 लाख करोड़) की सैन्य मदद इजराइल को दी। इसकी मदद ही से इजराइल ने ईरान, हमास, हिज्बुल्लाह और हूती विद्रोहियों का मुकाबला किया। गाजा में 45 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने के बाद भी अमेरिका इजराइल के समर्थन में खड़ा रहा जिससे अंतराष्ट्रीय स्तर पर इजराइली सेना पर जंग खत्म करने का दबाव नाकाफी साबित हुआ।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया भ्रष्टाचार केस में बरी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और BNP नेता खालिदा जिया की भ्रष्टाचार केस में बरी कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए खालिदा की 10 साल सजा को खारिज कर दिया। उन्हें पिछले साल अगस्त में जेल से रिहा किया गया था। 79 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी। चीफ जस्टिस डॉ. सैयद रैफात की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने फैसले के पीछे खालिदा और बाकी लोगों पर बदले की मंशा से कार्रवाई करने का हवाला दिया। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक खालिदा जिया के अलावा, BNP के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान और बाकी लोगों को भी रिहा कर दिया गया है। इन सभी को जिया अनाथालय ट्रस्ट घोटाले से जुड़े मामले में दोषी बनाया गया था।

2018 में 10 साल की सजा मिली : खालिदा जिया को 8 फरवरी 2018 को ढाका की स्पेशल कोर्ट ने जिया अनाथालय ट्रस्ट के नाम पर सरकारी पैसे का गबन करने के आरोप में 5 साल की सुनाई थी। खालिदा के बेटे तारिक और अन्य 5 आरोपियों को भी 10 साल कठोर कारावास की सजा दी गई थी। इन पर 2.1 करोड़ बांग्लादेशी टका का जुर्माना भी लगा था। तारिक और अन्य 2 आरोपी फरार हो गए थे। जिया ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। इस पर कोर्ट ने 30 अक्टूबर 2018 को सुनवाई करते हुए सजा को बढ़ाकर 10 साल कर दिया था। इसके बाद खालिदा ने सजा के खिलाफ लीव-टू-अपील यानी सीधे सर्वोच्च अदालत में चुनौती देने की अपील की थी। 5 साल तक कानूनी प्रक्रियाओं के चलते इसमें देरी होती रही।

इलाज के लिए लंदन में हैं खालिदा : खालिदा लंबे समय से बीमार चल रही हैं। इस महीने की शुरुआत में 7 जनवरी को वे इलाज के लिए लंदन गई हैं। उन्हें कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने एयर एम्बुलेंस उपलब्ध कराई थी। हसीना को लिवर सिरोसिस, हार्ट डिजीज और किडनी की बीमारी है। खालिदा जिया दो बार 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रह चुकी हैं।

अफगानिस्तान में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया, आफ्टरशॉक की आशंका

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में गुरुवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए. इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.2 मापी गई. फिलहाल किसी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है. नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार अफगानिस्तान में गुरुवार को रिक्टर पैमाने पर 4.2 तीव्रता का भूकंप आया. अचानक से धरती से हिलने के बाद लोग घबरा गए. हालांकि, भूकंप यहां के लोगों के लिए कोई नई बात नहीं है. इस आपदा से यहां के लोग अभ्यस्त हो चुके है. यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं. मंगलवार को भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे. भूकंप का केंद्र 180 किमी की गहराई पर था. यह भूकंप बुधवार को आए रिक्टर पैमाने पर 4 तीव्रता वाले भूकंप का आफ्टरशॉक था. अब फिर से यहां आफ्टरशॉक की आशंका है. इससे पहले मंगलवार को अफगानिस्तान के पड़ोसी देश ताजिकिस्तान में 4.1 तीव्रता का भूकंप आया. भूकंप 28 किमी की गहराई में था. रेड क्रॉस के अनुसार, अफगानिस्तान में शक्तिशाली भूकंपों का इतिहास रहा है. हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र है जहां हर साल भूकंप आते हैं. अफगानिस्तान भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच कई फॉल्ट लाइनों पर स्थित है. इसमें एक फॉल्ट लाइन सीधे शहर हेरात से होकर गुजरती है।

इजराइल-हमास में 19 जनवरी से सीजफायर शुरू होगा:बाइडेन और ट्रम्प में क्रेडिट लेने की होड़

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल-हमास के बीच गाजा में पिछले 15 महीनों से जारी जंग रविवार, 19 जनवरी को थम जाएगी। इसके लिए दोनों में सीजफायर और बंधकों की रिहाई से जुड़ी डील फाइनल हो गई है। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल-थानी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। सीजफायर के लिए पिछले कई हफ्तों से कतर की राजधानी दोहा में बातचीत चल रही थी। इस बातचीत में मिस्र और अमेरिका भी शामिल थे। डील के मुताबिक हमास अपनी कैद में मौजूद इजराइली बंधकों के रिहा करेगा। बदले में इजराइल भी हमास के लोगों को छोड़ेगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक कतर पीएम थानी ने हमास और इजराइल के प्रतिनिधियों से बुधवार को मुलाकात की, जिसके बाद ये डील पूरी हुई। डील को लेकर अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडेन और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प में क्रेडिट क होड शुरू हो गई है। दूसरी तरफ गाज में अभी भी इजराइली हमले जारी हैं अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिव गुरुवार को इजराइली हमले में 5 लोगों की मौत हुई है।

बाइडेन और ट्रम्प में क्रेडिट वॉर : अमेरिकी राष्ट्रपति ज बाइडेन और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार क सीजफायर का क्रेडिट लेने का दाव किया। व्हाइट हाउस ने इस डील म ट्रम्प के प्रतिनिधि को भी शामिल किया था। ट्रम्प ने सोशल मीडिय पर पोस्ट करते हुए कहा कि ये ऐतिहासिक समझौता, राष्ट्रपति

चुनाव में हमारी जीत की वजह से हो पाया। ट्रम्प ने कहा कि ये डील मेरे प्रशासन की शांति स्थापित करने और अमेरिका व उसके सहयोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास का सबूत है। वहीं बाइडेन ने व्हाइट हाउस से अपने आखिरी भाषण में डील का जिक्र करते हुए कहा कि- सीजफायर के लिए हमारे कूटनीतिक प्रयास कभी रुके नहीं। यह समझौता हमास पर बढ़ते दबाव, क्षेत्रीय समीकरणों में बदलाव और लेबनान में सीजफायर के बाद ही संभव हो सका। यह अमेरिका की कूटनीति नतीजा है। इजराइली राष्ट्रपति ने कैबिनेट से डील को मंजूरी देने को कहा इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने कैबिनेट से सीजफायर डील को मंजूरी देने के लिए कहा है। हर्जोग ने कहा कि- हम 7 अक्टूबर के हमले को रोकने में अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाए। अब हमें इसे सुधारने के लिए कदम उठाने चाहिए। हर्जोग ने डील के लिए प्रधानमंत्री नेतन्याहू और बातचीत में शामिल लोगों को धन्यवाद भी दिया। साथ ही डील को मंजूरी देकर इजराइली नागरिकों वापस लाने की अपील की। हमास की शर्त ये है कि सीजफायर डील के पहले चरण में इजराइली सेना गाजा सीमा से 700 मीटर पीछे अपने इलाके में चली जाएगी। फिलहाल इस सीजफायर डील को इजराइली कैबिनेट में पेश होना बाकी है।

चीन की वैश्विक उन्नति पर भड़के ट्रंप के विदेश मंत्री, साइबर अपराधों और जासूसी के लिए ठहराया दोषी

वाशिंगटन, एजेंसी। बीजिंग पर कड़ी नजर रखने वाले अमेरिका के भावी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने चीन के वैश्विक महाशक्ति के दर्जे पर पहुंचने के लिए सबसे बढ़िया परिभाषा का इस्तेमाल किया है। बिना किसी संकोच के, मार्को रुबियो, जो अमेरिका की विदेश नीति के दृष्टिकोण को नई दिशा देंगे, ने चीन को झूठा, धोखेबाज और चोर कहा, जबकि साइबर अपराधों और जासूसी के लिए उसे दोषी ठहराया है। इस दौरान मार्को रुबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि 20 जनवरी से, सभी विदेश नीति निर्णय केवल एक प्रमुख मानदंड के आधार पर लिए जाएंगे - क्या निर्णय संयुक्त राज्य अमेरिका को सुरक्षित, मजबूत और अधिक समृद्ध बनाते हैं।

उन्होंने झूठ बोला, धोखा दिया- मार्को रुबियो : वहीं अमेरिका की तरफ से चीन के प्रति दिखाए गए सद्भावना के बारे में पश्चाताप भरे लहजे में बोलते हुए, मार्को रुबियो ने कहा, हमने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का इस वैश्विक व्यवस्था में स्वागत किया। और उन्होंने इसके सभी लाभों का लाभ उठाया। लेकिन उन्होंने इसके सभी दायित्वों

और जिम्मेदारियों को नजरअंदाज कर दिया,। उन्होंने आगे कहा कि इसके बजाय, उन्होंने झूठ बोला, धोखा दिया, जासूसी किया और हमारी कीमत पर वैश्विक महाशक्ति का दर्जा हासिल करने के लिए चोरी की। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अचानक विदेश नीति में बदलाव का संकेत देते हुए, अमेरिका के भावी विदेश मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था न केवल अप्रचलित है; यह अब हमारे खिलाफ इस्तेमाल किया जाने वाला एक हथियार है। उन्होंने जो बाइडन की विदेश नीति के रुख को खारिज कर दिया, जिसमें अमेरिका के नेतृत्व वाली उदार विश्व व्यवस्था है, जो नियम-आधारित प्रणाली को प्राथमिकता देती है इसके बजाय उन्होंने ट्रंप के नेतृत्व में एक आक्रामक अमेरिकी रुख की वकालत की जो इसके मूल उद्देश्य - अमेरिका फर्स्ट के इर्द-गिर्द घूमता है। आने वाला प्रशासन साहसिक कूटनीति पर काम करेगा- मार्को रुबियो चीन को केंद्र में रखते हुए, मार्को रुबियो ने दुनिया भर में तानाशाही के एक साथ आने के खतरों के बारे में चेतावनी देते हुए कहा कि बीजिंग के अलावा, मॉस्को तेहरान और प्योंगयांग के तानाशाह दुनिया में अराजकता और अस्थिरता फैलाते हैं रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप का आने वाल प्रशासन यूक्रेन में युद्ध को प्राथमिकता के आधार पर खत्म करने के लिए निर्णायक फैसला लेगा और साहसिक कूटनीति प काम करेगा। बता दें कि, क्यूबा के श्रमिक वर्ग के आप्रवासियों के पुत्र मार्को रुबियो अमेरिकी विदेश मंत्री बनने वाले पहले हिस्पैनिक और पहले धाराप्रवाह स्पेनिश बोलने वाले व्यक्ति बनेंगे।

गलत नीतियों से बढ़ रहा माइक्रोप्लास्टिक कचरा, रीसाइकल करने का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया यूरोपीय संघ

ब्रसेल्स, एजेंसी। प्लास्टिक कचरे का उचित प्रबंध न होने और गलत नीतियों के कारण यह दिनोंदिन दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। पिछले एक दशक के दौरान दुनियाभर में खासकर यूरोप में प्लास्टिक का उपयोग बहुत बढ़ गया है। 2021 में यूरोपीय संघ (ईयू) में हर एक व्यक्ति ने औसतन 36 किलो प्लास्टिक पैकेजिंग का कचरा पैदा किया। उस साल उत्पन्न 1.6 करोड़ टन से अधिक प्लास्टिक पैकेजिंग में से केवल 65 लाख टन ही रीसाइकिल हो पाया। यह जानकारी काउनास यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (केटीयू) के शोधकर्ताओं की अगुवाई में किए गए एक अध्ययन से सामने आई है। सस्टेनेबिलिटी नामक जर्नल में इसके निष्कर्ष प्रकाशित किए गए हैं। अध्ययन के अनुसार, दुनियाभर में प्लास्टिक रीसाइक्लिंग गंभीर समस्या बनी हुई है। रीसाइक्लिंग की कमी से न केवल लैंडफिल, भस्मीकरण संयंत्रों और प्रकृति में छोड़े गए कचरे की मात्रा बढ़ रही है, बल्कि माइक्रोप्लास्टिक के निर्माण में भी बढ़ोतरी होती है जो लगातार पारिस्थितिकी तंत्र और मनुष्य की सेहत के लिए खतरनाक बनता जा रहा है। हालांकि, प्लास्टिक कचरे को कम करना दुनिया का पहला लक्ष्य बना हुआ है, लेकिन पहले से प्रचलन में मौजूद प्लास्टिक के प्रबंधन के लिए रीसाइक्लिंग जरूरी है। 2025 तक 50 फीसदी प्लास्टिक को रीसाइकल करने का लक्ष्य यूरोपीय संघ हासिल नहीं कर पाया। अब 2030 तक 55 फीसदी का लक्ष्य रखा गया है।

समस्या के समाधान के लिए व्यापक नजरिए की जरूरत : शोधकर्ताओं के अनुसार, स्थिति को सुधारने के लिए कचरे की प्रबंधन प्रक्रिया को केवल एक तरफ से हल नहीं किया जा सकता है। यह बहुआयामी समस्या है। इसलिए इसके प्रति व्यापक नजरिए की जरूरत है। आर्थिक, पर्यावरणीय और कानूनी पहलुओं पर विचार किए बिना केवल रीसाइक्लिंग तकनीकों को बेहतर बनाने या नए तरीके खोजने पर जोर देना ही सही नहीं है। यह नजरिया न केवल समस्या से निपटने में विफल होगा, बल्कि अन्य पहलुओं पर विचार करने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है। यह समझने के लिए कि बाहरी कारण, प्लास्टिक पैकेजिंग रीसाइक्लिंग को कैसे प्रभावित करते हैं एक मैक्रो-पर्यावरणीय विश्लेषण किया गया। इसके तहत छह प्रमुख क्षेत्रों की जांच की गई।

पीएम पद छोड़ने के बाद राजनीति से भी संन्यास लेंगे जस्टिन ट्रूडो? नहीं लड़ेंगे अगला चुनाव

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने घोषणा करते हुए कहा है कि वह अगले आम चुनावों में भाग नहीं लेंगे। कनाडा में आम चुनाव इस साल अक्टूबर में होने वाले हैं लेकिन यह तय समय से पहले भी हो सकते हैं। ओटावा में बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रूडो ने कहा, मैं आगामी चुनाव में हिस्सा नहीं लूंगा। यह मेरा अपना फैसला है। यह बयान उस समय आया है जब ट्रूडो कनाडाई प्रांतों के प्रमुखों के साथ अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ सामंजस्य स्थापित करने की रणनीति पर चर्चा कर रहे हैं। 53 वर्षीय ट्रूडो ने अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर अनिश्चितता जाहिर की और कहा, भविष्य में मैं क्या करूंगा, इसके बारे में मैंने अभी तक ज्यादा नहीं सोचा है। फिलहाल, मैं उन कामों पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं, जिनके लिए कनाडाई नागरिकों ने मुझे चुना है।

2015 में सत्ता में आए थे ट्रूडो : जस्टिन ट्रूडो पहली बार 2008 में क्यूबेक के पापिनो निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। इसके बाद, उन्होंने 2015 में जबरदस्त जीत के साथ प्रधानमंत्री पद संभाला, जिसमें उनकी लिबरल पार्टी ने 338 में से 184 सीटें जीती थीं। हालांकि, 2019 और 2021 के चुनावों में वह बहुमत हासिल नहीं कर सके।

नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया : 6 जनवरी को ट्रूडो ने घोषणा की थी कि लिबरल पार्टी का नया नेता चुने जाने के बाद वह प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। पार्टी के नेतृत्व चुनाव की प्रक्रिया 9 मार्च को समाप्त

होगी और नए नेता के चयन के साथ ट्रूडो की जगह कोई और प्रधानमंत्री द संभालेगा। नेतृत्व की दौड़ में शामिल होने के लिए इच्छुक उम्मीदवारों को 23 जनवरी तक आवेदन करना होगा। प्रमुख दावेदारों में पूर्व बैंक ऑफ कनाडा और बैंक ऑफ इंग्लैंड के गवर्नर मार्क कार्नी और पूर्व उपप्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड के नाम शामिल हैं। कार्नी गुरुवार को एडमंटन में अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर सकते हैं, जबकि फ्रीलैंड 20 जनवरी तक अपने इरादे स्पष्ट कर सकती हैं।

पार्टी के भीतर असंतोष : 2024 के अंत तक, ट्रूडो को पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष का सामना करना पड़ा। 16 दिसंबर को वित्त मंत्री के पद से क्रिस्टिया फ्रीलैंड के इस्तीफे ने पार्टी में अस्थिरता को और बढ़ा दिया। इसके बाद लगभग 100 सांसदों ने ट्रूडो के जल्द इस्तीफे की मांग की। अंततः, ट्रूडो को पद छोड़ने की घोषणा करनी पड़ी।

नए नेताओं के नाम पर चर्चा : अब तक औपचारिक रूप से जिन नेताओं ने अपनी दावेदारी पेश की है, उनमें इंडो-कनाडाई सांसद चंद्र आर्या शामिल हैं। हालांकि, संभावित प्रमुख उम्मीदवारों जैसे विदेश मंत्री मेलानी जोली, डोमिनिक लेब्लांक, फ्रांस्वा-फिलिप शांपेन और रक्षा मंत्री अनिता आनंद ने नेतृत्व की दौड़ में शामिल होने से इनकार कर दिया है। लिबरल पार्टी हाल के महीनों में 20 प्रतिशत से भी कम समर्थन स्तर पर है। वह विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी से करीब 25 प्रतिशत अंकों से पीछे चल रही है। ट्रूडो का यह फैसला कनाडा की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ लाएगा, जहां लिबरल पार्टी को नए नेतृत्व के साथ नई दिशा में आगे बढ़ने की चुनौती होगी।

प्रयागराज महाकुंभ में तंत्र-मंत्र करते नजर आए आईआईटीयन बाबा

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में काफी सुर्खियां बटोर चुके आईआईटी वाले बाबा का कोई एक ठिकाना नहीं है। जूना अखाड़े से निकालने के बाद वह हर बार एक नई जगह पाए जाते हैं, इस बार आईआईटी वाले बाबा उर्फ अभय सिंह संगम के करीब देर रात तंत्र मंत्र करते नजर आए। आईआईटीयन बाबा ने कहा कि मुझे अगर एनर्जी बनानी होती है, तब एक अगरबत्ती रहेगी साइड में, फिर एनर्जी के हिसाब से दीपक रखे जाएंगे। मैं प्रिजेंट मोमेंट के हिसाब से एग्जिक्यूट करता हूं। जो जीते हो वहां वर्तमान ही है, वर्तमान ही तब भूत बनता है बाद में। भविष्य के बारे में चिंता करना सही नहीं है लेकिन भविष्य के बारे में सोच सकते हो, प्लान कर सकते हो। चिंता जो शब्द है वह अलग है, चिंता का मतलब है कि टेंशन हो गय। हर प्रेजेंट मोमेंट को 100 प्रतिशत जीना है, और उसके हिसाब से ही आगे-आगे चीजें होती जाएगी। पुनर्जन्म पर कहा कि यह समझने के लिए आपको जन्म और मृत्य को समझना होगा। किसी चीज को पकड़ कर रखना। कोई मोमेंट जो अच्छा चल रहा है और मैं सोचूं यह ऐसा ही चलता जाए। असल में यूनिवर्स की टेंडेंसी है बदलाव की, लेकिन हम चाहते हैं कि सब स्थिर रहे। यह उम्र के साथ होता है, पैसे के साथ होता है। लोग भूल जाते हैं कि सबकी मौत निश्चित है। लगाव का मतलब ही मोह है, प्रेम में अंतर है, वह बीच में रखता है, वह स्थिर होने की कोशिश नहीं करता।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में ताजा बर्फबारी, 7 से 8 इंच तक बर्फ जमी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर, जेड-गली, फरकियान टॉप और सदना टॉप सहित ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी के कारण 7 से 8 इंच तक बर्फ जम गई है। इसके कारण अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से इन इलाकों की ओर जाने वाली सड़कों पर वाहनों की आवाजाही को रोक दिया है। फिसलन भरी सड़कों और प्रतिकूल मौसम ने बुदनामल, कुमकडी, बंगस घाटी और पोथवारी जैसे अन्य क्षेत्रों को भी प्रभावित किया है, जहां बर्फबारी हुई है, जबकि मैदानी इलाकों में भारी बारिश हुई है। जिला प्रशासन ने ऊपरी इलाकों में रहने वाले लोगों को सलाह दी है कि वे हालात में सुधार होने तक अनावश्यक बाहरी गतिविधियों से बचें। प्रशासन ने बताया कि मौसम के स्थिर होने के बाद यातायात बहाल किया जाएगा।

शुरुआती जांच में बनी संभावना : 17 मौतों की वजह हो सकती है कीटनाशक

जम्मू। राजौरी में बीते कई दिनों से हो रही रहस्यमई मौतों के राज से पर्दा उठता दिख रहा है। शुरुआती जांच के बाद यह सामने आया है कि एक के बाद एक हो रही मौतों के पीछे कीटनाशक एक वजह हो सकती है। बता दे कि मृतक राजौरी जिले के बधाल गांव के तीन परिवारों के थे। फिलहाल स्थानीय प्रशासन ने बावली को सील करने का निर्देश दिया है। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक अंतर-मंत्रालयी टीम के गठन का आदेश दिया था और टीम को राजौरी से लगभग 55 किलोमीटर दूर स्थित गांव का दौरा करने का आदेश दिया था टीम का नेतृत्व गृह मंत्रालय के अधिकारी कर रहे हैं और इसमें स्वास्थ्य, कृषि और अन्य विभागों के प्रतिनिधि शामिल हैं। जानकारों ने बताया है कि गांव के एक बाओली में कीटनाशक के अवशेष पाए गए हैं। खबरों के मुताबिक जिन लोगों की मौत हुई, उन्होंने उसी इस बावली के पानी का सेवन किया था। गौरतलब है कि राजौरी के एक ही गांव में 17 लोगों की रहस्यमई परिस्थितियों में मौत हो गई है। इनमें 14 बच्चे भी शामिल हैं। बीते सप्ताह केंद्रीय गृह मंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दिए थे। खबरों के मुताबिक ऐसा संदेह है कि पीड़ितों की मौत इसी बावली का पानी पीने की वजह से हुई है। सूत्रों ने यह भी कहा है कि इस मामले पर आगे की जांच जारी है। वहीं अधिकारियों ने यह भी बताया है कि अभी तक प्रदूषित पानी और मौतों के बीच कोई सीधा संबंध होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है, हालांकि जांच जारी है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह मौतें रहस्यमई नहीं हैं और इसके पीछे कोई वायरस या बैक्टीरिया है।

सुप्रीम कोर्ट में चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ दायर की गई याचिका, जांच को प्रभावित करने का आरोप

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है जिसमें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनकी सरकार पर उनके और अन्य लोगों के खिलाफ कई आपराधिक मामलों की जांच को पटरी से उतारने के व्यवस्थित प्रयासों का आरोप लगाया गया है। याचिका में हितों के गंभीर टकराव और समझौतापूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण का हवाला देते हुए सात मामलों को आंध्र प्रदेश अपराध जांच विभाग (सीआईडी) से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में स्थानांतरित करने की मांग की गई है। आंध्र प्रदेश के एक वकील द्वारा दायर याचिका में दावा किया गया है कि वर्तमान राज्य प्रशासन भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और आपराधिक हेराफेरी के आरोपों से जुड़े मामलों की जांच में बाधा डालने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर रहा है। इन मामलों में, जिनमें एपी फाइबरनेट लिमिटेड मामला, आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम (एपीएसएसडीसी) मामला, इनर रिंग रोड मामला और दो असाइन्ड लैंड स्कैम मामले शामिल हैं, कहा जाता है कि इसमें मुख्यमंत्री और कई उच्च-रैंकिंग अधिकारी शामिल हैं।

भूटान की राजमाता शेरिंग यांगदोन ने परिवार के सदस्यों के साथ किया ताज का दीदार

आगरा। भूटान की राजमाता शेरिंग यांगदोन ने भूटान शाही परिवार के सदस्यों के साथ ताजमहल देखा और परिसर में करीब डेढ़ घंटे तक बिताया। राजमाता ने ताज महल के अंदर शाही परिवार के साथ फोटो खिंचवाईं। भूटानी शाही परिवार को टूरिस्ट गाइड शमशुद्दीन ने ताज महल दिखाया और इसके बारे में जानकारी दी। शमशुद्दीन ने बताया कि राजमाता 30 साल पहले भी ताजमहल देखने आई थीं और यह उनकी दूसरी यात्रा है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के दौरान यांगदोन ने एक बार फिर ताजमहल के इतिहास के बारे में जाना। शाही परिवार के सदस्यों ने स्मारक के बारे में, इसके निर्माण और नक्काशी सहित कई सवाल भी पूछे। ''वे ताजमहल की खूबसूरती को लेकर बहुत उत्सुक थे।

केरल ने केंद्र से यूजीसी नियमों को खत्म करने का किया आग्रह, विधानसभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित

पटना (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने आज राज्य विधान सभा में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें केंद्र से 2025 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा नियमों को वापस लेने और राज्य सरकारों और अकादमिक विशेषज्ञों के साथ व्यापक चर्चा के बाद नए मानदंड पेश करने का आग्रह किया गया। यह प्रस्ताव विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया। अपने भाषण में, मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि देश भर के विश्वविद्यालय अपने संबंधित राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित कानूनों के अनुरूप काम करते हैं, और उचित परामर्श के बिना केंद्रीय नियमों को लागू करने का कोई भी कदम भारत के संघीय ढांचे को कमजोर कर देगा।

सीएम ने कहा कि विभिन्न राज्यों में विश्वविद्यालय संबंधित राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित कानूनों के अनुसार कार्य करते हैं क्योंकि उनके पास विश्वविद्यालयों की स्थापना और पर्यवेक्षण करने की शक्ति है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिए समन्वय और मानक तय करने की शक्ति केवल केंद्र सरकार के पास है। उन्होंने कहा कि इन तथ्यों को नजरअंदाज करके और सभी हितधारकों के साथ चर्चा किए बिना, केंद्र ने मसौदा दिशानिर्देश जारी किए, जिसमें कुलपतियों की नियुक्ति सहित राज्य सरकारों की राय को पूरी तरह से बाहर रखा गया है, और इसलिए, वे 'संघीय प्रणाली और लोकतंत्र के साथ असंगत हैं।'

सीएम ने दावा किया कि मानदंडों में निजी क्षेत्र के व्यक्तियों को भी कुलपति के रूप में नियुक्त करने की अनुमति देने का प्रावधान, जबकि अकादमिक विशेषज्ञों पर विचार नहीं किया गया, 'उच्च शिक्षा क्षेत्र का व्यावसायीकरण करने का एक कदम था। उन्होंने तर्क दिया कि 2025 के यूजीसी मानदंडों के मसौदे को केवल उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लोकतांत्रिक मूल्यों को नष्ट करने और इसे 'धार्मिक और सांप्रदायिक विचारों को फैलाने वालों के नियंत्रण' में लाने के कदमों के हिस्से के रूप में देखा जा सकता है।

सशस्त्र सेनाओं के लिए दुखद है ध्रुव हेलिकॉप्टर के उड़ान भरने पर लगी रोक

नई दिल्ली। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने रक्षा मंत्रालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्नत हल्के हेलिकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव के संपूर्ण बेड़े के उड़ान भरने पर लगी हालिया रोक सशस्त्र सेनाओं के लिए दुखद है। लेकिन हमें उम्मीद है कि यह मामला जल्द हल हो जाएगा। इसी जनवरी के महीने में गुजरात के पोरबंदर में तटरक्षकबल के एक एएलएच के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद लगभग 15 दिनों से ध्रुव हेलिकॉप्टर के उड़ान भरने पर रोक लगी हुई है। रक्षा सचिव गणतंत्र दिवस परेड समारोह में भाग लेने वाले मुख्य आकर्षक बिंदुओं के बारे में सम्मेलन में मीडिया को जानकारी दे रहे थे। इस दौरान ध्रुव हेलिकॉप्टर के परेड से जुड़े फ्लाई पास्ट में भाग लेने को लेकर पूछे गए प्रश्न के जवाब में उन्होंने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उक्त हादसे की वजह से ध्रुव हेलिकॉप्टर इस बार गणतंत्र दिवस परेड में भाग नहीं ले सकेगा। फिलहाल इसकी निर्माता कंपनी एचएएल द्वारा तीनों सेनाओं (सेना, नौसेना, वायुसेना और तटरक्षकबल) में शामिल कुल करीब 330 हेलिकॉप्टरों की सुरक्षा जांच की जा रही है। उधर, सेना के सूत्रों ने कहा कि परिस्थिति चुनौतीपूर्ण है। लेकिन ध्रुव की अनुपस्थिति से सीधे तौर पर लॉजिस्टिक, सैन्य टुकड़ियों की आवाजाही और रणनीतिक अभियानों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हमारे पास बाकी हेलिकॉप्टर हैं। लेकिन वर्तमान में ध्रुव का ना होना रणनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण तो है। नौसेना और तटरक्षकबल अपने समुद्री अभियानों में दिक्कत का सामना कर रहे हैं। गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब ध्रुव हेलिकॉप्टर के समूचे बेड़े के उड़ान भरने पर रोक लगाई गई है। पूर्व में 2023 में इस तरह की समस्या आ चुकी है।

पीड़िता मृतक डॉक्टर के पिता ने... ममता बनर्जी से कुछ नहीं करने की अपील की

कोलकाता (एजेंसी)। आरजी कर बलात्कार और हत्याकांड के आरोपी संजय रॉय को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। इस फैसले पर पीड़िता डॉक्टर का परिवार नाराज हैं। हालांकि, उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से कुछ नहीं करने की अपील की है। साथ ही उन्होंने सबूतों के साथ छेड़छाड़ के आरोप भी ममता सरकार पर लगाए हैं। बीते साल 9 अगस्त को 32 साल की ट्रेनी डॉक्टर की रेप कर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, पीड़िता के पिता ने कहा, हमें आदेश की कॉपी मिलने दीजिए, हम आदेश की कापी मिलने के बाद तय करने वाले हैं कि इस मामले में क्या करना चाहते हैं। उन्हें (सीएम ममता बनर्जी) को जल्दबाजी में कुछ भी करने की जरूरत नहीं है। आज तक मुख्यमंत्री ने जो किया है, इसके बाद उन्हें आगे कुछ नहीं करना चाहिए। यह कहते हुए कि उम्रकैद इसलिए दी गई, क्योंकि सीबीआई उचित सबूत नहीं दे सकी, पीड़िता के पिता ने कहा, वे बहुत कुछ कह सकते हैं, लेकिन उन्होंने सिर्फ सबूतों से छेड़छाड़ की है...। तत्कालीन सीपी और अन्य लोगों ने सबूतों से छेड़छाड़ की। क्या ये सब उन्हें शुरुआत से नजर नहीं आया। मृतका के परिजन ने कहा कि वे दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाने के अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि मामले की जांच अधूरे मन से की गई और अपराध में शामिल कई अन्य अपराधियों को बचाया गया। उन्होंने कहा कि वे न्याय के लिए ऊपरी अदालत में जाएंगे। मृत महिला चिकित्सक की मां ने फैसले आने के बाद कहा, हम स्तब्ध हैं। यह कैसे यह दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में नहीं है। ड्यूटी पर तैनात एक चिकित्सक को बलात्कार के बाद मार डाला गया। हम निराश हैं। इस अपराध के पीछे बड़ा षड़यंत्र था।

वहीं सीएम बनर्जी ने निचली अदालत के फैसले पर गहरी नाराजगी जातकर हैरानी जाहिर की हैद्य। उन्होंने अदालत का फैसला आने के बाद कहा कि यह मामला दुर्लभ से दुर्लभतम' मामलों में से एक था और अदालत का यह निर्णय इस दृष्टिकोण से बिल्कुल मेल नहीं खाता कि आरोपी को कड़ी सजा दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैसला बेहद निराशाजनक था और इस मामले को 'दुर्लभतम' मामलों में गिना जाना चाहिए था, जिसमें दोषी को सख्त सजा मिलनी चाहिए।

सीमावर्ती क्षेत्रों में जाने से बचें लोग, ममता बनर्जी बोलीं- इसकी सुरक्षा बीएसएफ की जिम्मेदारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा करना बीएसएफ की जिम्मेदारी है और उन्होंने मालदा जिले के स्थानीय लोगों से आग्रह किया कि यदि कोई समस्या हो तो वे सीमावर्ती क्षेत्रों में जाने से बचें। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी 18 जनवरी को मालदा जिले में बीएसएफ चौकी के पास भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव उत्पन्न होने के बाद आई है। दोनों देशों के किसानों के बीच तकरार थोड़ी देर के लिए झड़प में भी बदल गई।

मालदा जिले में एक बैठक में बोलते हुए उन्होंने स्थानीय लोगों से आग्रह किया कि यदि कोई समस्या हो तो वे सीमावर्ती क्षेत्रों के पास न जाएं। इस जिले की सीमा बांग्लादेश से लगती है। उन्होंने कहा, 'सीमा की रक्षा करना बीएसएफ का कर्तव्य है। मैं लोगों से आग्रह करती हूं कि

अगर उन्हें कोई समस्या दिखे तो वे सीमावर्ती इलाकों में न जाएं।' बनर्जी ने जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों से उन लोगों पर सतर्क नजर रखने का भी आग्रह किया जो भारत में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे हैं या गलत इरादों के साथ होटल के कमरों में रह रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि बांग्लादेश के साथ हमारे रिश्ते बेहतर होंगे।'

बनर्जी ने जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों से उन लोगों पर नजर रखने का भी आग्रह किया, जो भारत में घुसने की कोशिश कर रहे हैं या गलत इरादे से होटल के कमरों में ठहरे हुए हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि बांग्लादेश के साथ हमारे रिश्ते बेहतर होंगे।' पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में राज्य सचिवालय में एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक के दौरान सीमा सुरक्षा बल पर बांग्लादेश से घुसपैठ को अनुमति देने का आरोप लगाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि राज्य को अस्थिर करने के लिए केंद्र सरकार के 'ब्लूप्रिंट' के हिस्से के रूप में ऐसा किया जा रहा है। केंद्रीय अर्धसैनिक बल ने आरोप से इनकार करते हुए बताया था कि वह देश की सीमा की पूरी लगन से रक्षा करता है।

महाकुंभ में योगी कैबिनेट की ऐतिहासिक बैठक आज, संगम में डुबकी लगाएंगे मुख्यमंत्री और मंत्री

प्रयागराज, प्रयागराज महाकुंभ में बुधवार, 22 जनवरी को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अपनी कैबिनेट की बैठक कर एक इतिहास रचने जैसा कार्य करने जा रही है। यह बैठक त्रिवेणी संगम के निकट अरैल स्थित त्रिवेणी संकुल में आयोजित की गई है, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कुल 54 मंत्री शामिल होंगे। इस कैबिनेट में हिस्सा लेने वाले मुख्यमंत्री समेत अन्य मंत्री संगम में डुबकी लगाकर पुण्य हासिल करेंगे। योगी सरकार की इस कैबिनेट बैठक में प्रदेश के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा के साथ ही मंजूरी दी जाने की उम्मीद है। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने मंत्रिमंडल के साथ संगम की पवित्र धारा में डुबकी लगाएंगे। इस दौरान विधिवत पूजन-अर्चन भी किया जाएगा। 2019 के कुंभ मेले में भी योगी सरकार ने इसी प्रकार संगम स्नान किया था, जो परंपरा का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसलिए बैठक स्थल को मेला प्राधिकरण सभागार से बदलकर अरैल स्थित त्रिवेणी संकुल में स्थानांतरित किया गया है। मंत्रियों की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर मेला प्रशासन ने विशेष प्रबंध किए हैं। बैठक के बाद मंत्रीगण वीआईपी घाट से मोटर बोट के माध्यम से संगम पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, राजेश पाठक और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों सहित सभी 54 मंत्री संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगे। इस आयोजन को आध्यात्मिकता और सरकार की एकजुटता का प्रतीक माना जा रहा है।

बीजेपी की लाइन से अलग जा रहे अजित पवार! धर्मनिरपेक्षता की राजनीति को लेकर कही बड़ी बात

जम्मू (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को विभाजनकारी रणनीति और भ्रष्टाचार के खिलाफ चेतावनी देते हुए धर्मनिरपेक्षता और प्रगतिशील राजनीति के प्रति अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। जालना में राकांपा के जिला कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, पवार ने महाराष्ट्र में एकता और सामाजिक सद्भाव के महत्व पर जोर दिया और पार्टी कार्यकर्ताओं से अपनी गतिविधियों में पारदर्शिता बनाए रखने का आह्वान किया।

रिपोर्ट के मुताबिक, पवार ने कहा कि महाराष्ट्र हमेशा प्रगतिशील विचार और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक रहा है। एनसीपी दृढ़ता से एकता और धर्मनिरपेक्षता के लिए खड़ी है। हम किसी को भी नफरत फैलाने या विभाजनकारी राजनीति में शामिल होने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से नए सदस्यों को शामिल करते समय सतर्क रहने का आग्रह किया और उन्हें संदिग्ध पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को शामिल करने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अपने कार्यों में पारदर्शिता

सुनिश्चित करें और भ्रष्टाचार या विभाजन को हमारी पार्टी में न आने दें।

पवार ने राज्य सरकार की पहल लड़की बहिन योजना को भी संबोधित किया, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। टीओआई के अनुसार, उन्होंने खुलासा किया कि राज्य सरकार ने एक प्रमुख चुनावी वादे को पूरा करते हुए इस योजना के लिए महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) विभाग को 3,700 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। हालाँकि, डिप्टी सीएम ने 2.5 लाख रुपये और उससे अधिक की वार्षिक आय अर्जित करने वाले लाभार्थियों से स्वेच्छा से कार्यक्रम से बाहर निकलने का आह्वान किया, और उनसे वास्तव में जरूरतमंद लोगों के लिए रास्ता बनाने का आग्रह किया।

आप केवल मुसलमानों की शादियां और तलाक रोक रहे, उत्तराखंड में यूसीसी को लेकर बोले असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड सरकार राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी में है। इसकी को लेकर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी का बड़ा बयान सामने आया है। ओवैसी ने कहा कि जब आप हिंदू विवाह अधिनियम, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम को अपवाद दे रहे हैं तो इसे यूसीसी नहीं कहा जा सकता है और यह आदिवासियों पर भी लागू नहीं होगा। ये कैसा यूनिफॉर्म सिविल कोड? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप केवल मुसलमानों की शादियाँ और तलाक रोक रहे हैं।

ओवैसी ने आगे कहा कि आप यूनिफॉर्म सिविल कोड की बात करते हैं, लेकिन अगर कोई हिंदू धर्म से किसी अन्य धर्म में परिवर्तन करना चाहता है, तो उसे अनुमति लेनी होगी। उन्होंने कहा कि वे वक्फ को बर्बाद करने और उसकी संपत्तियों को लूटने के लिए यह बिल ला रहे हैं।' जैसे CAA पर विरोध हुआ था, वैसे ही अगर वक्फ संशोधन

बिल पास हुआ तो भी विरोध होगा। इससे पहले उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने सोमवार को राज्य सचिवालय में आयोजित एक बैठक के दौरान समान नागरिक संहिता (यूसीसी) नियमावली को मंजूरी दे दी।

अधिकारियों के अनुसार, यह विकास विधायी विभाग द्वारा मैनुअल की सावधानीपूर्वक समीक्षा के बाद हुआ। मंजूरी के बारे में बोलते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 2022 के चुनावों से पहले किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। धामी ने कहा कि हमने 2022 में उत्तराखंड की जनता से वादा किया था कि हमारी सरकार बनते ही हम यूसीसी बिल लाएंगे। हम इसे ले आये। मसौदा समिति ने इसका मसौदा तैयार किया, यह पारित हुआ, राष्ट्रपति ने इसे मंजूरी दी और यह एक अधिनियम बन गया। ट्रेनिंग की प्रक्रिया भी लगभग पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हर चीज का विश्लेषण करने के बाद हम जल्द ही तारीखों की घोषणा करेंगे। यहां यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि भाजपा सरकार ने पिछले साल 6 फरवरी को उत्तराखंड विधानसभा के एक विशेष सत्र के दौरान यूसीसी विधेयक पेश किया था और इसे एक दिन बाद 7 फरवरी को आरामदायक बहुमत के साथ पारित किया गया था। उत्तराखंड विधानसभा के बाद, फरवरी में यूसीसी विधेयक पारित किया गया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 13 मार्च को इस पर हस्ताक्षर किए, जिससे उत्तराखंड के लिए यूसीसी अधिनियमित करने वाला भारत का पहला राज्य बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया।

क्या एआई के आने से दुनिया में गहराएगा बेरोजगारी संकट... जानकारों की राय जाने लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला ने हाल ही में भारत का दौरा किया और देश में अपनी कंपनी के आगामी निवेश के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। नडेला ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट अगले दो वर्षों में भारत में 3 अरब डॉलर का निवेश करेगा, जो खास तौर पर क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में किया जाएगा। उनका कहना था कि इस निवेश से एआई का विकास और उपयोग तेजी से बढ़ेगा और भारत के तकनीकी क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यह वादा भी किया कि अगले पांच वर्षों में माइक्रोसॉफ्ट एक करोड़ भारतीयों को एआई की ट्रेनिंग देने के लिए तैयार है, जिससे एक उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी कार्यबल की सृजन की योजना है।

भारत में एसटीईएम (विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग, गणित) स्नातकों की बड़ी संख्या को देखते हुए, नडेला ने भारत को एक प्रमुख वैश्विक तकनीकी केंद्र के रूप में देखा है। पश्चिमी देशों की जनसंख्या में कमी आ रही है, जिससे इन देशों को एआई और तकनीकी क्षेत्र में कुशल स्नातकों की जरूरत है। नडेला ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि भारत में दुनिया के सबसे अधिक अंग्रेजी बोलने वाले एसटीईएम स्नातक तैयार होते हैं, और यह भारत को पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा प्रतिभा स्रोत बना रहा है। पहले जहां भारतीय ज्यादा तकनीकी रूप से कम योग्यता वाले कार्यों में लगे थे, अब बड़ी वैश्विक कंपनियां भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसीएस) खोल रही हैं, जिससे भारत में उच्च स्तर के तकनीकी कार्यों का अवसर बढ़ा है।

हालांकि एआई के प्रसार को लेकर कुछ आशंकाएं भी हैं। कुछ लोगों को डर है कि एआई लाखों नौकरियों को खत्म कर सकता है, और मशीनें इंसानों से ज्यादा बुद्धिमान हो सकती हैं। परंतु कई विशेषज्ञ मानते हैं कि हर नई तकनीक के साथ बेरोजगारी का डर होता है, जो अंततः गलत साबित होता है। जैसे पहले मशीनीकरण, व्यक्तिगत कंप्यूटर और इंटरनेट ने नई नौकरियों की सृजन की, वैसे ही एआई भी रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकता है। हालांकि यह भी सच है कि कुछ क्षेत्रों में नौकरियां समाप्त हो सकती हैं, लेकिन कुल मिलाकर नए अवसर उत्पन्न हो सकते हैं।

नडेला ने इस बात पर जोर दिया कि एआई के कारण उत्पन्न होने वाली नौकरियों की कमी से निपटने के लिए सरकारों को उच्च कॉर्पोरेट मुनाफे और तकनीकी कर्मचारियों की उच्च आय पर टैक्स लगाकर बेरोजगारी मुआवजे की योजना बनानी होगी। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि रीट्रेनिंग और तकनीकी नवाचार का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि एआई के विकास से समृद्धि में सुधार होगा, लेकिन इसके साथ आने वाली चुनौतियों का सही तरीके से सामना करना जरूरी है।